नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 20 अप्रैल 2025 रविवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 326 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1946 : संयुक्त राष्ट्र की पूर्ववर्ती संस्था लीग ऑफ नेशन्स भंग की गई।

1953 : कोरिया और संयुक्त राष्ट्र सेना के बीच बीमार युद्ध बंदियों का आदान प्रदान हुआ था।

1997: इंद्र कुमार गुजराल देश के 12वें प्रधानमंत्री बने।

2011 : इसरो के उपग्रह प्रक्षेपण यान 'पीएसएलवी' ने तीन उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित किया।

भारतीय वायुसेना के हैरतअंगेज करतब देख मंत्रमुग्ध हुए लोग

राजधानी रांची के लोगों ने पहली बार अपने क्षितिज पर देखे रोमांचक नजारे, आज भी होगा कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांचीवासियों के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक था। राजधानी के लोगों ने पहली बार नामकुम स्थित खोजा टोली आर्मी भर्ती मैदान में एयर शो देखा। भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण टीम के पायलटों ने लड़ाकू विमानों को आसमान में एक-दूसरे के बेहद करीब उड़ाकर कलाबाजियां कीं और कभी आसमान में तिरंगा फैलाया तो कभी दिल की आकृति बनाई। दो दिवसीय एयर शो का आज पहला दिन था। एयरफोर्स की सूर्य किरण टीम हॉक एयरक्राफ्ट के साथ आसमान को चीरते हुए करतब दिखाये। हॉक एयरक्राफ्ट जहां से गुजरा सभी की नजर उसी ओर दौड़ पड़ी। इस दौरान टीम ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाये। कभी विमान नीचे आता तो कभी ऊंचे आसमान में चला जा रहा था। तिरंगा धुंआ छोड़ते हुए एयरक्राफ्ट लगातार एक घंटे तक उड़ता ही रहा। एयर शो में आम से लेकर तमाम खास लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, वायुसेना के एयर मार्शल एपी सिंह

के अलावा राजनीतिक और प्रशासनिक पदाधिकारी शामिल हुए। इसे देखने के लिए रांची और आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में दर्शक पहुंचे थे। अंतिम क्षण तक सभी लोग एयर शो के हर करतब को अपने मोबाइल में कैद करने में लगे रहे। एयर शो को लेकर पूरा क्षेत्र छावनी में तब्दील था। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे। मुख्य गेट के सामने एक बड़ा टेंट लगाया गया था। उसके सामने वीवीआईपी लोगों के बैठने की व्यवस्था थी। उसके दायीं ओर मीडिया और वीआईपी व आम लोगों के बैठने के लिए कुर्सियां लगी थी। मैदान के चारों ओर बैरिकेडिंग की गई थी। बैरिकेडिंग के बाहर चारों ओर दर्शकों की भीड़ लगी थी। सभा स्थल पर अतिथियों का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया गया। मौके पर मौजूद छऊ नृत्य दल ने नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया।

भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण टीम ने थाईलैंड में एयर शो करने के बाद रांची में एयर शो किया है। सूर्य किरण टीम अब तक देश-विदेश में करीब 700 एयर शो कर चुकी है। एयर शो के बाद मीडिया से बात करते हुए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने आज के एयर शो के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि आज एयर चीफ मार्शल बिरसा मुंडा की धरती पर आए हैं। उन्हें झारखंडी जोहार है। उन्होंने कहा कि कल हुई बारिश के कारण सूर्य किरण टीम के तीन विमानों को कुछ नुकसान पहुंचा है। इसके बावजूद आज की तेज हवा के बावजूद यह अद्भुत नजारा भारतीय वायुसेना के अद्भुत कौशल को प्रदर्शित करता है। एयर शो का प्रदर्शन आज रविवार को भी किया जाएगा। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एयरोबेटिक्स टीम 23 अप्रैल को बिहार की राजधानी पटना में भी एयर शो करेगी। वहीं राज्यपाल संतोष गंगवार ने भी रांची में हुए एयर शो को अद्भुत बताया। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए एयर शो की सराहना की और इसके लिए सभी आयोजकों के साथ रांची सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और इंडियन एयर फोर्स को बधाई दी।

प्रिंस खान गिरोह का सदस्य हथियार के साथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। प्रिंस खान एवं गोपी खान गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए धनबाद पुलिस ने एक सक्रिय अपराधी को हथियार और चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। वरीय पुलिस अधीक्षक को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर गठित एक विशेष पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। सूचना थी कि प्रिंस खान गिरोह का एक सदस्य किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने हेतु चोरी की मोटरसाइकिल और हथियार की आपूर्ति के इरादे से शहर में प्रवेश करने वाला है। इस आधार पर पुलिस उपाधीक्षक (विधि व्यवस्था) नौशाद आलम के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिद्दी, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय-1 सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। टीम ने जोनल ट्रेनिंग स्कूल, गुलजारबाग की ओर जाने वाले रास्ते में वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को मोटरसाइकिल के साथ रोका गया, जिसकी पहचान मोहम्मद नौशाद आलम (पिता- स्व. मोहम्मद रियाज, निवासी- ट्रेनिंग स्कूल के पास, नियर एसान आलम कॉलेज, थाना- बैंकमोड़, भूली ओपी) के रूप में हुई। पूछताछ में वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई। गिरफ्तारी के बाद नौशाद आलम ने स्वीकार किया कि वह प्रिंस खान और गोपी खान गिरोह के लिए हथियार और मोटरसाइकिल की आपूर्ति करने जा रहा था। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व ही धनबाद मंडल कारा में पुलिस ने छापेमारी कर गिरोह के सदस्यों के पास से तीन मोबाइल फोन बरामद किए थे। उस प्रकरण की जांच भी चल रही है, जिसके तहत अब तक आठ संदिग्धों से पूछताछ की जा चुकी है। धनबाद पुलिस ने संगठित आपराधिक गिरोहों पर नकेल कसने के लिए सीमावर्ती राज्यों और जिलों में भी लगातार छापेमारी तेज कर दी है। गिरफ्तार अपराधी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है।

हज यात्रियों को नहीं होगी किसी भी तरह की परेशानी : नीतीश

बिहार के मुख्यमंत्री ने की हज-2025 की तैयारियों से संबंधित समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 1, अण्णे मार्ग स्थित संकल्प में हज-2025 की तैयारियों से संबंधित समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हज यात्रियों के लिए हज यात्रा के दौरान एयरपोर्ट तक जाने के पूर्व आवासन, भोजन, आवागमन इत्यादि हेतु सभी सुविधा राज्य सरकार की ओर से प्रदान की जा रही है। सभी मूलभूत सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था करें ताकि हज यात्रियों को किसी भी प्रकार का कष्ट न हो और उनकी यात्रा सुगमतापूर्वक सम्पन्न हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष मुस्लिम धर्म के लोगों को हज यात्रा हेतु उनके सबसे प्रमुख धार्मिक स्थल मक्का (सउदी अरब)

भेजे जाने की व्यवस्था की जाती है। जैसी की जानकारी दी गयी है कि इस वर्ष बिहार से 1391 पुरुष एवं 1012 महिला कुल 2403 हज यात्री हज हेतु मक्का (सउदी अरब) जाएंगे। ये हज यात्री देश के 10 अलग-अलग हवाई अड्डों से हज यात्रा के लिए प्रस्थान करेंगे। यह बहुत खुशी की बात है। हज यात्रियों की सारी सुविधाओं का ख्याल रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि हज भवन के समरूप किशनगंज में बहुउद्देशीय भवन, हज यात्रियों के लिये आवासन, भोजन, पासपोर्ट सत्यापन, टीकाकरण, विदेशी मुद्रा विनियमण आदि की बेहतर व्यवस्था की गयी है। इसी प्रकार की व्यवस्था सीतामढ़ी, दरभंगा सहित अन्य जिलों के लिये भी करायें। हज यात्रा प्रारम्भ होने के पूर्व शुभकामना बैठक (दुआईया मजलिस) का आयोजन हज भवन, पटना में किया जाता है। इस वर्ष यह बैठक हज भवन स्थित मौलाना मजहरूल हक अडिटोरियम में 1 मई को प्रस्तावित है। समीक्षा बैठक के पश्चात् मुख्यमंत्री ने हज भवन जाकर दुआईया मजलिस के आयोजन की तैयारियों का भी जायजा लिया। इस अवसर पर जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमां खान, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव मो. सोहैल सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटनाओं में दूल्हे के तीन दोस्तों समेत सात की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमुई/मुजफ्फरपुर/बिहारशरीफ। बिहार के अलग-अलग जिलों में हुए सड़क दुर्घटनाओं में दूल्हे के तीन दोस्तों समेत सात की लोगों की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जमुई जिले के वीर कुंवर सिंह कॉलोनी से अलीगंज प्रखंड निवासी विनोद सिंह की बेटी के विवाह समारोह में शामिल होकर बारात से वापस लौटने के क्रम में बारातियों की कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई है। इस हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। कार सवार सभी लोग दूल्हे के दोस्त थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। इस दर्दनाक हादसे में बौआ गुप्ता (कल्याणपुर), विक्रम यादव (सिरचंदनवादा) एवं रिशु सिन्हा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रोहित कुमार (अमरथ) गंभीर रूप से घायल हो गया है। इसी प्रकार मुजफ्फरपुर जिले में कांटी थाना क्षेत्र के कांटी एनएच फ्लाईओवर के पास भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि तीन वाहनों की आपस में हुई टक्कर के कारण घटना हुई है। इस घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। कांटी थाने के प्रभारी रामनाथ प्रसाद ने बताया कि ट्रक और कार में टक्कर हुई। इसी दौरान पीछे से आ रही बाइक ने कार में टक्कर मारी, जिस कारण दो लोगों की मौत हुई है। मृतकों में महिला की पहचान कर ली गई है। पुरुष की पहचान की जा रही है। मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एसकेएमसीएस मेडिकल कॉलेज भेजा है। वहीं नालंदा जिले के कतरीसराय थाना क्षेत्र के मायापुर गांव के दो लोगों की एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मायापुर-लाल बिगहा मार्ग पर एक ईंट-भट्टा के पास बाइक और झरझरी की आमने-सामने हुई टक्कर में दोनों की मौत हुई है। मृतकों की पहचान कतरीसराय थाना क्षेत्र के मायापुर निवासी स्वर्गीय किशुन मिस्त्री के पुत्र गुड्डू शर्मा तथा शैलेन्द्र मिस्त्री के पुत्र रंजीत मिस्त्री के रूप में की गई है। दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजे थे।

मनरेगा मजदूरों के लिए 2102 करोड़ रुपये जारी

पटना(नबिटा ब्यूरो)। उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बिहार यात्रा से ठीक पांच दिन पहले केंद्र सरकार ने बिहार को 2102.24 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। यह राशि मनरेगा मजदूरों की मजदूरी भुगतान के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली किस्त के रूप में दी गई है। केंद्र सरकार ने 2102.24 करोड़ रुपये की राशि को मंजूरी दी है, जो विभिन्न श्रेणियों के मनरेगा मजदूरों के बीच वितरित की जाएगी। इस राशि से मजदूरों की मजदूरी का भुगतान शीघ्र किया जाएगा। श्री चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस सहायता के लिए मनरेगा मजदूरों की ओर से धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मनरेगा में 1 करोड़ 36 लाख 72 हजार 933 परिवार पंजीकृत हैं। केंद्र से प्राप्त राशि से एससी वर्ग के मजदूरों को 411.47 करोड़ रुपये, एसटी मजदूरों को 43.89 करोड़ रुपये और अन्य वर्ग के मजदूरों को 1646.88 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। सम्राट चौधरी ने यह भी कहा कि इस अनुदान से मनरेगा मजदूरों का बकाया भुगतान भी किया जाएगा।

जल्द मिलेंगी डिजिटल पाठ्य सामग्री

पटना (नबिटा ब्यूरो)। राज्य के सरकारी विद्यालयों में जल्द ही डिजिटल पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएंगी। पाठ्य सामग्री बच्चे अथवा उनके अभिभावकों को पेन ड्राइव में दी जाएगी। साथ ही कक्षा छह से 12 तक के विद्यालयों में आवश्यकतानुसार कंप्यूटर भी उपलब्ध कराये जाएंगे। इन विद्यालयों में आईसीटी लैब की भी स्थापना की जा रही है। मकसद यही है कि बच्चे कंप्यूटर की शिक्षा में बेहतर कर सकें। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने 'शिक्षा की बात, हर शनिवार कार्यक्रम के तहत अपनी बात रखी है। उन्होंने यह भी कहा है कि शिक्षक जो भी प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, उसके अनुरूप कक्षा में जाकर बच्चों को नहीं पढ़ाते हैं।

नीतीश सरकार की महिला संवाद यात्रा से होगा नया सवेरा : डॉ. निर्मल कुशवाहा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सासाराम। बिहार में महिला सशक्तीकरण को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा प्रारंभ 'महिला संवाद यात्रा' को लेकर जदयू के वरिष्ठ नेता डॉ. निर्मल कुशवाहा ने कहा है कि यह अभियान गांव-गांव में महिलाओं को जागरूक करने और उन्हें नीति-निर्माण की प्रक्रिया में भागीदार बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि महिलाओं की सहभागिता के जरिए शासन और समाज के बीच एक नया संवाद स्थापित करने का माध्यम है। डॉ. कुशवाहा ने बताया कि महिला संवाद यात्रा 18 अप्रैल से 15 जून 2025 तक पूरे राज्य में आयोजित की जाएगी। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में निवासित महिलाओं को संवाद में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि वे अपने गांव या टोलों की समस्याओं, आकांक्षाओं और सुझावों को सरकार तक पहुंचा सकें। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल मंचीय आयोजन नहीं है बल्कि महिलाओं को सीधे उनके परिवेश में जाकर सुना जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वे केवल योजनाओं की लाभार्थी न रहकर उसके निर्माण और कार्यान्वयन में भी सक्रिय भूमिका निभाएं। डॉ. कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह पहल महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक नया अध्याय है। यह एक ऐसा प्रयास है जिसमें शासन, प्रशासन और समाज तीनों मिलकर महिलाओं की वास्तविक समस्याओं को समझेंगे और उनके समाधानों की दिशा में कदम बढ़ाएंगे। राज्य सरकार द्वारा पहले से ही महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं-जैसे जीविका, स्वयं सहायता समूह, महिला आरक्षण नीति, छात्रवृत्ति योजनाएं, साइकल एवं पोशाक योजना आदि। अब महिला संवाद यात्रा के माध्यम से इन योजनाओं की प्रासंगिकता और उपयोगिता को जमीनी अनुभवों के आधार पर और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संवाद यात्रा के दौरान महिलाएं खुलकर अपनी बात रखें, इसके लिए उन्हें एक सुरक्षित, भरोसेमंद और सहयोगी माहौल प्रदान किया जाएगा। महिलाएं इस मंच के माध्यम से अपने स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा, सामाजिक न्याय और अन्य संबंधित मुद्दों पर भी अपना मंतव्य साझा कर सकेंगी। डॉ. कुशवाहा ने कहा कि इस संवाद यात्रा का मूल उद्देश्य महिलाओं से सीधा, खुला और सार्थक संवाद कर उनकी आवाज़ को शासन तक पहुंचाना है। साथ ही इस संवाद के आधार पर आने वाले समय में नीतियों और योजनाओं में आवश्यक बदलाव या सुधार भी किए जा सकें, यही इसका दीर्घकालिक लाभ होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस यात्रा का विधिवत शुभारंभ कर यह स्पष्ट किया गया है कि बिहार सरकार महिलाओं की आकांक्षाओं को नीतियों में समाहित करने को लेकर पूरी तरह संकल्पित है।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के नये भवनों का विधायक ने किया शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी (धनबाद)। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय टुण्डी के नये भवनों का टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो की उपस्थिति में शनिवार दोपहर को दीप प्रज्जवलित तथा नारियल फोड़कर विधिवत शिलान्यास किया गया। शिलान्यास से ठीक पहले विधायक द्वारा बारी-बारी से हर नवनिर्मित भवन निर्माण कार्य का अवलोकन किया गया तथा कार्य को संतोषजनक पाया। प्राप्त समाचार के अनुसार टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो जैसे ही एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय टुण्डी के मुख्य द्वार पहुंचे जहां पहले से दर्जनों लोग उनके स्वागत में खड़े थे सभी ने फूलमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इसी बीच कुछ विद्यालयकर्मियों के आग्रह पर कुछ देर के लिए अतिथि कक्ष में बैठे

जहां विद्यालय की विषय वस्तु से अवगत कराया गया। विधायक ने विद्यालय कर्मियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस विद्यालय को सरकार के द्वारा दिया जाने वाला हर सुख सुविधाओं से लैस मेरा पहला प्राथमिकता होगा चाहे वह सड़क हो या फिर पानी बिजली या फिर बच्चों के लिए मनोरंजन के साधन मैं हर समय सहयोग करने के लिए तैयार हूं। क्लर्क रीता कुमारी को विद्यालय के विकास के लिए हमेशा तैयार का आश्वासन देकर विधायक गंतव्य की ओर प्रस्थान कर गए। मौके पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो उनके निजी सचिव बसंत महतो, झामुमो नेता रामलाल मुर्मू,साहेबराम टुडू, मदन महतो, मनोज महतो समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रशिक्षण लेने हैदराबाद जाएंगे छह आइपीएस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार कैडर के छह आईपीएस अधिकारी मिड कॅरियर ट्रेनिंग प्रोग्राम फेज तीन का प्रशिक्षण लेने राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद जाएंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 अप्रैल से 16 मई तक चलेगा। गृह विभाग ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान संबंधित अधिकारियों के प्रतिस्थानी तय कर दिए हैं। आदेश के मुताबिक होमगार्ड सह अग्निशमन सेवाएं के डीआईजी सुधीर पोरिका, विशेष शाखा (जी) के एसपी विनीत कुमार और निगरानी ब्यूरो के एसपी मनोज कुमार की अनुपस्थिति में उनके प्रतिस्थानी आंतरिक व्यवस्था से तय किए जाएंगे।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :

Manaitand, Near Water Tank

Dhanbad, Jharkhand- 826001

Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

मुर्गी फार्म में चल रहे गन फैक्ट्री का खुलासा मोतिहारी में संचालक समेत 4 गिरफ्तार

12 घंटे तक चले छापेमारी में कार्बाइन-पिस्टल जब्त

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी पुलिस ने पालनवा थाना क्षेत्र में स्थित एक मुर्गी फार्म के आड़ में चल रही अवैध गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान चार मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया गया है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात को मिली गुप्त सूचना के बाद रक्सौल एसडीपीओ धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। जहां गुरुवार की रात टीम ने 12 घंटे तक चले इस ऑपरेशन में फैक्ट्री का पर्दाफाश किया। बताया गया कि पहले फैक्ट्री के दो मास्टरमाइंड पंकज सिंह और राजेश्वर सिंह को गिरफ्तार किया । फिर उनकी निशानदेही पर पुलिस ने छपरा और मुंगेर से दो अन्य मास्टरमाइंड अमिताभ शर्मा और मोहम्मद नौयर आलम को भी पकड़ा।

पुलिस ने फैक्ट्री से भारी मात्रा में निर्मित और अर्धनिर्मित हथियार, कारतूस और हथियार बनाने की मशीनें बरामद की हैं। जांच में पता चला है कि यह गन फैक्ट्री पिछले एक साल से सक्रिय थी। मुर्गी फार्म सिर्फ एक कवर था। दरअसल नौयर आलम और अमिताभ शर्मा फैक्ट्री के टेक्निकल एक्सपर्ट थे। ये हथियार बनाने में माहिर थे और कुशल कारीगर भी जुटाते थे। यहां बने हथियारों की सप्लाई बिहार के कई जिलों में की जाती थी।

पुलिस टीम को किया जाएगा सम्मानित

एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि इस कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस नेटवर्क से जुड़ी और भी महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। इनके आधार पर आगे की कार्रवाई जारी है। बताया कि पुलिस ने उनके पास से कार्रवाईन, पिस्टल, देशी कट्टा, गोली, मैग्जीन हथियार बनाने वाला मशीन और रो मटेरियल भी बरामद किया है, उन तस्करों से जुड़े अन्य लिंक को पुलिस जोड़कर उन तक पहुँचने का प्रयास कर रही है।

12 घंटे तक चली छापेमारी

पलनवा के थानाध्यक्ष सीता केवट ने बताया कि ग्रामीण सूत्रों से सूचना मिली की पलनवा थाना क्षेत्र के गाद सीरिसिया के पंकज सिंह और राजेश्वर सिंह मुर्गी फ़ॉर्म के आर में गन फैक्ट्री का संचालन करता है। सूचना मिलने के साथ ही थानाध्यक्ष ने इसकी जानकारी एसपी स्वर्ण प्रभात को दी। जिसके बाद एसपी ने तुरंत रक्सौल एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पलनवा, भेलाही और रामगढ़वा थानाध्यक्ष के साथ एसआईटी का गठन करते हुए पूरे गिरोह का खुलासा करने का निर्देश दिया, एसडीपीओ ने 12 घंटे की लगातार छापेमारी के दौरान पूरे गिरोह का खुलासा करते हुए भारी मात्रा में हथियार सहित हथियार बनाने वाला सामान बरामद किया है,

एक साल पहले शुरू हुआ था फॉर्म

जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी पंकज सिंह ने एक साल पहले गांव में फॉर्म खोला था। लेकिन उसके बाद से उसने फॉर्म में कभी मुर्गी रखा ही नहीं, इस बात को ले कर गांव के लोगो को शक हुआ की फॉर्म तो खुला लेकिन इसने कभी बच्चा रखा ही नहीं गया, ऐसे में लोगों का आना जाना लगा रहता है। इसी को देखते हुए इसकी सूचना पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई कर खुलासा किया है।

मुंगेर से आते थे कारीगर

जाँच में पुलिस को पता चला कि मुंगेर में पुलिस दबिश के कारण वहाँ हथियार बनाने में तस्करों को परेशानी होती थी इसको लेकर सुरक्षित एरिया समझते हुए यहाँ लाकर अपना पूरा सेटअप बिठाया, मुंगेर के नैयार ने मिस्त्री से ले कर हथियार बनाने का सामान और उपकरण उपलब्ध कराया, हथियार तैयार होने के बाद उसे पड़ोसी देश नेपाल बिहार के विभिन्न जिलों सहित कलकत्ता और लुधियाना तक सप्लाई करते थे। पुलिस को कलकत्ता और लुधियाना क़ाबिल लिंक प्राप्त हो गया है जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

जब्त किए गए हथियारों में कार्बाइन पिस्तौल और कट्टा के अलग अलग रेट है, जैसे की कारबाइन डेढ़ से दो लाख रुपया में उपलब्ध कराते थे, पिस्टल 40 से पचास हज़ार में तो वही कट्टे की क़ीमत 5-10 हजार रुपए में उपलब्ध करता था। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पंकज सिंह पर 2006 में गाँव के ही किसू सिंह की हत्या का आरोप लगा था जिसमें निचली अदालत ने वर्ष 2009 में इसे उम्रक़ैद की सजा सुना दी थी जिसके बाद ऊपरी अदालत में अपील करने के बाद बेल पर बाहर आया था

दो साल पहले दोनों की हुई थी मुलाकात

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पंकज और मुंगेर का नैयर की मुलाकात दो साल पहले पटना में एक शादी समारोह में हुई थी। जिसके बाद दोनों की दोस्ती बढ़ी, इस दौरान नैयर ने उसे गन फ़ैक्ट्री लगाने का तरकीब बताया जो पंकज को अच्छा लगा और कम समय में बड़ा पैसा कमाने का भरोसा दिलाया। जिसके बाद उसने अपने ही दरवाजे पर मुर्ग़ी फ़ार्म के आर में गन फ़ैक्ट्री का निर्माण किया। फिर वहाँ से हथियार बनाकर चारों तरफ़ सप्लाई शुरू किया, इस पूरे तस्करी का काम नैयर खुद संभालता था। मिस्त्री से लेकर सप्लाई तक की ज़िम्मेवारी उसी की थी।

ट्यूशन टीचर और छात्रा ने मंदिर में रचाई शादी जमुई में पुलिस की मौजूदगी में लिए सात फेरे

चार साल से एक-दूसरे को कर रहे डेट

जमुई, एजेंसी। लखीसराय के एक प्रेमी जोड़े की लव स्टोरी इन दिनों चर्चा में है। यह कहानी है एक शिक्षक और उसकी शिष्या की, जिनका रिश्ता ट्यूशन क्लास से शुरू हुआ और चार साल बाद शादी के मुकाम तक पहुंच गया। जिले के एक प्राइवेट शिक्षक और छात्रा ज्योति कुमारी ने शुक्रवार की रात मंदिर में शादी रचा ली।

दोस्ती गहरे प्रेम में हुई तब्दील

लखीसराय के अगैया गांव निवासी 24 वर्षीय प्राइवेट शिक्षक रामप्रवेश कुमार और गुलनी गांव की रहने वाली 22 वर्षीय छात्रा ज्योति कुमारी की मुलाकात ट्यूशन के दौरान हुई थी। गुरु-शिष्या का यह रिश्ता धीरे-धीरे दोस्ती में बदला और फिर वही दोस्ती गहरे प्रेम में तब्दील हो गई। ज्योति रामप्रवेश के पास ट्यूशन पढ़ने के लिए जाती थी।

पुलिस की मौजूदगी में लिए सात फेरे

जब परिवारों से रिश्ते को मंजूरी नहीं मिली, तो दोनों ने खुद ही शादी करने का फैसला किया। शुक्रवार रात को दोनों घर से भागकर 50 किलोमीटर दूर जमुई के गिद्धौर थाना पहुंचे और शादी की इच्छा जाहिर की। थाना प्रभारी पंकज कुमार के अनुसार, काफी समझाने के बावजूद जब दोनों अपने फैसले पर अडिग रहे तो पुलिस की मौजूदगी में गिद्धौर के प्रसिद्ध पंच मंदिर में उनका विवाह संपन्न कराया गया।

लड़की की शादी हो चुकी थी तय

खास बात यह रही कि ज्योति की शादी पहले से तय थी और 6 मई 2025 को उसकी शादी होनी थी। लड़की के घरवालों ने दहेज की तैयारियां भी पूरी कर ली थीं, लेकिन उसने सामाजिक बंधनों के बजाय अपने सच्चे प्यार को चुना।

शादी के बाद नवविवाहिता ज्योति ने कहा, ÷हम दोनों बालिग हैं और पिछले चार साल से एक-दूसरे को प्रेम करते हैं। हमने अपनी मर्जी से शादी की है।÷ नवविवाहित रामप्रवेश कुमार ने भी बताया कि यह फैसला दोनों की आपसी सहमति से लिया गया है। इसमें किसी तरह की कोई जोर-जबरदस्ती नहीं हुई है।

मंदिर में मौजूद लोगों से लिया आशीर्वाद

मंदिर में विवाह के समय मौजूद अन्य दंपतियों और लोगों ने भी नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया। इनकी प्रेम कहानी की खूब चर्चा हो रही है। लोगों कह रहे हैं कि छोटे शहरों की लव स्टोरी भी किसी फिल्म से कम नहीं होती।

पूर्णिया में दूल्हा और दुल्हन पक्ष के लोग भिड़े: एक-दूसरे पर लात-घुसे और लाठी-डंडे से किया हमला

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में एक शादी समारोह जंग के मैदान में बदल गया। द्वार छेकाई की रश्म पूरी न करने पर दूल्हा और दुल्हन पक्ष आपस में भिड़ गए। नाच गाने के बीच एकाएक धक्का-मुक्की शुरू हो गई। लात घुसे और लाठी-डंडे चलने लगे। हालात बिगड़ते देख स्थानीय लोग बीच बचाव में कूदे, जिसके बाद किसी तरह मामला शांत हुआ। घटना कसबा थाना क्षेत्र के दियारी गांव की है। शादी समारोह के दौरान दूल्हा और दुल्हन पक्ष के बीच हुई मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो को शादी समारोह में पहुंचे एक शख्स ने बनाया। जिसे सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर दिया। घटना गुरुवार सुबह की है। बताया जाता है कि कसबा थाना क्षेत्र के दियारी गांव में मुस्लिम समाज में लड़की की शादी थी। इसी शादी समारोह में दुल्हन पक्ष की लड़कियों ने दूल्हे से द्वार छेकाई की रश्म में 3 हजार रुपए मांगे, जिसे देने से दूल्हे ने साफ इनकार कर दिया। इसी पर लड़की पक्ष ने दूल्हे और उसके पक्ष के लोगों पर तंज कसते हुए अपशब्द कहे, जिसके बाद मामला बिगड़ा और विवाद बढ़ा।

मारपीट को लेकर कोई आवेदन नहीं आया है

वीडियो बनाने वाला शख्स वीडियो में गांव का पता बताते हुए सुनाई दे रहा है कि दियारी गांव में शादी समारोह में मारपीट हो रही है। दोनों पक्ष के बीच हो रही धक्का-मुक्की को देखा जा सकता है। एक पक्ष दूसरे पक्ष पर लात घुसे, लाठी चला रहे हैं। लड़का पक्ष दूल्हा दुल्हन को अपने साथ लेकर चला गया। कसबा थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी ने बताया कि वीडियो संज्ञान में आया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। मारपीट को लेकर अब तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

बारात जा रहे तीन युवकों की बाइक पेड़ से टकराई सीवान में 2 युवकों की मौके पर मौत, एक घायल गंभीर

सीवान, एजेंसी। सीवान के गोरियाकोठी थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। ब्रह्मस्थान गांव के पास तेज रफ्तार बाइक में सवार 3 युवक पेड़ से टकरा गए। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान सिसई गांव के नीरज कुमार (30) और मनमोहन शर्मा (28) के रूप में हुई है। तीसरे युवक आर्यन कुमार (25) गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है।

बारात में शामिल होने जा रहे थे युवक

तीनों युवक गोपालगंज के सिसई गांव से बढ़ेया गांव की ओर एक बारात में शामिल होने जा रहे थे। ब्रह्मस्थान गांव के पास बाइक बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार हुई कि दो युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को स्थानीय पीएचसी पहुंचाया। एक घायल युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे सिवान सदर अस्पताल भेजा गया, जहां घायल को पटना रेफर कर दिया गया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। मृतक मनमोहन के परिजनों ने बताया कि घर से निकलने के आधे घंटे बाद ही दुर्घटना की सूचना मिली। जब वे अस्पताल पहुंचे तो उनके बेटे की मौत हो चुकी थी।

यातायात नियमों की अनदेखी पड़ी भारी

समाजसेवी श्रीनिवास ने कहा कि वे कई बार प्रशासन से ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने से पहले गहन जांच की मांग कर चुके हैं।

साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों की भी मांग की है। लेकिन प्रशासन की लापरवाही के कारण ऐसी दुर्घटनाएं लगातार हो रही हैं। लोग भी कई हादसों के बावजूद यातायात नियमों की अनदेखी करते हैं। इसी वजह से लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं।

पीएम मोदी के बिहार दौरे से 24 घंटे पहले सील होगा भारत-नेपाल बॉर्डर, हाई अलर्ट

मधुबनी/जयनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर हाई अलर्ट घोषित किया गया है। पीएम मोदी मधुबनी जिले के झंझारपुर में 24 अप्रैल को सभा करेंगे। उनके आगमन से 24 घंटे पहले नेपाल बॉर्डर को सील कर दिया जाएगा। दोनों देश के सुरक्षा बल अपने-अपने क्षेत्र में अवांछित तत्वों पर पैनी नजर रखेंगे। 24 घंटे जवानों की सघन पेट्रोलिंग चलती रहेगी। कोई अवांछित एवं असमाजिक तत्व उधर से इधर या इधर से उधर आवाजाही नहीं कर सके, इसका खास ध्यान रखा जाएगा। नाइट विजन पेट्रोलिंग भी होगी।

पीएम मोदी के मधुबनी दौरे को लेकर एसएसबी 48वीं मुख्यालय बाजार समिति स्थित शुक्रवार को जिला स्तरीय भारत-नेपाल सीमा समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता मधुबनी के डीएम अरविंद कुमार वर्मा तथा नेपाल के सिरहा के सीडीओ विश्व प्रकाश आरिया ने संयुक्त रुप से की। बैठक में नेपाल के चार जिलों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। इसमें 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम पर बॉर्डर पर सुरक्षा प्रबंधन को लेकर समीक्षा की गई।

अधिकारियों के अनुसार भारत-नेपाल के प्रवेश द्वार पर आने-जाने वालों की सघन जांच की जाएगी। पहचान पत्र देखने के बाद ही उन्हें आने-जाने दिया जाएगा। प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर दोनों देशों के अधिकारियों की आपसी सहमति बनी है। सुरक्षा अधिकारी एवं खुफिया तंत्र को अलर्ट कर दिया गया है। इसके अलावा बीडीसीसी की बैठक में भारत और नेपाल के अधिकारियों ने ड्रग कंट्रोल, खासकर कोरेक्स समेत अन्य नशीली दवाओं की तस्करी पर रोक लगाने, मानव तस्करी, समेत अन्य तस्करी पर लगाम के लिए विशेष रुप से बॉर्डर पर पेट्रोलिंग बढ़ाने पर भी सहमति बनी।

दीवार में दबने से महिला की मौत, एक जख्मी, चिमनी भट्ठा पर काम करने आई थी महिला, अचानक दीवार गिरने से हुआ हादसा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हसनपुरा गांव स्थित चिमनी भट्ठा के समीप शुक्रवार की देर शाम दीवार गिरने से झारखंड निवासी एक महिला की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जबकि एक अधेड़ महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतका झारखंड के गुमला जिला निवासी छोटू यादव की 28 वर्षीया पत्नी राधिका कुमारी है। जबकि जख्मी महिला झारखंड के गुमला जिला के पालकोठ थाना क्षेत्र के नाथपुर गांव निवासी शनिचर तुरी की 50 वर्षीया पत्नी तारा देवी है। वे सभी हसनपुरा गांव वार्ड नंबर 4 में किराए का मकान लेकर रहते थे। जख्मी महिला तारा देवी ने बताया कि वह और राधिका कुमारी सहित चार लोग अक्टूबर-नवंबर माह में हसनपुरा गांव की चिमनी भट्ठा पर काम करने आए थे। शुक्रवार की देर शाम चिमनी भट्ठी के समीप वे लोग दीवार खड़ा कर उसे लिप रहे थे। तभी अचानक दीवार दोनों पर गिर पड़ा। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इसके बाद अन्य ग्रामीणों के मदद से दीवार में दबे दोनों को काफी मशक्कत के बाद निकाला गया। जिसके बाद दोनों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख राधिका कुमारी को मृत घोषित कर दिया।

पिंडदान-अंतिम संस्कार के बाद जिंदा मिला बेटा: 15 साल पहले लापता हो गया था

भागलपुर से बंगाल पहुंच गया था युवक

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में मां ने अपने जिस छोटे बेटे का अंतिम संस्कार और पिंडदान कर दिया था उस बेटे को जिंदा देखकर काफी खुश हो गई। खुशी के आंसू बहने लगे, अपने बेटे को गले लगा लिया। सागर मंडल जब 11 साल का था तब वो अपने घर से करीब 3 किमी दूर खेत गया था, वहां से वो लापता हो गया था। 10 साल तक परिजन उसके आने की आस लगाए थे, फिर सभी ने मान लिया कि उसकी मौत हो गई। सागर किसी तरह भागलपुर से हावड़ा पहुंच गया। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। हावड़ा के एक सरकारी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। वेस्ट बंगाल रेडियो क्लब और हैम रेडियो की मदद से सागर को उसके परिवार से मिलाया गया। हैम रेडियो को जब सागर के गांव का पता चला तो टीम सागर की मां झाझा देवी के पास पहुंची। पहले सागर की मां ने विश्वास नहीं किया। बात करने को भी रेडी नहीं थी। कहा आप लोग झूठ बोल रहे। काफी समझाने बुझाने और लोकल थानेदार के कहने पर सागर की मां और बड़ा भाई प्रमोद मंडल तैयार हुए, तब जाकर उन्हें बंगाल आने के लिए कहा गया। कागजी प्रक्रिया पूर्ण कर बेटे को वापस ले जाने की बात कही, फिर वे लोग हावड़ा सरकारी अस्पताल पहुंचे और सभी कागजी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद उन्हें वापस भेज दिया। 4 दिन पहले ही सागर अपने घर लौटा।

2019 से अस्पताल में भर्ती था : पश्चिम बंगाल रेडियो क्लब (हैम रेडियो) के सचिव अम्बरीश नाग बिस्वास ने बताया कि सागर मंडल के बारे में हम लोगों को 2019 में पता लगा। धुलागढ़ ट्रक टर्मिनल के पास यह काफी वर्षों से रहता था, कई समाज सेवी संगठन व लोगों ने इसे अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचाया लेकिन फिर वापस वहीं चला आता था। अचानक से एक दिन 2019 में एक ट्रक के चपेट में आने से सागर मंडल घायल हो गया, घायल अवस्था में वह सड़क किनारे पड़ा हुआ था। तभी जगदीश जाना नाम के एक व्यक्ति ने उसे हावड़ा सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां 2025 तक इलाज चला।

समाजसेवी को सागर ने अपना पता बताया: अम्बरीश नाग ने कहा कि 2020 में हम लोगों को सागर मंडल के बारे में पता चला, हमारे हैम रेडियो के सदस्यों ने सागर मंडल से काफी बातचीत करना चाहा। उससे नाम पता पूछता था, लेकिन वह बता नहीं पाते थे। वे बातचीत करने की स्थिति में नहीं थे, धीरे-धीरे उनका इलाज हुआ। फिर 2025 में एक दिन सागर मंडल से मिलने समाज सेवी महिला आशा मांझी पहुंची, काफी प्रयास के बाद आशा मांझी को सागर मंडल ने अपना नाम पता और अपने पड़ोस के गांव का नाम बताया। तभी हम लोगों को जानकारी मिली कि सागर मंडल का गांव भागलपुर जिले के कहलगांव स्थित बंशीपुर में है। उनके बातचीत को रिकॉर्ड कर हम लोगों ने हम रेडियो के माध्यम से प्रसारित किया। काफी दिनों तक इंतजार किया लेकिन किसी से कोई संपर्क नहीं हो पाया। फिर हम लोग सागर मंडल के गांव पहुंचे। वहां के मुखिया से मिले और उनके माता झाझी को सागर मंडल के जीवित होने की जानकारी दी।

पति की बहुत पहले हो चुकी मौत : झाझी देवी बताती है कि पति बद्री मंडल की मौत तभी हो गई थी। तब दोनों बच्चे छोटे थे। एक दिन मेरे पति खेत में अकेले काम कर रहे थे अचानक मौसम खराब हो गया और वज्रपात होने लगी, उसी वज्रपात की चपेट में आने से पति की मौत हो गई। तभी से बड़ा बेटा प्रमोद मंडल और छोटा बेटा सागर मंडल को मेहनत मजदूरी कर पाल रही थी, लेकिन एक दिन खेत से लौटने के दौरान मेरा छोटा बेटा सागर मंडल गायब हो गया और फिर लौट कर वापस नहीं आया। अब 12 साल बाद फिर से बेटा सागर मंडल घर आ गया है। बहुत अच्छा लग रहा है।

झाझी देवी के पास बेटे को घर लाने तक के पैसे नहीं थे इसके लिए भी हम रेडियो ने मदद की और उन्हें घर वापस आने का पैसा दिया। सागर मंडल के भतीजे प्रहलाद मंडल ने बताया कि वह जब छोटे थे तभी चाचा को स्कूल जाते देखा था और खेत में काम करते देखा था, लेकिन वह एक दिन गायब हो गए फिर वापस नहीं लौटे।

संक्षिप्त समाचार

बाइक अनियंत्रित होकर गिरी, सामने से आ रहे बोरवेल वाहन ने महिला को कुचला

लातेहार, एजेंसी। लातेहार में समाहरणालय गेट के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। बोरवेल वाहन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान लातेहार के गोवा निवासी सोहंती देवी (55) के रूप में हुई है। वह अपने दामाद मनोज सिंह के साथ बाइक से कपड़ा खरीदने शहर आई थीं। रास्ते में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। इसी दौरान सामने से आ रही राजधानी बोरवेल नामक बोरिंग वाहन ने महिला को कुचल दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बोरिंग वाहन और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जमशेदपुर में रॉ वाटर मेन पाइपलाइन फटी : तेज रफ्तार में गांधी आश्रम में घुसा हजारों लीटर पानी

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के साकची बाराद्वारी स्थित गांधी आश्रम में मंगलवार को टाटा स्टील की रॉ वाटर मेन पाइपलाइन फट गई। इस हादसे से आश्रम के कई घरों में अचानक हजारों लीटर पानी घुस गया। पानी की तेज धार से दर्जनों घरों को नुकसान हुआ। खाने-पीने का सामान, कपड़े और बिस्तर बह गए। इलेक्ट्रॉनिक सामान और जरूरी दस्तावेज भी पानी में खराब हो गए। कई घरों की दीवारें और कच्चे हिस्से टूट गए। पाइप फटने से इतना तेज पानी का बहाव था कि लोगों को अपनी जान बचाने के लिए घरों से बाहर भागना पड़ा। कुछ बुजुर्ग और महिलाएं घरों में फंस गए। स्थानीय लोगों ने जान जोखिम में डालकर उन्हें बाहर निकाला।

युवती की तस्वीर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का केस दर्ज

जमशेदपुर, एजेंसी। मानगो चंद्रावती नगर के एक व्यक्ति ने एमजीएम थाना में आरवीएस स्कूल के पास रहने वाले प्रतिक मोहंती और नवनीत यादव पर युवती का फोटो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रुपये वसूलने की प्राथमिकी दर्ज करायी है। मामला नवंबर 2018 से अक्तूबर 2024 के बीच का है। दर्ज प्राथमिकी में पीड़ित ने बताया है कि प्रतिक मोहंती ने पहले बेटी के साथ दोस्ती की। उसके बाद बेटी की तस्वीर वायरल करने की धमकी देकर लाखों रुपये वसूलता रहा। परिवार को धमकी देता था कि उसकी पहचान पुलिस वालों से है। अगर वह इसकी शिकायत पुलिस से करेगा, तो जान से मार देंगे। पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है।

घर में चोरी के संदेह में सलाउद्दीन ने की थी हुसैन की हत्या, तीन गिरफ्तार

जमशेदपुर, एजेंसी। कपाली ताजनगर में मो। हुसैन की हत्या के मामले में कपाली ओपी की पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को कपाली ओपी में केस का उद्भेदन करते हुये एसडीपीओ चांडिल अरविंद कुमार बिन्हा ने पत्रकारों को बताया कि मो। हुसैन हत्याकांड में मृतक के पड़ोसी डैमडूबी अंसारनगर निवासी मो। सलाउद्दीन, मो। अब्दुल अंसारी उर्फ सोनू और मो। कलीम को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवकों की निशानदेही पर मृतक का मोबाइल बरामद किया गया है। इसके अलावा घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त पत्थर व ईंट जब्त किया गया है। गिरफ्तार युवकों के पास से तीन मोबाइल भी बरामद किया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार सलाउद्दीन को शक था कि मो। हुसैन ने उसके घर में सामानों की चोरी की थी। इस कारण वारदात के दिन फोन कर उसे बुलाया और फिर हत्या कर दी ।गिरफ्तार मो। कलीम पूर्व में गोलमुरी बजरंगनगर में रहता था। उन्होंने बताया कि मृतक भी आपराधिक चरित्र का युवक था। गिरफ्तार युवकों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार युवकों के खिलाफ पूर्व में भी केस दर्ज है। मालूम हो कि गत 15 अप्रैल को कपाली डैमडूबी अंसार नगर निवासी मो। हुसैन की ताजनगर डैमडूबी के पास एक घर में पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गयी थी। उक्त मामले में मृतक की पत्नी अरीबा परवीन ने कपाली ओपी में मो। सहबान, साजन, अफाक समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज करायी थी।

18 लाख किसानों को केसीसी लोन देगी सरकार, औसत राशि भी बढ़ाने का लक्ष्य

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार की ओर से किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किसानों को केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) लोन देने के लिए जिलावार लक्ष्य निर्धारित करने का निर्देश भी दिया है।

पिछले साल राज्य में कुल 14.5 लाख किसानों को केसीसी लोन दिया गया था। इस बार विभाग की ओर से कुल 18 लाख किसानों को केसीसी लोन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

हैरानी की बात यह है कि केसीसी लोन लेने की औसत राशि 30 हजार रुपये ही है, जो राशि लगभग 80 प्रतिशत किसान लेते हैं। इसको देखते हुए सरकार ने बैंकों को औसतन एक लाख तक लोन देने का निर्देश दिया है।

विभाग लोन लेने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए ब्याज मुक्त करने की भी योजना चला रही है। यह योजना उन किसानों के लिए है, जो केसीसी लोन की प्रत्येक किस्त समय से चुकाते हैं। केसीसी पर कुल सात प्रतिशत ब्याज लगता है। जिसमें तीन प्रतिशत केंद्र सरकार देती और बाकी बचा चार प्रतिशत अब राज्य सरकार

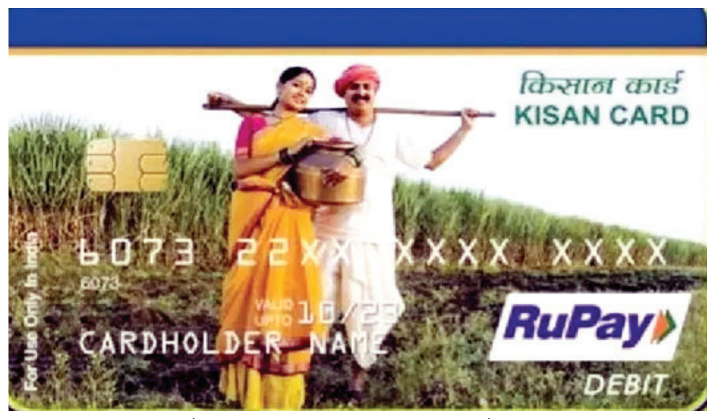

की ओर से दिया जा रहा है।

राज्य में कुल 14.5 लाख किसानों को सालाना 12 हजार करोड़ का केसीसी लोन दिया जाता है, लेकिन हर साल करीब 40 प्रतिशत लोन एनपीए (नान परफार्मिंग एसेट्स) हो जाता है। इसको बचाने के लिए सरकार की ओर से ब्याज चुकाने की योजना लाई गई, ताकि हर किसानों को केसीसी लोन मिलने में कोई दिक्कत न हो।

केसीसी लोन देना बैंक की जिम्मेदारी है। राज्य में करीब 22 हजार बैंक प्रतिनिधि कार्यरत हैं, जिनकी जिम्मेदारी किसानों को केसीसी लोन देने और उसके बारे में विस्तृत जानकारी देना है। विभाग ने इनकी सक्रियता बढ़ाने का निर्देश दिया है।

इस बार कृषि विभाग की ओर से झारखंड को-ऑपरेटिव बैंक को 200 करोड़ रुपये तक केसीसी लोन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस साल दिसंबर तक 850 करोड़ रुपये तक लोन किसानों को दिया जा चुका है।

राज्य सरकार की ओर से किसानों को केसीसी लोन को सुगमता से देने के लिए बैंकों को निर्देश दिया गया है। सरकार ने बैंकों को बिना किसी महत्वपूर्ण दस्तावेज के ही 1.60 लाख तक केसीसी लोन देने का निर्देश दिया है ताकि किसानों को बैंकों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

इसके लिए किसान को अपनी पहचान, आधार सहित अन्य दस्तावेज ही देने होते हैं। इस बार विभाग ने औसत लोन देने की क्षमता को बढ़ाकर एक लाख तक करने का निर्देश भी बैंकों को दिया है।

विभाग की ओर से केसीसी लोन लेने वाले किसानों के ब्याज की राशि बैंकों को दी गई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में केसीसी लोन लेने वाले करीब दस लाख किसानों का ब्याज साढ़े आठ करोड़ रुपये बैंकों को सरकार की ओर से दिया गया है।

इस साल भी ब्याज की राशि करीब आठ करोड़ दिया जाना है। यह राशि उन केसीसी लोन धारकों के लिए दिया जाता है, जिन्होंने केसीसी लोन की हर किस्त समय से चुकाया है।विभागीय अधिकारी की माने तो राज्य में माइक्रो फाइनेंस चलाने वाली कंपनियों ने राज्य के किसानों को सालाना 13 हजार करोड़ रुपये देती हैं। इसका एनपीए रेट न के बराबर है। जबकि लोन लेने वाले व्यक्ति को माइक्रो फाइनेंस कंपनियों को 23 से 32 प्रतिशत तक ब्याज देना पड़ता है।

पलामू, गढ़वा और लातेहार एसपी से 25 बिंदु पर मांगी गई रिपोर्ट, महिला हिंसा और अपराध को लेकर गाइडलाइन

पलामू, एजेंसी। जोनल आईजी सुनील भास्कर ने पलामू, गढ़वा एवं लातेहार के एसपी से 25 बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट की मई के पहले सप्ताह में समीक्षा की जाएगी। इस समीक्षा के दौरान पलामू डीआईजी और तीनों जिलों के एसपी मौजूद रहेंगे। पलामू आईजी सुनील भास्कर ने पलामू, गढ़वा एवं लातेहार एसपी से महिला हिंसा, पॉक्सो से जुड़े हुए मामले, लंबित मुकदमे, अपराध एवं नक्सल के बिंदु पर रिपोर्ट मांगी है। इस रिपोर्ट में चोरी, डकैती, सामाजिक अपराध को भी जोड़ा गया है। एससी एसटी से जुड़े मुकदमो के रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है।

पलामू के जोनल आईजी सुनील भास्कर ने बताया कि 25 बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के बाद कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे और समीक्षा होगी। दरअसल पलामू, गढ़वा एवं लातेहार झारखंड के अतिनक्सल प्रभावित जिलों में शामिल रहे हैं। पलामू को केंद्र की सरकार ने हाल में ही नक्सल मुक्त मान लिया है। गढ़वा के बूढ़ापहाड़ के इलाके में नक्सली गतिविधि है। वहीं लातेहार सबसे अधिक नक्सल प्रभावित है। नक्सली के कमजोर होने के बाद पुलिस की गतिविधि तेजी से बदल रही है।

इलाके में पुलिस की कार्रवाई को बेहतर करने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में यह रिपोर्ट तैयार की जा रही है। रिपोर्ट की समीक्षा के आधार पर पुलिसिंग को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। पलामू, गढ़वा और लातेहार के कई इलाकों में स्थापित पुलिस कैंपों के भी समीक्षा की गई है। कई इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की भी तैनाती की जानी है।

तेज हवा और बारिश से तापमान में आई गिरावट

धनबाद, एजेंसी। बादल छाने और तेज हवा के साथ बारिश की गतिविधियां जारी रहने से जिले के तापमान में गिरावट आई है। पिछले दो दिनों से न्यूनतम तापमान में गिरावट आने से धनबाद की रातें सबसे सर्द हैं। अप्रैल महीने की रात में नवंबर जैसी ठंडक घुली है।

गुरुवार को न्यूनतम तापमान 20।6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। शुक्रवार को इसमें और गिरावट आ गई और न्यूनतम तापमान गिर कर 18।8 डिग्री पर पहुंच गया। अलग-अलग हिस्से में गर्जन के साथ आंधी-बारिश का दौर अगले तीन-चार दिनों तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग ने 22 अप्रैल तक येलो अलर्ट जारी किया है।

23 को भी उत्तर पूर्वी भागों में गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा का अनुमान जताया गया है। इस बीच तापमान में भी बढ़ोतरी के आसार हैं। पांच दिनों में अधिकतम तापमान में 10 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। अधिकतम तापमान 30-31 से बढ़कर 40 से 41 डिग्री तक पहुंच सकता है। हालांकि, दिन में तेज धूप के

बाद मौसम बदलने से गर्मी से राहत मिल जाएगी।

मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब और आसपास से होकर झारखंड तक चक्रवाती घेरे के रूप में ट्रफ बन गया है। उत्तर प्रदेश में भी यह चक्रवाती घेरे के रूप में सक्रिय है।इसके साथ ही झारखंड से बंगाल होकर असम तक ट्रफ बना है, जो बांग्लादेश तक चक्रवाती घेरे के रूप में सक्रिय है। एक साथ कई प्रणाली के सक्रिय होने से मौसम रंग बदल रहा है। जिन स्थानों से ट्रफ लाइन नजदीक से गुजर रहा है, वहां गर्जन के साथ आंधी-बारिश हो रही है।

रांची में ओलों की बारिश, घरों के एस्बेस्टस व वाहनों के शीशे टूटे, फसलों को नुकसान

रांची, एजेंसी। रांची में शुक्रवार को दोपहर 2 बजे के बाद बादल छा गए और ओलों की बारिश शुरू हो गई। दोपहर करीब 2।30 बजे अपर बाजार, मेन रोड, बरियातू व कोकर क्षेत्र में ओलावृष्टि शुरू हो गई। इसके बाद मूसलाधार बारिश हुई। दोपहर 3।30 बजे धुर्वा, हटिया, चुटिया, रातू रोड, हेहल और नामकुम के खिजरी, चंदाघासी, ओबरिया, लालखटंगा इलाके में बड़े साइज के ओले गिरे।

ओलावृष्टि में बच्चों ने खूब मस्ती की, वहीं किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें उभर आईं। दर्जनों घरों के एस्बेस्टस टूट गए। कुछ वाहनों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। खेत में लगी टमाटर, साग, फूल गोभी, धनिया सहित कई सब्जियों की फसल बर्बाद हो गई। नामकुम के ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने पहली बार इतने बड़े ओले गिरते देखा है। हालांकि, अभी तक नुकसान का आकलन

नहीं हो पाया है। बारिश और बर्फबारी से रांची का अधिकतम तापमान 1।7 डिग्री गिरकर 32।4 डिग्री पर आ गया। यह सामान्य से 3।5 डिग्री कम है।

वहीं न्यूनतम तापमान भी 1।3 डिग्री गिरकर 20।3 डिग्री पर आ गया। रांची में 5।2 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। बहरागोड़ा में सबसे अधिक 10।5 एमएम बारिश हुई। खूंटी में 2 एमएम बारिश हुई।

राज्य में अगले 4 दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। मौसम केन्द्र रांची ने 22 अप्रैल तक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 19 अप्रैल को पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार को छोड़कर रांची समेत अन्य जिलों में 40 से 50 किमी की रफ्तार से हवा चलेगी, बारिश होगी। 20 अप्रैल को रांची में बारिश की संभावना है। 21 अप्रैल को रांची सहित राज्य के कुछ क्षेत्रों में तेज हवा के साथ बारिश और वज्रपात की संभावना है।

बेहतर आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका को केंद्रीय मंत्री ने किया सम्मानित

कोडरमा, एजेंसी। सही पोषण-देश रौशन के संदेश के साथ पूरे देश में पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके तहत शुक्रवार आज कोडरमा के पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थित ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी शामिल हुईं।

विविध कार्यक्रमों के साथ कोडरमा में भी पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके तहत आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका और सहायिका आंगनबाड़ी केंद्र के अलावे घर-घर जाकर गर्भवती और धात्री महिलाओं के साथ बच्चों को कुपोषण मुक्त बनाने के कार्य कर रही हैं।

पोषण पखवाड़ा के तहत आज कोडरमा के पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थित ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी शामिल हुईं। जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधायक डॉ नीरा यादव और उपायुक्त मेघा भारद्वाज कार्यक्रम में शामिल हुईं।

इस मौके पर मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि लगातार पोषण पखवाड़ा के तहत सेविका और सहायिका अपनी जिम्मेदारियां को निभाते हुए देश को कुपोषण मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। इस कार्यक्रम के दौरान पीसीपीएनडीटी एक्ट पर एक लघु नाटक का मंचन किया गया, जबकि आंगनबाड़ी केंद्र के छोटे-छोटे बच्चों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। इस दौरान मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने मुंह जुठ्ठी कार्यक्रम के तहत बच्चों को खीर खिलाया और गर्भवती महिलाओं को पोषण किट देकर उनके गर्भ में पल रहे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके अलावा बेहतर कार्य कर रहीं आंगनवाड़ी सेविका-सहायिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा सम्मानित भी किया गया। आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका और सहायिकाओं ने बताया कि पोषण पखवाड़ा के दौरान लगातार वे घर-घर जाकर गर्भवती और धात्री महिलाओं के अलावा बच्चों को सही पोषण से जुड़ी जानकारियां दे रही है, ताकि देश कुपोषण मुक्त हो सके। इस कार्यक्रम के अंत में केंद्रीय मंत्री समेत अन्य अतिथियों ने पोषण पखवाड़ा के तहत चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान में भी हिस्सा लिया। साथ ही सेल्फी प्वाइंट पर तस्वीरें खिंचवाकर अभियान को सफल बनाने की लोगों से अपील की।

शरीयत पर बयान देने वाले झारखंड के मंत्री पलटे

देवघर, एजेंसी। झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन ने अपने विवादित बयान पर सफाई दी है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उनके लिए भारतीय संविधान सर्वोपरि है। मंत्री ने कहा कि उनकी भारतीय संविधान में अटूट आस्था है। उन्होंने बाबा साहेब आंबेडकर के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की। मंत्री ने बताया कि उन्होंने सार्वजनिक जीवन में समावेशिता और सामाजिक न्याय के लिए काम किया है।

हफीजुल हसन ने स्पष्ट किया कि उनका कोई भी कथन या कार्य कभी संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ नहीं रहा। उन्होंने कहा कि संविधान अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की गारंटी देता है। मंत्री ने कहा कि संविधान हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। साथ ही सरकारों को ऐसा माहौल बनाने का निर्देश देता है, जिसमें सभी नागरिक अपनी भाषाई और धार्मिक पहचान बनाए रख सकें। उन्होंने अल्पसंख्यकों के प्रति की जा रही टिप्पणियों पर चिंता जताई। मंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने धर्म से प्रेम करने का अधिकार है। लेकिन यह प्रेम दूसरे धर्म के प्रति नफरत नहीं बनना चाहिए। उन्होंने सभी समुदायों के लिए न्याय, समानता और समृद्धि सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई।

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के लोगों ने कई केंद्रीय मंत्रियों को अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति निंदनीय एवं नफरत भरे शब्दों का प्रयोग करते हुए देखा है। किसी ने अल्पसंख्यकों को खुलेआम देश छोड़ने

को कहा तो किसी ने मंच से गोली मारने का नारा लगवाया।

उन्होंने अपने कार्यालय से जारी किए गए पत्र के माध्यम से कहा कि उनके बयान को जिस ढंग से भी परोसा जाए, लेकिन वह भरोसा दिलाते हैं कि वह हमेशा ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप करते रहेंगे और सभी समुदायों के लिए न्याय, समानता और समृद्धि को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। मालूम हो कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अधिवेशन से पहले मंत्री हफीजुल हसन ने राजधानी रांची में मीडिया के सामने यह बयान दिया था कि मुसलमान शरीयत को अपने दिल में और संविधान को हाथ में रखते हैं। जिसको लेकर विपक्षी दल ने उनका विरोध किया था और इस्तीफा की मांग की थी।

वक्फ बिल के विरोध में मेदिनी नगर में विरोध प्रदर्शन

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में शुक्रवार को वक्फ बिल के विरोध में लोगों ने प्रदर्शन किया। जुमे की नमाज के बाद अंजुमन इस्लाहुल मुसेलमिन कमिटी पलामू और मोहर्रम इंतेजामिया कमेटी मेदिनीनगर के संयुक्त नेतृत्व में जुलूस निकाला गया।

प्रदर्शनकारियों ने काली पट्टी बांधकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उनके हाथों में मोदी तेरी मनमानी नहीं चलेगी, वक्फ संशोधन कानून वापस लो और हमारा वक्फ हमारी पहचान जैसी तख्तियां थीं। मेदिनीनगर के साथ चैनपुर के लोग भी जुलूस में शामिल हुए। बंगाल में हुई हिंसा को देखते हुए प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की। एएसपी राकेश कुमार, एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद और दंडाधिकारी सदर सीओ अमरजीत बिल्होत्रा जवानों के साथ जुलूस के साथ चले। पुलिस ने जुलूस से पहले शहर में फ्लैग मार्च किया और ड्रोन से निगरानी की।

जुलूस नूरी मस्जिद पहाड़ी मोहल्ला से शुरू होकर मदीना मस्जिद, लाल कोठ, छोटी मस्जिद और सतार सेठ चौक होते हुए अस्पताल चौक पहुंचा। वहां से छह मुहान में रोष प्रदर्शन किया गया।

जमशेदपुर के चुकलिया में रद हो सकते हैं एक हजार से ज्यादा जन्म प्रमाण पत्र

जमशेदपुर, एजेंसी। साइबर फ्राड या सिस्टम की मिली भगत...। यही वो सवाल है, जो चाकुलिया प्रखंड के मटियाबांधी पंचायत में बड़े पैमाने पर जन्म प्रमाण पत्र बनाने में हुए फर्जीवाड़े के बाद उठ खड़ा हुआ है। इसके साथ ही ऑनलाइन जन्म प्रमाण पत्र बनाने की पूरी प्रक्रिया भी कटघरे में नजर आने लगी है।

दरअसल, फर्जी प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले रजिस्ट्रार यानी मटियाबांधी के पंचायत सचिव सुनील महतो लंबे अरसे से बीमार चल रहे हैं। बताया जाता है कि उन्होंने अपना लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड पंचायत के वीएलई (विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर) को दे रखा था।

यदि यह मान भी लिया जाए कि पूरे मामले में वीएलई संलिप्तता हो सकती है, तब भी प्रमाण पत्र निर्गत करने से पूर्व ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) तो पंचायत सचिव के मोबाइल पर ही आया होगा। उसकी सहमति के बिना प्रक्रिया पूरी नहीं होती है।

फर्जीवाड़ा का मामला उजागर होने के बाद पंचायत सचिव व वीएलई दोनों खुद को निर्दोष बताते हुए पूरे मामले से अनभिज्ञता जाहिर करते हैं। दोनों का मोबाइल बंद है और वे फिलहाल किसी से बात भी नहीं कर रहे हैं।

मटियाबांधी पंचायत से निर्गत जन्म प्रमाण पत्रों की

जब जांच की गई तो पाया गया कि अधिकांश फर्जी प्रमाण पत्र जनवरी व फरवरी महीने में निर्गत किए गए हैं। बड़ी बात यह है कि सभी बच्चों की उम्र 3 से 4 वर्ष के बीच दर्शाई गई है। इस आयु वर्ग के बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र निकालने के लिए एसडीओ की मंजूरी आवश्यक होती है।

मामला तब और भी गंभीर हो जाता है जब सभी बच्चों के अभिभावकों का पता जमशेदपुर दिखाया जाता है। इनमें से लगभग 80 फीसदी मुस्लिम समुदाय के बच्चे हैं।

इस वर्ष अभी तक मटियाबांधी पंचायत सचिव सुनील महतो के लॉगिन आईडी से लगभग 1100 से अधिक जन्म प्रमाण पत्र निर्गत हुए हैं। पिछले वर्ष यानी 2024 में लगभग 3000 जन्म प्रमाण पत्र निर्गत हुए थे। अब प्रशासन इन सारे प्रमाण पत्रों की जांच करने जा रहा है।

जमशेदपुर के जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार पांडे ने बताया कि निजी विद्यालयों में प्रवेश कक्षा में नामांकन को लेकर बच्चों के आवेदन के साथ जो जन्म प्रमाण पत्र दिए गए थे, उनमें बड़ी संख्या में प्रमाण पत्र चाकुलिया से निर्गत थे।

जबकि अभिभावकों का आवासीय पता जमशेदपुर अंकित था। इसे लेकर उन्हें थोड़ा संदेह हुआ और उन्होंने चाकुलिया बीडीओ आरती मुंडा को इन जन्म प्रमाण पत्र की सत्यता की जांच करने से संबंधित पत्र लिखा। इसके बाद ही इस पूरे मामले का खुलासा हुआ।

अब देखने वाली बात यह होगी कि साइबर अपराधियों द्वारा सिस्टम को हैक करके फर्जी प्रमाण पत्र निर्गत किए गए हैं अथवा सिस्टम में लिप्त लोगों के भ्रष्टाचार एवं मिली भगत से यह कारनामा हुआ है। यह तभी सामने आएगा जब पूरे मामले की सघन जांच की जाएगी।

एसडीओ सुनील चंद्र ने पंचायत से निर्गत सारे प्रमाण पत्र के जांच के निर्देश दे दिए है। फर्जी प्रमाण पत्र को रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरु कर दी गई है। एसडीओ सुनील चंद्र ने कहा की मामले की पूरी गहनता से जांच किया जा रहा है। वे भी इस मामले की स्वयं जाकर जांच करेंगे।

जनता दर्शनः तेज बारिश हो रही थी, खुद छाता हाथ में थामे पहुंचे सीएम योगी- 300 लोगों की सुनीं समस्याएं

गोरखपुर , एजेंसी। शनिवार सुबह तेज बारिश के कारण एक बार यह लगा था कि शायद इतने प्रतिकूल मौसम में जनता दर्शन कार्यक्रम न हो पाए। पर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार ने ऐसी आशंका को निर्मूल सिद्ध कर दिया। तेज बारिश के बावजूद सीएम योगी ने जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा।

जनता दर्शन का आयोजन सुनिश्चित कराने के साथ ही उन्होंने करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और इन समस्याओं के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतोषजनक निस्तारण के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर प्रवास पर होने के चलते शनिवार सुबह कई लोग जनता दर्शन में शामिल होने पहुंचे थे। पर, तेज बारिश के कारण उन्हें यह आशंका थी कि शायद उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से न हो पाए। पर, मुख्यमंत्री ने प्रतिकूल मौसम को देखते हुए लोगों के बैठने की व्यवस्था महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कराई। इस दौरान उन्होंने 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वस्त किया सबकी समस्या का निस्तारण करना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। किसी के साथ अन्याय नहीं होने पाएगा। सीएम ने लोगों की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र लेकर उसे अधिकारियों की इस निर्देश के साथ हस्तगत किया कि समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करें। जनता दर्शन में सीएम योगी ने आत्मीयता से सभी लोगों को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि किसी की चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी।

पुलिस और राजस्व के मामले शीघ्र करें निस्तारित

उन्होंने पुलिस व राजस्व से जुड़े मामलों में कार्रवाई करने में अनावश्यक विलंब न होने की हिदायत दी तो जमीन कब्जा करने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए दबंग और भू माफिया पर नकेल कसने के निर्देश दिए। पुलिस से जुड़े कुछ मामलों पर मुख्यमंत्री ने कहा प्राथमिकी दर्ज करने और उसके बाद विधिक कार्यवाही में कोताही नहीं होनी चाहिए। घरेलू विवाद के मामले में उन्होंने परस्पर संवाद से समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। हर बार की भांति इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा।

समस्या निस्तारण कराओ, चाय भी पिलाओ

जनता दर्शन में समस्या लेकर आई आंशिक रूप से शारीरिक अक्षमता की शिकार कर महिला और उसके साथ बच्चे को देखकर मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इनकी समस्या का निस्तारण कराओ और इन्हें चाय भी पिलाओ। इस दौरान कुछ अन्य लोगों के साथ आए उनके बच्चों को सीएम योगी ने प्यार, दुलारकर आशीर्वाद दिया। उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट दिया।

तेज बारिश में भी मंदिर परिसर का भ्रमण किया सीएम ने

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह तेज बारिश का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। खराब मौसम में भी वह गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन और अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद मंदिर परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने निकले।

संक्षिप्त समाचार

इगलास में डीएम का संपूर्ण समाधान दिवस, किसान नेता ने पेट्रोल डालकर किया आत्मदाह का प्रयास

अल्मोड़ा , एजेंसी। अलीगढ़ के डीएम संजीव रंजन की अध्यक्षता में इगलास तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस चल रहा था। अचानक वहां मौजूद किसान नेता ने अपने ऊपर पेट्रोल उड़ेलकर आत्मदाह का प्रयास किया।

इगलास में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम संजीव रंजन जनता से शिकायतों को सुनने में लगे थे। तभी किसान नेता भगवान सिंह ने हरे रंग की प्लास्टिक की बोतल निकाली और उसे खोलकर पेट्रोल को अपने ऊपर उड़ेलने लगा। यह देखकर वहां मौजूद पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया।

पुलिसकर्मी किसान नेता को पकड़ कर वहां से बाहर ले गए और उन्हें समझाया। पुलिस कर्मियों ने इसको पकड़ लिया और अधिकारियों के निर्देश पर कोतवाली ले गए। पूरे घटनाक्रम के सम्बंध में एसडीएम से बात करके स्थिति स्पष्ट होगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नगला जुझार निवासी भगवान सिंह का अपने भाइयों के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। जमीन विवाद के चलते बंजर पड़ी हुई है। सम्पूर्ण समाधान दिवस में आकर वह चिल्ला-चिल्ला कर कह रहा था कि मेरी जमीन बंजर पड़ी हुई है, मुझे न्याय नहीं मिल रहा है।

सोनभद्र में तीन लोगों की मौत, बरात में जाते वक्त हुआ हादसा, गांव में एक साथ पहुंचीं लाशें

सोनभद , एजेंसी। सोनभद्र के चोपन थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीती रात एक दर्दनाक हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। यह हादसा पटवध स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास रात करीब 9 बजे हुआ।

जानकारी के अनुसार, बेलछ गांव से तीन युवक एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए कोटा जा रहे थे। इसी दौरान पटवध नायरा पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को तेज टक्कर मार दी, जिससे तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों की पहचान लक्ष्मण गोंड (20) पुत्र विश्वनाथ, छोटू गोंड (15) पुत्र महेंद्र और चंद्रशेखर गोंड (16) पुत्र लल्लू गोंड के रूप में हुई है। तीनों निवासी ग्राम सभा बेलछ के थे। वे तीनों सूचना मिलते ही चोपन पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है।

ससुराल में दामाद हुए नाराज, करने जा रहा था खुदकुशी, पुलिसकर्मियों की तत्परता से बची युवक की जान

भदोही , एजेंसी। डायल 112 की तत्परता से लोगों की जान बच रही है। शनिवार को एक बार फिर पुलिस ने पेड़ पर फंदे के सहारे झूलने जा रहे युवक को बचाया। सुरियावां कोतवाली के सागरपुर गांव में ससुराल आया युवक विवाद के बाद फंदे पर झूलने जा रहा था। पुलिस की तत्परता से उसकी जान बच गई।

ऊंज के सुभाषनगर कला निवासी एक युवक शुक्रवार को सुरियावां के सागरपुर में अपने ससुराल आया हुआ था। बताया जा रहा है कि ससुराल में किसी बात पर नाराज होकर वह पहले तो खुब शराब पी। इसके बाद नशे में चूर होकर पास के ही एक पेड़ पर फंदे से झूल गया। इस बीच गांव के ही एक व्यक्ति की नजर उस पर पड़ी तो लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया और 112 को इसकी जानकारी दी। पास में ही मौजूद डायल 112 के आरक्षी परमानंद वर्मा, दीपक कुमार गौरव और चालक राकेश यादव मौके पर पहुंच गए। उन्होंने उसे पेड़ से नीचे उतारा और सीएचसी भेजवाया। जहां उसकी हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां चिकित्सक उसकी जान बचा सके। एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने पुलिसकर्मियों के बहादुरी और तत्परता की प्रशंसा की। वहीं परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।

मेरठ में बड़ा हादसाः लखीपुरा में तेज आंधी में छत गिरी

मलबे में एक ही परिवार के छह लोग दबे, मां-बेटी की मौत

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के लिसाड़ी गेट के लखीपुर में शुक्रवार को तेज आंधी चलने के दौरान मकान की छत गिर गई। जिसमें एक ही परिवार के छह लोग दब गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े। लोगों ने काफी मशक्कत के बाद परिवार को निकाल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां मां व मासूम बेटी की मौत होना बताया गया है। बाकी अन्य परिवार के लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक, रुखसार और उसकी नौ महीने की बच्ची माहिरा की मौत की पुष्टि डॉक्टर ने कर दी है। चार दिन पहले रुखसार का पड़ोसी के साथ दीवार ऊंची होने को लेकर विवाद हुआ था। आरोप था कि पड़ोसी ने अपने मकान की दीवार ऊंची कर दी थी। जिसके गिरने की आशंका जताते हुए दोनों में विवाद हुआ था। मामला सुलझ गया था। इसके बावजूद किसी ने सुध नहीं ली।

शुक्रवार को तेज आंधी में पड़ोसी की दीवार रुखसार के मकान की छत पर गिर गई। जहां पर रुखसार अपने परिवार के पांच सदस्यों के साथ थी। छत गिरने से पूरा परिवार दब गया। आसपास के लोगों ने परिवार को निकाल लिया, लेकिन रुखसार और उसकी नौ महीने की बच्ची की इस हादसे में मौत हो गई। जानकारी लगने पर लिसाड़ी गेट और लोहिया नगर थाने की पुलिस के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। देर रात तक परिवार को समझने में पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी जुटे रहे।

प्रयागराज में टेंट हाउस के गोदाम में लगी भीषण आग, ऊंची-ऊंची लपटें और आसमान में धुएं का गुबार

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के महाकुंभ क्षेत्र में स्थित परेड ग्राउंड के पास एक टेंट के गोदाम में आग लग गई है। ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही हैं। आग पर दमकल की गाड़ियां काबू पाने में जुटी हैं।

परेड ग्राउंड स्थित एक टेंट हाउस के गोदाम में शनिवार की सुबह आग लग गई। देखते ही देखते आग फैलती गई। आग का भयावह रूप देख इलाके में हड़कंप मच गया। ऊंची-ऊंची आग की लपटें और आसमान में धुएं के गुबार दिखाई दिए।

आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। फिलहाल आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। आग लगने की घटना में अभी तक जनहानि की कोई खबर नहीं है।

एक अधिकारी ने जानकारी दी है कि हाल ही में संपन्न हुए महाकुंभ के लिए टेंट लगाने का सामान सप्लाई करने वाली एक कंपनी के गोदाम में शनिवार सुबह आग लग गई।उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए पानी की गाड़ियां मौके पर भेजी गई हैं और आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

घटनास्थल के पास एक अन्य गोदाम में काम करने वाले राहुल ने दावा किया कि सिलेंडर फटने की आवाज सुनी गई थी। प्रयागराज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजीव कुमार पांडे ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए छह पानी की गाड़ियां लगाई गई हैं। अन्य स्थानों से भी पानी की गाड़ियां मौके पर पहुंच रही हैं। उन्होंने बताया कि गोदाम में लकड़ियां और टेंट का सामान रखा हुआ था।

शताब्दी वर्ष में प्रत्येक बस्ती में आयोजित होंगे हिंदू सम्मेलन, भागवत की प्रचारकों से हुई चर्चा

अलीगढ़ , एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने ब्रज प्रांत में संघ कार्य के विस्तार के मंत्र जिला और विभाग प्रचारकों को दिए। ब्रज प्रांत के प्रवास पर अलीगढ़ आए संघ प्रमुख ने 18 अप्रैल को दो

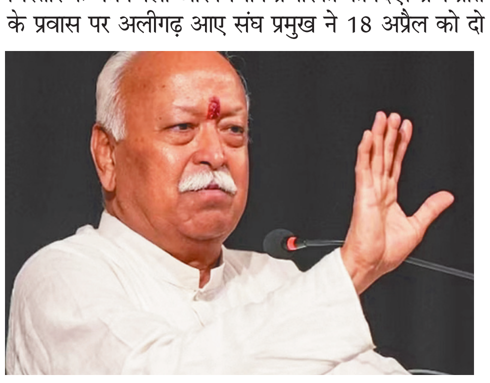

सत्रों में प्रचारकों के साथ बैठकें कीं। कार्य विस्तार के तहत पंच परिवर्तन के पांच और शाखा विस्तार के सात बिंदुओं पर प्रचारकों के साथ चर्चा की।

शताब्दी वर्ष में संघ के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने की रणनीति तैयार की गई। विजय दशमी पर प्रत्येक बस्ती में गणवेशधारी स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण तथा हिंदू सम्मेलन आयोजित करने का लक्ष्य तय किया गया। संघ प्रमुख ब्रज प्रांत के प्रवास पर 17 अप्रैल की शाम को अलीगढ़ आए। यहां 21 अप्रैल तक मथुरा रोड स्थित केशव सेवाधाम परिसर में स्थित डॉ.शन्नोरानी सरस्वती कन्या महाविद्यालय में रुकेंगे। 18 अप्रैल को उन्होंने ब्रज प्रांत के 29 जिलों के जिला प्रचारक और 8 विभागों के विभाग प्रचारकों के साथ सुबह और शाम के दो सत्रों में बैठकें कीं। पहले सत्र में पंच परिवर्तन पर चर्चा हुई, जिसमें कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, सामाजिक समरसता, स्व का जागरण और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि इन बिंदुओं पर आधारित कार्य करके परिवारों को मजबूत करना है, पर्यावरण को शुद्ध करना है और सभी तरह के मतभेद भुलाकर समाज को एकजुट करना है। इसी तरह अपनी सांस्कृतिक विरासत का बोध करते हुए समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना है। इस संबंध में प्रचारकों को साहित्य भी दिया गया। दूसरे सत्र की बैठक में शाखा विस्तार पर जोर दिया गया। इसके तहत प्रत्येक बस्ती में घर-घर जाकर संघ के स्वयंसेवक संपर्क करेंगे और संघ की जानकारी देंगे। इसी तरह प्रत्येक बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। जिला केंद्रों पर नागरिक गोष्ठियों का आयोजन, नगर केंद्रों पर सामाजिक सद्भाव बैठकें होंगी। अभियान के तहत अधिकतम शाखाएं लगाई जाएंगी। युवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा संघ के स्थापना दिवस विजय दशमी पर प्रत्येक बस्ती में अधिकतम गणवेशधारी स्वयंसेवकों के कार्यक्रम होंगे। संघ प्रमुख के साथ बैठक के बाद सभी जिला प्रचारक और विभाग प्रचारक अपने-अपने क्षेत्रों में रवाना हो गए।

ट्रांसपोर्ट नगर में गोदाम पर मारा छापा, डेढ़ करोड़ की 560 क्विंटल सुपाड़ी पकड़ी

नहीं मिले दस्तावेज

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में राज्य वस्तु एवं सेवाकर (एसजीएसटी) की टीम ने पहली बार रात में छापा मारने की कार्रवाई की। गुरुवार रात टीम ने ट्रांसपोर्टनगर में बिना पंजीयन के चल रहे सुपाड़ी कटिंग गोदाम पर छापा मारा। छापे में 855 बोरियों में भरी 567 क्विंटल सुपाड़ी पकड़ी गई। सुपाड़ी की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये है।

गोदाम संचालक सुपाड़ी खरीद-फरोख्त के कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा पाए। टीम ने गोदाम और माल सील कर दिया। एसजीएसटी विभाग को गुरुवार रात 10 बजे सूचना मिली कि वाहन संख्या यूपी 78 जीटी 9909 में कटी सुपाड़ी नए पुल के पास ट्रांसपोर्टनगर में लोड हो रही है। इसके बाद सचल दल की तीन यूनिटों ने संयुक्त आयुक्त रणकेंद्र सिंह के निर्देशन में ट्रांसपोर्टनगर में छापा मारा। जब टीम वाहन के पास पहुंची, तब तक इसमें तीन बोरी सुपाड़ी लोड हो चुकी थी। उपायुक्त एसआईबी विनय गौतम की अगुवाई में रात में ही जिस गोदाम से सुपाड़ी लोड हो रही थी, उस पर छापा मारा गया। जांच में पता चला कि गोदाम का संचालन वीर बहादुर रैकवार की ओर से पिछले दो महीनों से किया जा रहा है। गोदाम के अंदर जॉब वर्क पर काम होना बताया गया।

कोई खरीद बिक्री नहीं किए जाने की बात कही, जबकि गोदाम में सुपाड़ी कटिंग की आठ मशीनें लगी थीं। इनमें से छह पर सुपाड़ी कटिंग का काम हो रहा था। मौके पर मौजूद लोग कोई पंजीयन प्रमाणपत्र भी नहीं दिखा पाए। गोदाम में 855 बोरी सुपाड़ी मिली, जिससे संबंधित कोई इनवॉइस, चालान नहीं दिखाया गया। कोई भी

दस्तावेज नहीं मिलने पर माल को जब्त करते हुए गोदाम को सील कर दिया गया। रात तीन बजे तक कार्रवाई की गई। अपर आयुक्त ग्रेड दो एसआईबी जोन द्वितीय कुमार आनंद ने बताया कि सील की गई सुपाड़ी की अनुमानित कीमत डेढ़ करोड़ रुपये है। गोदाम भी सील कर दिया गया है। ये कटी सुपाड़ी कहां जा रही थी, इसकी जानकारी अभी तक संचालक ने नहीं दी है। पूछताछ के साथ आगे की जांच की जा रही है।

हनुमत दरबार में संगीत की त्रिवेणीः कलछुल, थाल-कटोरी और घंटा-घड़ियाल पर फर्राटा फैन जैसे चले शिवमणि के हाथ

वाराणसी , एजेंसी। डारबुका, उडूकबी, घाटम, कंजीरा, ऑक्टोबन इंस्ट्रूमेंट्स की धुन लेकर एथनिक लुक में मंच पर आए ड्रमवादक शिवमणि ने पूरे संकट मोचन परिसर को संगीत के महालोक में बदल दिया। कलछुल, चम्मच, बाल्टी, थाल-कटोरी, घुंघरू और घंटा-घड़ियाल पर उनके दोनों हाथों की स्टिक फर्राटा फैन की तरह चल रही थी। इससे निकलने वाली तरंगें श्रोताओं को पांव से लेकर सिर तक नृत्य करा रही थीं।

इस लाइव ध्वनि अभियांत्रिकी में पं. यू राजेश की मैंडोलिन ने लयकारी का रस घोल दिया। वहीं, महंत प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्रा की पखावज की धमक मंदिर के बाहर तक तक पहुंच गई। तीनों महारथियों का ऐसा संगत हुआ कि पलक झपकने से पहले ही ड्रम पर 3, 6 और 9 बीट्स पार हो जातीं। रघुपति राघव राजाराम, महिषासुर मर्दिनी, पंजाबी भंगड़ा, गरबा, राजस्थानी ढोल, भोजपुरी, बंगाली, पहाड़ी संगीत सब कुछ क्षण प्रतिक्षण सुनाई देता रहा।

शिवमणि ने घंटा बजाते-बजाते उसे पानी भरी बाल्टी में डुबोया तो भूमिगत मेट्रो के चलने की आवाज गूंजने लगी। भीगे घुंघरुओं की आवाज ने लहरों में जलपरी नृत्य जैसा एहसास कराया। बाल्टी को ही ड्रम बनाकर पांच मिनट तक बजाते रहे। प्रस्तुति खत्म होने के बाद 5 मिनट तक हर-हर महादेव... का जयघोष गूंजता रहा।

युवा ड्रम वादक को किया लॉन्चः शिवमणि ने काशी के युवा ड्रम वादक प्रियेश पाठक को मंच पर लॉन्च किया। पिछले कई वर्षों से मंदिर में शिवमणि के ड्रम को एसेंबल और गुरु सेवा करने वाले प्रियेश ने शिवमणि के ही अंदाज में ड्रम पर ताल से ताल मिलाया।

22 साल के प्रियेश के हाथ भी हवा से ही बात कर रहे थे। प्रियेश को आशीर्वाद देते हुए शिवमणि ने कहा कि हनुमान जी ने आपको अवसर दे दिया है। तबले से कॅरिअर शुरू करने वाले प्रियेश देश-विदेश में ड्रम प्ले करने के लिए जाने जाते हैं।

पं. छन्नू लाल मिश्र के गाने डिमिक-डिमिक डमरू कर बाजे... पर काशी के दो युवा कथक नर्तक डमरू बनकर नाचे। दूसरी प्रस्तुति लेकर मंच पर आए बनारस घराने के सौरव-गौरव मिश्र ने महादेव की इस सुप्रसिद्ध धुन पर श्रोताओं को बैठे-बैठे ही झूमा दिया। त 'हनुमान लला मेरे प्यारे लला' पर महावीर जी की नृत्य आराधना और बनारस घराने की मिसाल तीन ताल में पेश की। आदम, टुकड़ा, तोड़ा, तिहाई, परन, चक्करदार परन कला दिखाकर श्रोताओं को अपने वश में किया।

20 माइक लगाकर दी प्रस्तुति : 20 माइक और 4 इनपुट सेटअप लगाए गए थे। ये शिवमणि के पूरे सेटअप का 10वां ही था। वह 55 से ज्यादा माइक और इनपुट लेकर प्रस्तुतियां देते हैं। बंगलूरू के ओंकार हवलदार ने राग आभोगी कान्हाड़ा की प्रस्तुति दी। विलंबित लय में दरस देख दीजो... के बाद द्रुत लय और आदि ताल में हम संग खेलो नंदलाल... गाकर श्रोताओं को गायन की प्राचीन परंपरा और धार्मिक किस्सों का भान कराया। राग गोरख कल्याण में 'महावीर हनुमान मनोजवम' गाकर प्रस्तुति को समाप्त किया। मोहनवीणा और सात्विकवीणा की जुगलबंदी श्रोताओं को शास्त्रीय संगीत के गहरे सागर में लेकर चली गई।

ओपहार बिहार ने किया तीन दिवसीय सतत शैक्षणिक पुनर्वास कार्यक्रम का आयोजन

बिहार से दिव्यांगता को खत्म करने का लें संकल्प : नन्द किशोर यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ऑर्थोटिक एवं प्रोस्थेटिक प्रोफेशनल एसोसिएशन फॉर हेल्थ एंड रिहैबिलिटेशन, (ओपहार बिहार) के द्वारा जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान पटना में तीन दिवसीय सतत शैक्षणिक पुनर्वास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि बिहार विधानसभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, विशिष्ट अतिथि पूर्व विभागाध्यक्ष ऑर्थोपेडिक्स, पीएमसीएच डॉ. आर आर कनौजिया, एनआईएलडी, कोलकाता के निदेशक डॉ. ललित नारायण, पीएमआर विभागाध्यक्ष, आईजीआईएमएस डॉ. राज कुमार, पीडियाट्रिक्स विभागाध्यक्ष, आईजीआईएमएस डॉ. आनंद कुमार गुप्ता, ओपहार बिहार के अध्यक्ष डॉ. युगल किशोर, उपाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार, सचिव डॉ. दीपेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर की। कार्यक्रम में निशक्तता के प्रबंधन में प्रारंभिक पहचान एवं हस्तक्षेप हेतु पार विशेषज्ञ दृष्टिकोण की आवश्यकता पर वैज्ञानिक सत्र, शैक्षणिक सत्र एवं संरक्षित वार्तालाप का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसमें देश - विदेश के मेडिकल चिकित्सा विशेषज्ञ, आर सी आई पंजीकृत स्वास्थ्य पुनर्वास एवं शैक्षणिक विशेषज्ञ सहित कृतिम अंग विशेषज्ञ सम्मिलित रूप से प्रतिभागी एवं ज्ञान साधन व्यक्ति ने योगदान दिया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव ने इस आयोजन के लिए ओपहार को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि यह तीन दिवसीय सतत शैक्षणिक पुनर्वास कार्यक्रम बिहार के लोगों के लिए फायदेमंद साबित होगा। उन्होंने कहा लोग अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करते हुए बिहार से दिव्यांगता को खत्म करने का संकल्प लें। उन्होंने इस क्षेत्र में सरकार द्वारा किये गए कार्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की और ओपहार को अपनी तरफ से यथासंभव मदद करने की बात कही। वहीं अन्य अतिथियों ने भी प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक से संबंधित विषयों पर प्रकाश डाला। ओपहार बिहार के उपाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य हर प्रकार के रोगों जैसे दुर्घटना के कारण बच्चों, वयस्क एवं वृद्धजनों में होने वाली अस्थाई निशक्तता के निदान एवं स्थाई निशक्तता के प्रबंधन के लिए पार विषयक विशेषज्ञ द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान एवं अनुसंधान प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक करना है। कार्यक्रम के आयोजन में आयोजन समिति के डॉ. सुशील कुमार, डॉ. अचिन्त्य प्रकाश, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. शशि कुमार, डॉ. सत्यप्रकाश कुमार, डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. राजेंद्र प्रवीण, डॉ. कन्हैया, डॉ. कुणाल, डॉ. अंजलि, डॉ. अनमोल, डॉ. जयप्रकाश, डॉ. कोमल आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बाइक सवार युवक के पास से देसी पिस्तौल और गोली बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारी शरीफ। राजधानी पटना के परसा बाजार थाना क्षेत्र में पुलिस ने देर रात वाहन जांच के दौरान एक युवक को देशी पिस्तौल और दो जिंदा गोली के साथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई पटना एसएसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष गश्ती एवं चेकिंग अभियान के तहत की गई। थानाध्यक्ष मेनका रानी ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान दो युवक बाइक से आते दिखे. पुलिस को देखकर एक युवक घबराकर बाइक से नीचे गिर पड़ा और भागने की कोशिश करने लगा जिसे घेराबंदी कर मौके पर ही दबोच लिया गया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक देशी पिस्तौल और दो जिंदा गोली बरामद हुई। पकड़े गए युवक की पहचान अमित कुमार और सूरज कुमार दोनों पोठही, पुनपुन निवासी के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि फिलहाल युवकों से पूछताछ की जा रही है कि हथियार लेकर वे कहां और क्यों जा रहे थे। बरामद हथियार और गोली को जब्त कर लिया गया है और आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि गश्ती और चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि आपराधिक तत्वों पर अंकुश लगाया जा सके।

राजद के मंसूबे पर कांग्रेस ने फेरा पानी : मंगल पाण्डेय

तेजस्वी को संयोजक बना कांग्रेस ने खेला बड़ा सियासी दांव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य व विधि मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस ने तेजस्वी यादव को बिहार में इंडी एलायंस का स्टेट को-ऑर्डिनेशन कमिटी का कन्वेनर बना कर एक तरह से राजद के मंसूबे पर पानी फेर दिया है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद का तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की प्रबल इच्छा पर कांग्रेस ने अपनी सियासी चाल से विराम लगा दिया है। कांग्रेस को बिहार की राजनीतिक हकीकत मालूम है। वर्षों पहले खिसक चुकी अपनी सियासी जमीन की तलाश के लिए बेचैन कांग्रेस यह भी अच्छी तरह से समझ रही है कि अगर उसने ''जंगल राज'' के वारिस का नेतृत्व स्वीकार कर लिया तो बिहार में उसका कोई नामलेवा नहीं बचेगा। श्री पांडेय ने कहा कि बिहार के लोग पूरी तरह से एनडीए के साथ एकजुट है। न्याय के साथ विकास, कानून का राज और सुशासन एनडीए सरकार की यूएसपी है। डबल इंजन की सरकार की वजह से आज बिहार विकास के रास्ते पर तेजी से दौड़ रहा है। बिहार के तरक्कीपसंद जिम्मेवार मतदाता किसी भी कीमत पर बिहार को बेपटरी नहीं होंने देंगे। श्री पाण्डेय ने कहा कि धींगा - मुश्ती के बावजूद कांग्रेस और राजद की मंशा केवल भ्रष्टाचार, अराजकता, लूट-खसोट को बढ़ावा देने, वंशवाद, परिवारवाद को संरक्षित करने के लिए सत्ता हासिल करने की है। वहीं एनडीए की नीति, नीयत और निर्णय बिलकुल स्पष्ट है। बिना किसी भेदभाव के बिहार की 14 करोड़ जनता की सुख-समृद्धि एनडीए की प्राथमिकता है। इसलिए बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनना तय है।

बी.डी. कॉलेज, पटना में 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन

स्वच्छ और समावेशी शहरी परिवहन पर युवाओं ने रखे विचार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज, पटना में शनिवार को 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह संवाद बिहार में स्वच्छ और समावेशी शहरी परिवहन को लेकर युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सेहत केंद्र, पटना द्वारा क्लाइमेट एजेंडा नामक गैर-सरकारी संस्था के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सेहत केंद्र के नोडल पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार साव ने किया जबकि मंच संचालन एएनओ राहुल कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर क्लाइमेट एजेंडा से मनीष कुमार सिन्हा और नेहा प्रवीण ने शहरी परिवहन, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर छात्रों को संबोधित किया। वक्ताओं ने बताया कि पटना देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल है और यहां वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं है। केवल 2022 में ही राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में 8900 से अधिक लोगों की जान चली गई। ऐसे में इलेक्ट्रिक बस, साइकिल ट्रैक और नॉन-मोटोराइज्ड ट्रांसपोर्ट जैसे वैकल्पिक परिवहन साधनों को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। 'हरित सफर' अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों को बताया गया कि किस प्रकार वर्तमान परिवहन ढांचा पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है और कैसे वैकल्पिक, स्वच्छ एवं समावेशी साधनों से न केवल प्रदूषण को रोका जा सकता है, बल्कि सड़क सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकती है। इस अवसर पर बी.डी. कॉलेज की कई जानी-मानी शैक्षणिक हस्तियों की उपस्थिति रही। इनमें हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. लाडली कुमारी, डॉ. नीतू तिवारी, डॉ. वीरेंद्र मंडल, डॉ. सतेंद्र कुमार वर्मा, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. सुधीर कुमार, अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक विशाल विजय एवं सौरभ कुमार तथा डॉ. स्वर्णा कुमारी शामिल रहे। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी कैडेट्स तथा बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्रों ने भाग लिया और पर्यावरणीय विषयों पर अपने विचारों की प्रस्तुति दी। आयोजन को सभी ने बेहद सकारात्मक बताया और भविष्य में भी ऐसे संवाद जारी रखने की आवश्यकता जताई।

राजकीय संस्कृत महाविद्यालय में व्याख्यान माला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजकीय संस्कृत महाविद्यालय में एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के न्याय वैशेषिक विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर प्रोफेसर महानंद झा ने प्रमाण विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि मुख्यतः न्याय दर्शन में चार प्रमाण होते हैं- प्रत्यक्ष प्रमाण, अनुमान प्रमाण, उपमान प्रमाण और शब्द प्रमाण। इन प्रमाणों को जाने बिना हम किसी भी शास्त्र को जान ही नहीं सकते हैं। अतः इन प्रमाणों को हमें अच्छी तरह से पढ़ना चाहिए तथा शास्त्रों के प्रति श्रद्धा रखनी चाहिए। कार्यक्रम में संचालक के रूप में उपस्थित दर्शन विषय के सहायक प्रोफेसर डॉ.शशिकान्त तिवारी ने कहा कि अलग-अलग शास्त्रों ने अलग-अलग प्रमाणों की संख्या मानी है, यथा न्याय दर्शन ने चार प्रमाण, सांख्य दर्शन ने तीन प्रमाण तथा योग दर्शन ने तीन प्रमाण माने हैं। हम उन वस्तुओं को प्रत्यक्षीकरण अपने इंद्रियों से नहीं कर पाते हैं जिन इंद्रियों का मन के साथ संयोग नहीं होता है। अध्यक्ष के रूप में उपस्थित महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मनोज कुमार ने कहा कि हम प्रमाण को विशेष रूप से समझने के लिए कई और व्याख्यान कराएं जाएंगे जिनसे छात्र लाभान्वित होंगे। हमारा महाविद्यालय संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए सदा समर्पित है। यहां के विद्यार्थी संस्कृत बोलें, शास्त्रों को समझें तथा अपने क्षेत्र में यश कमाएं यही हमारा उद्देश्य है। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए साहित्य विषय के सहायक प्रोफेसर डा. शिवानन्द शुक्ल ने कहा कि प्रमाण दर्शन का मूलभूत तत्व है जिसे हमें सूक्ष्मता से समझना पड़ता है।

फीडबैक से स्वच्छता फीडबैक रैंकिंग में पटना को मिला चौथा स्थान

ब्रांड एंबेस्डर नीतू नवगीत ने नागरिकों का जताया आभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में नागरिक फीडबैक श्रेणी में देशभर में पटना को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। इस पर पटना नगर निगम की ब्रांड एंबेस्डर व चर्चित लोक गायिका नीतू कुमारी नवगीत ने नगर वासियों को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया है। नीतू नवगीत ने कहा कि ''पटना खुद में इतिहास समेटने के साथ स्वच्छता और नागरिक जागरूकता का भी गौरव बन गया है। यह उपलब्धि हर उस नागरिक की जीत है जिसने न केवल स्वच्छता को अपनाया, बल्कि अपने सुझाव और फीडबैक के माध्यम से नगर निगम को दिशा भी दी। यह जनभागीदारी की मिसाल है।'' उन्होंने कहा कि पटना नगर निगम के नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पाराशर के निर्देश पर चलाए गए अभियान से प्रेरित होकर अधिक से अधिक लोगों ने फीडबैक दिया। पटना नगर निगम की मेयर सीता साहू और उपमेयर रेशमी चंद्रवंशी सहित सभी वार्ड पार्षदों के योगदान की सराहना करते हुए नीतू नवगीत ने कहा कि ''पटनावासी होने के नाते गर्व महसूस कर रही हूं कि मेरे शहर ने देश के टॉप 5 शहरों में अपनी जगह बनाई है। यह दिखाता है कि पटना के लोग बदलाव के वाहक बनते हैं।'' पटना के नागरिकों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि ''यह चौथा स्थान सिर्फ एक शुरूआत है। हमें अब इसे पहला स्थान बनाना है। आइए हम सब मिलकर पटना को सबसे स्वच्छ, सबसे सुंदर और सबसे सजीव शहर बनाएं।'' पटना नगर निगम, 'चकाचक पटना' अभियान के तहत लगातार स्वच्छता के लिए नवाचार कर रहा है। इस अभियान को जनआंदोलन का रूप देने में लोक गायिका नीतू नवगीत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। स्वच्छता पर आधारित उनके जागरूकता गीतों ने शहर की गली-गली में स्वच्छता का संदेश पहुंचाया।

ज्ञान विज्ञान रिकवरी शेल्टर में राशन और कपड़ों का वितरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम की ओर से दानापुर स्थित ज्ञान विज्ञान रिकवरी शेल्टर में राशन, कपड़ा व जरुरी सामानों का वितरण किया गया। जरुरत के सामानों को पाकर वृद्धजनों के चेहरे खिल उठे। वृद्धजनों ने रोटरी क्लब ऑफ मिलेनियम के सभी सदस्यों का दिल से आभार जताया और उन्हें आशीर्वाद दिया। मौके पर उपस्थित रोटरी क्लब ऑफ मिलेनियम की अध्यक्षा सोनल जैन ने बताया कि हमारा उद्देश्य हर जरुरतमंदों तक राहत पहुंचाना है। इसी कड़ी में हमने आज शेल्टर होम में लोगों के बीच खुशियां बांटने की कोशिश की है। मौके पर रोटरी क्लब ऑफ मिलेनियम के असिस्टेंट गवर्नर आशीष बंका, पूर्व अध्यक्ष चिंतन जैन, सचिव डॉ. अमिताभ बंका, कोषाध्यक्ष सीए अभिषेक लोहिया, अनुराधा सराफ सहित अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

मेंटर्स एडुसर्व के विद्यार्थियों ने लहराया जेइइ मेन 2025 में सफलता का परचम

4284 विद्यार्थी जेइइ एडवांस के लिए क्वालीफाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्वोत्तर भारत के प्रतिष्ठित एवं अग्रणी कोचिंग संस्थान मेंटर्स एडुसर्व के विद्यार्थियों ने जेईई मेन 2025 में उत्कृष्ट सफलता हासिल की है। संस्थान के 4284 विद्यार्थी जेईई एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई हुए हैं। संस्थान के रेगुलर क्लासरूम प्रोग्राम के विद्यार्थियों ने अलग-अलग कैटेगरी में सर्वोच्च रैंक हासिल किया है। टॉप परफोरमर्स में अंकु ने ऑल इंडिया रैंक 09, आशिष ने ऑल इंडिया रैंक 143, खुशी ने ऑल इंडिया रैंक 179, सुशांत ने ऑल इंडिया रैंक 309, सोनु ने ऑल इंडिया रैंक 328, सत्यम ने ऑल इंडिया रैंक 355, सौर्या ने ऑल इंडिया रैंक 833 एवं सौरव ने ऑल इंडिया रैंक 964 हासिल किया है। रेगुलर क्लासरूम प्रोग्राम से नीतीश ने भौतिकि में 100 परसेंटाईल हासिल किया है। संस्थान के निदेशक आनंद कुमार जायसवाल ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, उनकी टीम के अनुभवी अध्यापकों द्वारा की गई जी तोड़ परिश्रम एवं मेंटर्स की उच्च स्तरीय शिक्षण प्रणाली को दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी और शिक्षक का जब बेहतरीन गठजोड़ होता है तो इस तरह के रिजल्ट होते हैं। साल दर साल मेंटर्स के विद्यार्थी जेईई और नीट दोनों में ही बेहतरीन रिजल्ट दे रहे हैं। मेंटर्स एडुसर्व द्वारा घोषित परिणामों में गुणवत्ता है एवं परिणामों की विश्वसनीयता मेंटर्स एडुसर्व की पहचान है। श्री जायसवाल ने बताया कि मेंटर्स एडुसर्व द्वारा जेईई मेन में सफल विद्यार्थियों को जेईई एडवांस्ड 2025 में अच्छे रैंक हेतु एक्सपर्ट शिक्षकों द्वारा स्पेशल क्लासेस के साथ ऑनलाइन टेस्ट सीरिज दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सभी टेस्ट का डिसक्शन, सभी टेस्ट का विश्लेषण एवं जेईई एडवांस्ड रैंक इंप्रूवमेंट पैकेज भी दिया जा रहा है। उन्होंने दूसरे सफल मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वो भी इस कोर्स में दाखिला लेकर लाभान्वित हो सकते हैं। श्री जायसवाल ने कहा कि जिन विद्यार्थियों का जे.ई.ई. मेन 2025 का परिणाम संतोषजनक नहीं रहा या जिनका सेलेक्शन नहीं हुआ, उन्हें निराश नहीं होना चाहिए। उन्हें पूरे विशवास के साथ एक और प्रयास करना चाहिए। मेंटर्स एडुसर्व द्वारा जे.ई.ई. (मेन एवं एडवांस्ड) 2026 हेतु नया रीपिटर बैच 24 अप्रैल एवं 01 मई 2025 से प्रारंभ किया जायेगा।

वक्फ कानून को लेकर विपक्ष भ्रांतियां फैला रहा : डॉ. दिलीप जायसवाल

बिहार में भाजपा चलाएगी वक्फ सुधार जन जागरण अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा की ओर से शनिवार को प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में वक्फ कानून को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल सहित कई दिग्गजों ने शिरकत की और अपनी बात रखी। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में इसे गरीब मुसलमानों, बेवा महिलाओं के लिए लाभप्रद बताते हुए इसकी तारीफ की। डॉ. दिलीप जायसवाल ने अपने संबोधन में इस कानून की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस कानून को लेकर प्रदेश भाजपा द्वारा वक्फ सुधार जन जागरण अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। इसकी शुरूआत आज यहां से की जा रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार द्वारा वक्फ संशोधन कानून लाया गया। दूसरी ओर विपक्षी पार्टियों द्वारा इसको लेकर भ्रांतियां फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। इस कानून को धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश की जा रही है और भ्रम का जाल फैलाया जा रहा है जबकि सरकार पारदर्शिता के साथ वक्फ के आय और संपत्ति के अल्पसंख्यकों और मुसलमानों का हक हो, इसकी चिंता करते हुए इस कानून को लाया। वक्फ की संपत्ति अल्लाह की संपत्ति है जिस पर जमात का हक है। गरीबों का भी हक है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग वक्फ की संपत्ति को अपनी जागीर मानकर चल रहे थे। उन्होंने सच्चर कमिटी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि उसमें कहा गया है कि इस बोर्ड का प्रत्येक साल 12 हजार करोड़ रुपये आय होना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। इसी के लिए केंद्र की सरकार ने वक्फ की संपत्ति में पारदर्शिता लाने और इसकी संपत्ति का गरीब मुसलमानों पर खर्च करने के लिए यह कानून लाया गया। इसके लिए समाज के अंदर किसी प्रकार का भ्रम न फैले, इसको लेकर जन जागरण अभियान चला रही है। इस दौरान राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल पर विपक्ष अफवाह फैला रही है। विपक्ष हमेशा मुस्लिम भाइयों को अपनी जागीर समझता है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि आखिर वक्फ में मुसलमानों के हित में क्या नहीं है, यह तो विपक्ष को बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि आम मुसलमान वक्फ कानून का समर्थन कर रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रिया कर रहे हैं। आज से बिहार भाजपा लोगों को इस कानून को लेकर जन जागरण अभियान की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि कोई भी माफिया अब वक्फ की एक इंच जमीन भी नहीं ले सकता है। जिन लोगों ने वक्फ की जमीनों पर कब्जा कर रखा है, उन्हें अब हिसाब देना होगा। उन्होंने दावा किया कि वक्फ संशोधन बिल मुसलमानों के लिए अच्छे दिन लेकर आएगा।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कार्यशाला में कहा कि नया वक्फ कानून मुस्लिम समाज के कमजोर तबके के हक में बड़ा कदम है।

भगवान शांतिनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारम्भ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के प्रथम गणधर गौतम स्वामी की केवलज्ञान एवं मोक्ष स्थली 'श्री गुणांवा जी दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र के मंदिर प्रांगण में नवनिर्मित श्री शांतिनाथ जिनालय में स्थापित श्याम पाषाण से निर्मित भगवान शांतिनाथ स्वामी की मनोज्ञ प्रतिमा का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित हो रहा है जिसका आज भगवान का गर्भ कल्याणक मनाया गया। अभिषेक, शांतिधारा, झंडोतोलन एवं देव आज्ञा के साथ हुई कार्यक्रम की शुरूआत। कार्यक्रम में पटना सहित अन्य प्रांतों से आये भक्तगणों ने पारम्परिक वस्त्र पहनकर प्रभु के गर्भ कल्याणक पर अभिषेक, शांतिधारा की।

मेरा बिहार मुझे बुला रहा : चिराग पासवान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लोजपा (रा) प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान केन्द्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर क्या बिहार में अपनी सियासत चमकाएंगे? सूबे के सियासी गलियारे में यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, चिराग पासवान ने कहा है कि उनका मन अब दिल्ली की राजनीति में नहीं लगता और वह केंद्र की राजनीति में ज्यादा दिन तक नहीं रहना चाहते हैं। उनका मन अब बिहार की ओर खींच रहा है। उन्होंने बिहार की राजनीति में अपनी अहम भूमिका को लेकर इच्छा जाहिर की है। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच चिराग पासवान का यह बयान बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मालूम हो कि चिराग पासवान लगातार 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' का अभियान चलाते रहे हैं। ऐसे में अब सवाल उठने लगा है कि क्या चिराग पासवान बिहार चुनाव में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं? क्या वह बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं? चिराग पासवान ने अपने बयान में कहा है कि उनके पिता रामविलास पासवान भले ही केंद्र में ज्यादा सक्रिए रहे हों, लेकिन उनकी खुद की पहली प्राथमिकता बिहार है। ऐसे में मुझे मेरा प्रदेश बुला रहा है। हालांकि उन्होंने ये भी साफ कर दिया कि वह इस साल के आखिरी में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार नहीं बनेंगे। लेकिन 2030 के चुनाव से पहले वे पूरी तरह से बिहार की राजनीति में लौट आएंगे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं मुख्यमंत्री बनूंगा या नहीं? लेकिन हां, अगर मुझे ऑप्शन मिलता है, तो जरुर मैं बिहार लौटना चाहूंगा। चिराग ने कहा कि बिहार में उनकी सभाओं में युवाओं की भारी भीड़ उमड़ती है और यह भीड़ बताती है कि बिहार में अभी मेरी जिम्मेदारी बाकी है। कार्यकर्ता भी चाहते हैं कि वे राज्य में ज्यादा वक्त बिताएं और वहां की राजनीति में सक्रिए होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि ये संकेत हैं कि जनता उन्हें जिम्मेदारी सौंपना चाहती है तो वह पीछे नहीं हटेंगे। चिराग पासवान ने भरोसा जताया है कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन इस बार भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा और बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता को डबल इंजन सरकार पर भरोसा है, लेकिन उनके बयानों से ये साफ हो रहा है कि वे भविष्य में बिहार की राजनीति में बड़ी भूमिका निभाने की तैयारी में हैं। इसबीच चिराग पासवान के इस बयान ने जहां बिहार की राजनीति में सरगर्मी बढ़ा दी है, वहीं एनडीए के भीतर भी उथल-पुथल मच सकती है।

युवक को अज्ञात वाहन ने कुचला, घटनास्थल पर मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारीशरीफ। पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेट हाईवे-78 पर मसाढ़ी गांव के पास शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान मकसूदपुर गांव निवासी सूरज कुमार के रूप में हुई है जो हाईवे किनारे वॉशिंग सेंटर चलाता था। हाल ही में उसके ससुर की भी मौत हुई थी। पत्नी अपने मायके गई थी दोनों बच्चों के साथ घटना की जानकारी मिलते ही दोनों परिवारों में रोना पीटना कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि सूरज कुमार अपने गांव में एक कार्यक्रम में शामिल होकर मसौढ़ी के एक समारोह में शामिल होने के लिए बुलेट बाइक से रात मे ही निकला था। इसी दौरान मसाढ़ी के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त था कि सूरज की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची गौरीचक थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराई। मृतक की पहचान मकसूदपुर निवासी बुधन गोप के बेटे सूरज कुमार के रूप में हुई।

संपादकीय

सिद्धारमैया की मुश्किल

कर्नाटक में जाति जनगणना की लीक हुई रिपोर्ट ने राज्य की राजनीति में तूफान ला दिया है। इस रिपोर्ट के तथ्यों पर उठाए जा रहे सवालों को छोड़ दें, तो भी राज्य की कांग्रेस सरकार के लिए इसे स्वीकार करना आसान नहीं होगा। इससे सियासी और सामाजिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे, जिसका असर देश के बाकी राज्यों पर भी पड़ेगा। ऐसे में जब गुरुवार को सीएम सिद्धारमैया अपनी कैबिनेट के साथ इस मामले पर चर्चा करेंगे, तो उनके सामने बहुत सारे सवाल होंगे। अनुमान से अलग आंकड़े- रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी अनुमान से ज्यादा है। ओबीसी के लिए आरक्षण को 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 51प्रतिशत और मुस्लिम समुदाय के लिए 4प्रतिशत से 8प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है। लेकिन, सबसे ज्यादा विरोध हो रहा है लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों की ओर से, जिनकी जनसंख्या अनुमान से कम बताई जा रही है। कर्नाटक की राजनीति में ये दोनों जातियां बेहद प्रभावी हैं। सामाजिक रूप से भी दोनों का खासा प्रभाव है। कांग्रेस के सामने मुश्किल यह है कि वह जाति जनगणना का समर्थन करती रही है। राहुल गांधी कई मौकों पर कह चुके हैं कि जिसकी जितनी आबादी है, उसकी उतनी ही हिस्सेदारी होनी चाहिए। लेकिन, इस पर कांग्रेस के भीतर से ही विरोध के सुर उठ रहे हैं। यह ऐसा मुद्दा है, जिसने जातीय आधार पर नेताओं की गोलबंदी कर दी है। वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने अपने धड़े के विधायकों के साथ मुलाकात की है ताकि कैबिनेट मीटिंग में सही ढंग से पक्ष रखा जा सके। सिद्धारमैया और कांग्रेस के सामने अपनों को मनाने की ही नहीं, रिपोर्ट को विश्वसनीय दिखाने की भी चुनौती है। आरोप लग रहे हैं कि रिपोर्ट को वैज्ञानिक तरीके से नहीं तैयार किया गया है। कांग्रेस के ही एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सर्वे टीम उनके घर नहीं पहुंची तो फिर रिपोर्ट कैसे तैयार की गई? यह भी कहा जा रहा है कि कई उपजातियों ने आरक्षण का फायदा लेने के लिए खुद को अलग कैटिगरी में दर्ज करा दिया। ये दोनों ही बिंदु गंभीर हैं और सरकार को इन्हें जरूर देखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कर्नाटक में कुल आरक्षण करीब 75 प्रतिशत तक हो जाएगा, सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50प्रतिशत की सीमा से कहीं अधिक। यानी, कानूनी अड़चन भी आ सकती है। ऐसे में कांग्रेस सरकार की राह बहुत मुश्किल होने वाली है।

विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने एवं ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षित करने के लिए हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक परिदृश्यों और संरचनाओं का जश्न मनाना और उन पर ध्यान आकर्षित करना है, जो व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की पहल पर एक अंतर्राष्ट्रीय संधि की गई जो विश्व के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। यह संधि सन् 1972 में लागू की गई। प्रारंभ में मुख्यतः तीन श्रेणियों में धरोहर स्थलों को शामिल किया गया।

नयी विश्व संरचना में विरासत एवं विकास का समन्वय अपेक्षित

(ललित गर्ग)

दुनिया के तमाम देशों में कई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरें हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। इनमें से आठ ऐसी विश्व धरोहर हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। जिनमें मिस्र में मौजूद गीज़ा का 'ग्रेट पिरामिड' आज भी रहस्य बना हुआ है।

विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने एवं ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षित करने के लिए हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक परिदृश्यों और संरचनाओं का जश्न मनाना और उन पर ध्यान आकर्षित करना है, जो व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की पहल पर एक अंतर्राष्ट्रीय संधि की गई जो विश्व के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। यह संधि सन् 1972 में लागू की गई। प्रारंभ में मुख्यतः तीन श्रेणियों में धरोहर स्थलों को शामिल किया गया। पहले वह धरोहर स्थल जो प्राकृतिक रूप से संबद्ध हो अर्थात प्राकृतिक धरोहर स्थल, दूसरे सांस्कृतिक धरोहर स्थल और तीसरे मिश्रित धरोहर स्थल। वर्ष 1982 में इकोमार्क नामक संस्था के ट्यूनिशिया में अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल दिवस में यह बात उठी कि विश्व भर में विरासत दिवस का आयोजन किया जाना चाहिए। यूनेस्को के महासम्मेलन में इसके अनुमोदन के पश्चात विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाने के लिए घोषणा की गई। हर साल धरोहर दिवस की एक खास थीम होती है। साल 2024 में विश्व विरासत दिवस की थीम विविधता की खोज और अनुभव थी। वहीं इस साल थीम है आपदाओं और संघर्षों से खतरे में पड़ी विरासतः आईसीओएमएस की 60 वर्षों की कार्रवाइयों से तैयारी और सीख। यह थीम गौरवशाली अतीत में विश्व संस्कृतियों की सुंदरता को बढ़ाने एवं संरक्षित के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

दुनिया के तमाम देशों में कई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरें हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। इनमें से आठ ऐसी विश्व धरोहर हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। जिनमें मिस्र में मौजूद गीज़ा का 'ग्रेट पिरामिड' आज भी रहस्य बना हुआ है। 481 फीट ऊंचा यह पिरामिड विश्व के आठ प्राचीन अजूबों में शामिल है और माना जाता है कि इसे चांद से भी देखा जा सकता है। माचू पिच्चू, पेरू यह ऐतिहासिक स्थल पेरू की पहाड़ियों पर बसा है और रहस्यमयी और खूबसूरत माचू पिच्चू को 'इंकाओं का खोया हुआ शहर' भी कहा जाता है। चीन की महान दीवार दुनिया की सबसे लंबी दीवार है, जिसकी लंबाई करीब 21,196 किलोमीटर है। यह दीवार कई राजाओं और साम्राज्यों द्वारा रक्षा के लिए बनाई गई थी। आगरा का ताजमहल मोहब्बत एवं प्रेम की सबसे खूबसूरत मिसाल है। इसे शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की याद में बनवाया था। यह सफेद संगमरमर की इमारत भारत की सबसे मशहूर धरोहरों में से एक है। क्राइस्ट द रिडीमर, ब्राजील रियो डी जेनेरियो में स्थित यीशु की यह विशाल प्रतिमा 30 मीटर ऊंची है। यह प्रतिमा न सिर्फ धार्मिक प्रतीक है, बल्कि शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पेट्रा, जॉर्डन रेगिस्तान के बीच स्थित पेट्रा शहर अपनी अनोखी लाल पत्थर की इमारतों और मंदिरों के लिए जाना जाता है। इसकी वास्तुकला और नक्काशी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। कोलोसियम, रोम (इटली) प्राचीन रोम के सम्राटों द्वारा बनवाया गया यह विशाल अखाड़ा कभी ग्लैडिएटरों की लड़ाई का गवाह था। यह आज भी रोम की पहचान बना हुआ है और विश्व धरोहर सूची में शामिल है। चिचेन इट्जा, मेक्सिको यह माया सभ्यता का प्रमुख धार्मिक स्थल रहा है। यहां बना 'एल कैस्टिलो' पिरामिड देखने लायक है। चिचेन इट्जा को मेक्सिको का सबसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल माना जाता है।

भारत में ऐतिहासिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध है। भारत में 43 यूनेस्को आधारित विश्व धरोहर स्थल हैं। इनमें से 35 सांस्कृतिक हैं, सात प्राकृतिक हैं और कंचनजंगा राष्टीय उद्यान एक मिश्रित स्थल है। 62 अन्य संभावित सूची में हैं, यहाँ ऐतिहासिक स्थलों का खजाना है जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। 2024 में, असम से चराइदेव मोइदम विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाली नवीनतम भारतीय प्रविष्टि बन गई। अहोम राजघरानों के दफ़न टीलों में गुंबददार कक्ष हैं, जो अक्सर दो-मंजिला होते हैं और जहां मेहराबदार मार्गों से पहुँचा जा सकता है। इन कक्षों में, मृतक को उनके सामान, जिसमें कपड़े और आभूषण, हथियार, फर्नीचर और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के साथ सुरक्षित रखा गया है।

विश्व विरासत दिवस सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को लाने में ही मदद नहीं करता बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी है। यह पर्यटन को प्रोत्साहन देने का सशक्त माध्यम है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भारत की विरासत विश्व में सबसे प्राचीन और समृद्ध विरासतों में से एक मानी जाती है। हज़ारों वर्षों से यह भूमि सांस्कृतिक, धार्मिक, प्राकृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अनेक महान परिवर्तनों एवं प्रगतियों की साक्षी रही है। भारतीय संस्कृति का इतिहास अत्यंत विविधतापूर्ण और बहुआयामी है, जिसने न केवल भारत बल्कि समग्र मानवता को गहराई से प्रभावित किया है। भारत की विकास यात्रा का इतिहास रोमांचक और प्रेरणादायक रहा है। स्वतंत्रता के बाद देश को एक ऐसे रास्ते पर चलना था जहाँ उसे पुनर्निर्माण के साथ-साथ आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाना था। वर्तमान में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं प्रौद्योगिकीय शक्तियों में से एक है, लेकिन यह यात्रा आसान नहीं थी। स्वतंत्रता के बाद भारत को न केवल अपने सामाजिक और आर्थिक ढाँचे को पुनर्स्थापित करना था, बल्कि उसे एक ऐसे लोकतांत्रिक देश का निर्माण करना था जो अपने नागरिकों को समान अवसर और अधिकार प्रदान कर सके। इस वर्ष गणतंत्र दिवस की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। भारत अपनी सुंदरता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है।

राजस्थान भारत का एक राज्य है जो विश्व विरासत का समृद्ध केन्द्र है, यह पर्यटन के लिए सबसे समृद्ध राज्य माना जाता है। राजस्थान की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। यूं तो भारत के सभी राज्यों में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से संपन्न राजस्थान में पर्यटन उद्योग समृद्धिशाली है। राजस्थान देशीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थल है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने ज़रूर आता है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर के भव्य दुर्ग भारतीय और विदेशी सैलानियों के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक हैं। इन प्रसिद्ध विरासत स्थलों को देखने के लिए यहाँ हज़ारों पर्यटक आते हैं। जयपुर का हवामहल, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के धोरे काफी प्रसिद्ध हैं। जोधपुर का मेहरानगढ़ दुर्ग, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर दुर्ग एवं चित्तौड़गढ़ दुर्ग काफी प्रसिद्ध है। यहाँ शेखावटी की कई पुरानी हवेलियाँ भी हैं जो वर्तमान में हैरीटेज होटलें बन चुकी हैं।

विश्व विरासत दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि चिंतन, कार्रवाई और प्रतिबद्धता का दिन है। इस अवसर का उपयोग सभी के लाभ के लिए अपने सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संरक्षण में योगदान देना है। यह वैश्विक आयोजन सांस्कृतिक धरोहर के प्रति चिंतन करता है और इन अमूल्य खजानों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के महत्व को पहचानने, दुनिया भर में उनकी सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक महत्व के लिए सराहना को बढ़ावा देने का अवसर है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

ऐतिहासिक मंदिरों, खूबसूरत समुद्र तटों और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है पुरी

(प्रीटी)

पुरी का प्रमुख आकर्षण है, जगन्नाथ मंदिर। यह मंदिर भगवान श्री कृष्ण के अवतार, जगन्नाथ जी को समर्पित है। यहाँ हर साल विशाल रथ यात्रा का आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। यह रथ यात्रा पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और हर साल जुलाई महीने में आयोजित होती है।

पुरी, भारत के ओडिशा राज्य में स्थित एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है। यह स्थान खासकर अपने ऐतिहासिक मंदिरों, खूबसूरत समुद्र तटों और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है। पुरी को 'जगन्नाथ की नगरी' के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यहां स्थित जगन्नाथ मंदिर हिन्दू धर्म के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। पुरी न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध संस्कृति का भी संगम है।

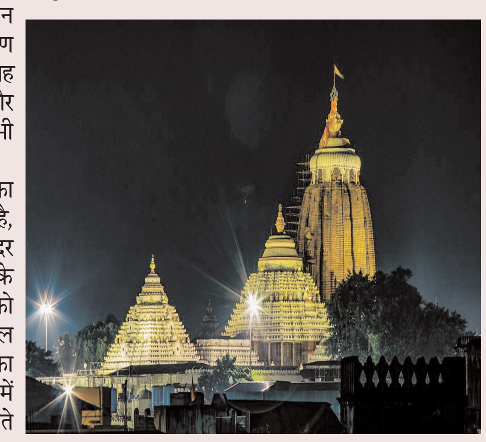

जगन्नाथ मंदिर- पुरी का प्रमुख आकर्षण है, जगन्नाथ मंदिर। यह मंदिर भगवान श्री कृष्ण के अवतार, जगन्नाथ जी को समर्पित है। यहाँ हर साल विशाल रथ यात्रा का आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। यह रथ यात्रा पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और हर साल जुलाई महीने में आयोजित होती है। जगन्नाथ मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है, और यह हिंदू धर्म के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, ऋषिकेश और पुरी) में से एक माना जाता है।

पुरी समुद्र तट- पुरी के समुद्र तट को भारत के सबसे सुंदर समुद्र तटों में गिना जाता है। यहां का नीला पानी, सफेद रेत और ठंडी हवा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। आप यहां सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं। समुद्र में तैरने के साथ-साथ, पर्यटक बीच पर आकर सुखद समय बिता सकते हैं और विभिन्न जल क्रीड़ाओं का आनंद ले सकते हैं।

सुन्दरगड़ और चिलिका झील- पुरी के पास स्थित सुन्दरगड़ और चिलिका झील पर्यटकों के लिए एक और आकर्षण का केंद्र है। चिलिका झील एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झीलों में से एक है। यहाँ विभिन्न प्रजातियों के पक्षी रहते हैं और सर्दियों में यह एक प्रमुख पक्षी अभयारण्य बन जाता है। यहां बोटिंग का अनुभव भी बहुत रोमांचक होता है, खासकर जब आप झील के बीचो-बीच स्थित छोटे द्वीपों को देख सकते हैं।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर- पुरी के आसपास कई महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थल हैं, जैसे कि कोणार्क सूर्य मंदिर, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और इतिहास के लिए प्रसिद्ध है। पुरी में अन्य मंदिर जैसे कि लिंगराज मंदिर, सुभद्रा मंदिर और गुंडिचा मंदिर भी दर्शनीय हैं। इन मंदिरों का अद्भुत स्थापत्य और धार्मिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करता है।

स्वादिष्ट भोजन- पुरी का भोजन भी खास है। यहां के लोकल व्यंजन, खासकर समुद्री भोजन, पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हैं। पुरी के खास पकवानों में 'चूड़ा-घांटी', 'पानी पुरी', 'पिठा' और 'भाजी' शामिल हैं। इसके अलावा, 'जगन्नाथ महाप्रसाद' (प्रसाद) भी यहां का प्रमुख आकर्षण है, जिसे श्रद्धालु बड़े श्रद्धा भाव से ग्रहण करते हैं।

शॉपिंग और हस्तशिल्प- पुरी में शॉपिंग भी एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। यहां के हस्तशिल्प, खासकर कटक की साड़ी, पीतल के बर्तन, और चांदी के आभूषण पर्यटकों द्वारा खरीदी जाती है। इसके अलावा, पुरी के बाजारों में लकड़ी के भगवान के छोटे-छोटे मूर्तियां और हस्तनिर्मित शिल्प कला के अन्य सामान भी मिलते हैं।

यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय- पुरी जाने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है, जब मौसम ठंडा और आरामदायक होता है। गर्मी में यहां का तापमान काफी बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में असुविधा हो सकती है।

पुरी न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह एक पर्यटन स्थल भी है, जो अपनी प्राचीन धरोहर, सांस्कृतिक महत्व, समुद्र तट, झीलों और स्वादिष्ट भोजन के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थान हर किसी के लिए कुछ न कुछ खास पेश करता है, चाहे वह धार्मिक तीर्थ यात्री हो या एक साहसी यात्री जो प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहता हो। पुरी की यात्रा निश्चित रूप से हर पर्यटक के दिल में एक अमिट छाप छोड़ जाती है।

भारत-यूएई साझेदारी में दुबई की महत्वपूर्ण भूमिका

(मेजर जनरल हर्षा काकर)

दुबई के क्राउन प्रिंस महामहिम शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम से मिलकर खुशी हुई. दुबई ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है. यह विशेष यात्रा हमारी गहरी दोस्ती की पुष्टि करती है और भविष्य में और भी मजबूत सहयोग का मार्ग प्रशस्त करती है.' भारत-यूएई संबंध पिछले कुछ वर्षों में मजबूत हुए हैं। 'हमारी बातचीत ने यूएई-भारत संबंधों की मजबूती की पुष्टि की है जो विश्वास पर आधारित है. इतिहास द्वारा आकार दिया गया है. और अवसरों, नवाचार और स्थायी समृद्धि से भरा भविष्य बनाने के लिए एक साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है।

हाल ही में दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद अल मकतूम भारत आए. क्राउन प्रिंस अल मकतूम यूएई के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री भी हैं. इस यात्रा के दौरान कई बैठकें हुई. इन दौरान इन बैठकों में प्रधानमंत्री, रक्षा, विदेश और उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री आदि शामल हुए. दोनों देसों के बीच कई समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए।'दुबई के क्राउन प्रिंस महामहिम शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम से मिलकर खुशी हुई. दुबई ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है. यह विशेष यात्रा हमारी गहरी दोस्ती की पुष्टि करती है और भविष्य में और भी मजबूत सहयोग का मार्ग प्रशस्त करती है.' भारत-यूएई संबंध पिछले कुछ वर्षों में मजबूत हुए हैं। 'हमारी बातचीत ने यूएई-भारत संबंधों की मजबूती की पुष्टि की है जो विश्वास पर आधारित है. इतिहास द्वारा आकार दिया गया है. और अवसरों, नवाचार और स्थायी समृद्धि से भरा भविष्य बनाने के लिए एक साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है। यूएई में भारत के लगभग 40 लाख भारतीय प्रवासी रहते हैं. जिनमें से अधिकतर दुबई और उसके आसपास रहते और काम करते हैं. यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है. साथ ही दूसरा सबसे बड़ा निर्यात का केंद्र है. इसके साथ ही एफडीआई का चौथा सबसे बड़ा स्रोत है. दिसंबर 2024 के आंकड़ों पर गौर करें तो मध्य-पूर्व से भारत का कच्चा तेल आयात 51 फीसदी से बढ़कर जनवरी 2025 में 53.89 प्रतिशत हो गया. इन्हें अच्छी तरह से सुरक्षित करने की जरूरत है. यही कारण है कि दोनों देशों के साथ रक्षा सहयोग महत्वपूर्ण है।

क्राउन प्रिंस ने यूएई के डिफेंस मिनिस्टर होने के नाते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की चर्चा भी की. रक्षा मंत्रालय की रिलीज के मुताबिक, 'तटरक्षक बल के बीच सक्रिय सहयोग पर दोनों नेताओं ने संतोष व्यक्त किया. साथ ही एक समझौता ज्ञापन से इसे और गहरा करने की प्रतिबद्धता जताई. वे इस बात से सहमत थे कि रक्षा उद्योगों के बीच गहरा सहयोग द्विपक्षीय सहयोग का अभिन्न अंग होना चाहिए।

राजनाथ सिंह ने कहा' आने वाले वर्षों में हम रक्षा सहयोग, सह-उत्पादन और सह-विकास परियोजनाओं, नवाचार और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं. भारत और यूएई दोनों ही क्षेत्र में शांति और समृद्धि की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.' ऐसा नहीं है कि भारत और यूएई के बीच वर्तमान में सैन्य भागीदारी की कमी है।

उन्होंने आगे कहा कि 'भारत और यूएई सुरक्षा और रक्षा सहयोग के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए वार्षिक रक्षा वार्ता करते हैं. दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग मंत्रालय स्तर पर संयुक्त रक्षा सहयोग समिति और मुख्यालय स्तर पर नौसेना स्टॉफ वार्ता के माध्यम से संचालित होता है.' इसका उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच कार्यात्मक सहयोग को बढ़ाना है। इंडिया और यूएई ने पहले भी संयुक्त नौसैनिक और वायु शक्ति अभ्यास किए हैं. दोनों देशों के नौसेना और तट रक्षक जहाज एक-दूसरे के बंदरगाहों का दौरा कर चुके हैं. भारत ने साल 2015 से अपने अबू धाबी मिशन में एक रक्षा अधिकारी 'अताशे' की नियुक्ति की है. ऐसा होने से सहयोग बढ़ा है. भारत के पास वर्तमान में ओमान में एक निगरानी चौकी है. और इस क्षेत्र में मस्कट नौसैनिक अड्डे पर बर्थिंग अधिकार हैं. ऐसा होने से दोनों देशों के तट रक्षक जहाज एक-दूसरे के बंदरगाहों पर रुकते हैं और संयुक्त अभ्यास भी करते हैं। दोनों देश अपने संबंधों को प्रगाढ़ करने में लगे हुए हैं. इसी कड़ी में यूएई और भारतीय प्रतिनिधिमंडलों ने दोनों देशों में आयोजित एयर शो में भाग लिया. सोमाली समुद्री डाकुओं और हूती विद्रोहियों के खिलाफ भारतीय नौसेना की कार्रवाई की गई. इस तरह से ये उसके पारंपरिक रक्षात्मक दृष्टिकोण से आक्रामक दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाती है. और इससे मध्य-पूर्व के उसके सहयोगियों को लाभ होता है, क्योंकि उनके पास इन खतरों को रोकने के लिए सैन्य शक्ति की कमी है. सैन्य खुफिया जानकारी साझा करना रक्षा संबंधों में आधारशिला बना हुआ है। भारतीय सशस्त्र बलों और यूएई के बीच संयुक्त अभ्यास ने दोनों देशों के अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ा दिया है. इसके साथ ही 'मेक इन इंडिया' उपकरणों पर भी जोर दिया गया है. यह भारत को क्षेत्र में एक शुद्ध सुरक्षा प्रोवाइडर के रूप में भी पेश करता है. क्राउन शेख की वर्तमान यात्रा के दौरान, 'मेक इन इंडिया' और 'मेक इन अमीरात' पहल के तहत रक्षा उपकरणों के संयुक्त उत्पादन पर भी चर्चा हुई. यूएई को भारत ने अपनी स्वदेशी आकाश वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की भी पेशकश की है. यूएई द्वारा ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद पर चर्चा है। दोनों देशों के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने के लिए तटरक्षक सहयोग को प्राथमिकता के रूप में पहचाना गया है. हालांकि इसकी मौजूदा स्थिति संतोषजनक मानी गई है. इसके लिए यह महसूस किया गया कि दोनों पक्षों के बीच समझौते के माध्यम से इसे मजबूत किया जाना चाहिए. दोनों देसों में रक्षा समझौता पहले से मौजूद होने के कारण अतिरिक्त समझौता ज्ञापन के रूप में इसकी जरूरत थी। भारत इस क्षेत्र में अपनी आर्थिक भागीदारी बढ़ा रहा है. इसके तहत आईएमईईसी (भारत, मध्य पूर्व, यूरोप आर्थिक गलियारा) अपनी जड़ें जमा रहा है. यह वर्तमान में चल रहे इजरायल-हमास संघर्ष के कारण रुका हुआ है. इसके अलावा भारत और यूएई आई22 (भारत, इजरायल, अमेरिका और यूएई समूह) के भी सदस्य हैं. गौर करें तो दोनों ही देश रणनीतिक इरादे वाले आर्थिक समूह हैं. इन्हें बाइडेन प्रशासन द्वारा शुरू किया गया था और वर्तमान अमेरिकी सरकार द्वारा समर्थित है। यूएई और अन्य अरब देश भी भारतीय नौसेना के नेतृत्व वाली हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी के सदस्य हैं. इस संगठन की स्थापना वर्ष 2008 में की गई थी और यह हिंद महासागर के तटीय क्षेत्रों के नौसेना प्रमुखों के लिए एक द्विवार्षिक मंच है. इस प्लेटफर्म पर वो आम हितों के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मिलते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते साल फरवरी में यूएई का दौरा किया था, जहाँ द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे। क्षेत्र के साथ संबंधों को और आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में सऊदी अरब की यात्रा करने वाले हैं. इस यात्रा में संयुक्त अभ्यास और अन्य विषयों के अलावा सैन्य आदान-प्रदान में बढ़ोतरी सहित रक्षा समझौते शामिल हैं. इतना ही नहीं भारत यूनाइटेड अरब अमीरात को सैन्य उपकरणों का निर्यात भी करना चाहता है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में बनाएं करियर

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- बीमा क्षेत्र
- वित्तीय संस्थाए
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

लाइब्रेरी सांइस में क्या है करियर स्कोप

स्कूल कॉलेज हों या फिर सरकारी व प्राइवेट संस्थान हर जगह डॉक्यूमेंट्स को संभालने व संरक्षण करने के लिए लाइब्रेरी का उपयोग होता है। इस लाइब्रेरी में किताबों की देखभाल करने वाले को लाइब्रेरियन कहा जाता है।

अगर आपको भी किताबों से प्यार है और ज्ञान के भंडार के बीच अपना समय बीताना चाहते हैं, तो लाइग्ररियन बन सकते हैं, इसके लिए आपको लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करना पड़ेगा, जिसके बाद आप लाइब्रेरी अटेंडेंट, लाइब्रेरी असिस्टेंट, जूनियर लाइब्रेरियन और लाइब्रेरियन जैसे पदों पर रहकर अच्छा करियर बना सकते हैं।

क्या है लाइब्रेरी सांइस का कोर्स

लाइब्रेरी साइंस का दायरा काफी बड़ा है, आज के समय यह एक हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है। इसलिए इसमें करियर के अवसर भी काफी ज्यादा नजर आ रहे हैं। इस कोर्स के तहत छात्रों को लाइब्रेरी और इंफॉर्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट, डॉक्यूमेंटेशन, मैनुस्क्रिप्ट, कैटलॉग, बिबलियोग्राफी आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। इस क्षेत्र में अगर आप करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको कंप्यूटर की बेसिक जानकारी भी होना जरूरी है। क्योंकि आजकल सारे डेटा और रिकॉर्ड कंप्यूटर पर ही रखे जाते हैं।

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स

अगर आप लाइब्रेरी साइंस में करियर बनाना चाहते हैं तो आप डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए कैंडिडेट्स को किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए। वहीं बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस या बैचलर इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के लिए आपको किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना होगा। बैचलर करने के बाद आम मास्टर इन लाइब्रेरी साइंस भी कर सकते हैं। इसके बाद आप एमफिल या पीएचडी कर रिसर्च या टीचिंग के सेक्टर में भी जा सकते हैं।

करियर स्कोप क्या है

लाइब्रेरी साइंस में इस समय जॉब्स की कमी नहीं है, लाइब्रेरी साइंस में ग्रेजुएट होने के बाद आप सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर में जॉब कर सकते हैं। जिस तरह से दिन- प्रतिदिन यूनिवर्सिटी और कॉलेज की संख्या बढ़ रहा है, ठीक उसी प्रकार इस सेक्टर में जॉब के अवसर भी बढ़ रहे हैं। आप किसी भी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, प्राइवेट संस्थान, प्राइवेट लाइब्रेरी, म्यूजियम आदि में लाइब्रेरियन के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा न्यूजपेपर और न्यूज चैनल्स में भी लाइब्रेरियन की नियुक्ति की जाती हैं। अब तो कॉरपोरेट कंपनियों में भी लाइब्रेरी को प्रमोट किया जाता है, ऐसे में यहां पर भी अच्छी सैलेरी के साथ जॉब मिल सकती है। अब जमाना डिजिटल हो चुका है, इसलिए अब ऑनलाइन लाइब्रेरी या कंप्यूटर लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी का चलन तेजी से बढ़ा है।

करियर ऑप्शन क्या है

अब लाइब्रेरी साइंस काफी विकसित सेक्टर के रूप में जाना जाता है। जिसकी जरूरत हर जगह पर पड़ती है। जिसके कारण इस क्षेत्र में करियर के अनेक ऑप्शन हैं। आप कोर्स पूरा कर निम्न पदों पर रहकर करियर बना सकते हैं। जिसमें जूनियर लाइब्रेरियन, सहायक लाइब्रेरियन, डिप्टी लाइब्रेरियन, लाइब्रेरियन, लाइब्रेरी अटेंडेंट, पुस्तकालय सहायक, शोधकर्ता व वैज्ञानिक, सलाहकार, तकनीकी सहायक, अभिलेख प्रबंधक, सूचना केंद्र का प्रमुख, वरिष्ठ सूचना विश्लेषक, कानून लाइब्रेरियन, इंडेक्सर, सूचना वास्तुकार, पुरालेखपाल शामिल है।

कितनी मिलती है सैलरी

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स करने के बाद आप प्रेशर के तौर पर 20 से 30 हजार रूपए कमा सकते हैं, इसके बाद जिस तरह से आपका अनुभ्व बढ़ेगा, उसी के अनुसार आपका पद और वेतन भी बढ़ेगा। वहीं अगर आपकी जॉब गवर्नमेंट सेक्टर में लग गया तो आप हर माह लाखों रुपए कमा सकते हैं।

आईआईटी में एडमिशन दिलाएंगी ये टिप्स

देश में इंजीनियर बनने की चाह रखने वाले हर स्टूडेंट की चाहत होती है कि वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) से इंजीनियरिंग करे। आईआईटी में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स को जेईई मेन एवं जेईई एडवांस परीक्षा पास करनी होती है। यहां हम आपको तैयारी के लिए कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं।

बनाएं स्टडी प्लान

सबसे पहले सिलेबस के अनुसार अपना स्टडी प्लान बनाएं। जेईई मेन और जेईई एडवांस दोनों के सिलेबस लगभग समान होते हैं।

सेट करें वीकली और डेली टारगेट

स्टडी के लिए न्यूनतम घंटे तय करें। इसके साथ ही डेली या वीकली टारगेट सेट करें।

एनसीईआरटी की लें मदद

बेसिक तैयारी के लिए एनसीईआरटी बुक्स बहुत अच्छी मानी जाती हैं। इस कारण 11वीं से ही इन बुक्स से तैयारी करें।

क्लियर करें कॉन्सेप्ट

जेईई परीक्षा में आपके बेसिक्स की जांच होती है। पहले बेसिक कॉन्सेप्ट को समझें और इसके लिए थ्योरी पार्ट को पढ़ें।

स्मार्ट स्टडी

हार्ड वर्क के साथ ही स्मार्ट वर्क करें। इसके लिए नोट्स बनाएं, इंपॉर्टेंट प्वाइंट्स, फॉर्मूला, शॉर्टकट, रिएक्शन आदि के साथ स्मार्ट स्टडी करें।

मॉक टेस्ट पेपर

अपनी स्पीड, लर्निंग एक्यूरेसी और टाइम मैनेजमेंट स्किल को परखने के लिए ऑनलाइन मॉक टेस्ट पेपर सॉल्व करें।

कर सकते हैं कोचिंग

टफ और डाउट वाले प्रश्नों को आसानी से समझने के लिए आप कोचिंग भी ज्वॉइन कर सकते हैं।

12वीं में पीसीएम लेने के मतलब सिर्फ इंजीनियर बनना ही नहीं

छात्रों के बीच एक आम धारणा है कि 12वीं में मैथ्य लेने का मतलब है इंजीनियरिंग करना और साइंस लेने का मतलब है डॉक्टर बनना, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर बच्चा सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना चाहता है। कई बच्चे ऐसे भी हैं जो अलग फील्ड में जाना चाहते हैं।

बन सकते हैं पायलेट

अगर आप बचपन से उड़ते हुए प्लेन को देख कर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं और इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आप पायलट पाठ्यक्रम भी चुन सकते है। इसका कोर्स प्राइवेट कॉलेज भी करवाते है। हवाई यात्रा सस्ती होने के साथ, विमान उद्योग तेज गति उन्नति कर रहा है और वाणिज्यिक पायलटों की आवश्यकता भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। यदि आप आकाश में उड़ना चाहते हैं और पायलट बनना कहते है तो यह कोर्स आपके लिए परफेक्ट है।

मर्चेंट नेवी

यह कोर्स आज के समय में बेहतर ऑप्शंस है। इसमें आप मरीन इंजीनियरिंग, नॉटिकल साइंस, शिप मेंटेनेंस आदि कोर्स कर सकते हैं। यह देश में सबसे अधिक सैलरी देने वाले कोर्सेज में से एक है। इसमें आपको कई देशों का सफर करने का मौका मिलता है तथा देश की सेवा करने का भी मौका मिलता है। काफी युवा छात्र मर्चेंट नेवी को अपना करियर बनाते है यह छात्रों की एक मनपसंद फील्ड है।

एनीमेशन का फील्ड

अगर आप क्रिएटिव हैं तो एनीमेशन के फील्ड में जा सकते हैं। 12वीं के बाद एनीमेशन की फील्ड में करियर बनाने का सपना काफी छात्रों का होता है। एनीमेशन की फील्ड काफी ज्यादा क्रिएटिव और मनोरंजक फील्ड है। इसमें छात्रों को कुछ नया करने को मिलता है। आज कल के समय में एनिमेटेड मूवीज, कार्टून्स काफी ज्यादा लोकप्रिय है ऐसे में एनीमेशन की फील्ड में बहुत कुछ कर दिखने का मौका है। कुछ साल पहले तक, केवल निजी संस्थान थे जो एनीमेशन के लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करते थे, परन्तु अब काफी इंस्टीटूट्स खुल गए है जो एनीमेशन का कोर्स करवाते है तथा नौकरी भी दिलाते है।

वीडियो गेम

कोरोना के बाद वीडियो गेम उद्योग बूस्ट पर चल रहा है। भारत में आज कई इंटरनेशन व नेशनल कंपनियां इस फील्ड में काम कर रही हैं। इस फील्ड में आपको कंप्यूटर लैंग्वेज पढ़ाई जाएगी और ग्राफिक डिजाइनिंग के बारे सिखाया जाता है। इस फील्ड में भी बहुत ज्यादा क्रिएटिविटी की जरुरत है। इस फील्ड में वेतन भी बहुत अच्छा है तथा भविष्य भी बहुत बढ़िया है।

एप डेवलपर

इस समय डिजिटल दुनिया में सब कुछ ऑनलाइन होता जा रहा है ऐसे में एप डेवलपर का भविष्य बहुत ही अच्छा है। आप एप डेवलपिंग का कोर्स ज्वाइन कर के अपना करियर इस फील्ड में बना सकते है। इसमें वेतन भी बहुत ज्यादा मिलता है। आजकल सभी लोग अपना व्यवसाय ऑनलाइन करते जा रहे है ऐसे में सभी अपना एप बनवाते है और अपने बिजनेस को या प्रोडक्ट तो प्रमोट करते है इसलिए यह भी एक बहुत अच्छा करियर ऑप्शन है।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

आज के समय में यहां सैकड़ों आईटी फर्म हैं और दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। और ये आईटी फर्म एक बढ़िया 7 फिगर सैलरी देती है अपने सॉफ्टवेयर डेवलपर को। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल ये सभी कम्पनीज सॉफ्टवेयर डेवलपर हायर करती है और अच्छा वेतन देती है। आजकल तो सभी बैंक्स भी ऑनलाइन हो गए है और लगभग सभी ऑफिसेस भी अपना सॉफ्टवेयर डेवेलप करवाते है। ऐसे में ये एक ऐसा करियर है जिसमे कभी पीछे नहीं मुड़ना पड़ेगा। सभी आईटी फर्म्स सॉफ्टवेयर डेवलपर को रखती है और अच्छा वेतन देती है।

बीसीए भी है ऑप्शन

अगर आप 12 वीं के बाद करियर ऑप्शन देख रहे हैं तो आपके लिए बीसीए एक बढ़िया करियर ऑप्शन हो सकता है। अगर आपको कंप्यूटर में इंटरेस्ट है तो बीसीए आपके लिए बढ़िया चुनाव रहेगा। बीसीए करने के बाद आप किसी अच्छी आईटी कंपनी में जॉब कर सकते है और अगर आप बीसीए के बाद पोस्ट ग्रेजुएट एमसीए भी कर लेंगे तो कंप्यूटर की फील्ड में एक अच्छा करियर बना सकते है तथा उच्च वेतन की नौकरी भी मिल सकती है।

आप पेंटिंग या ड्राइंग के साथ अपना स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। पेंटिंग डिपार्टमेंट से आप म्यूरल के लिए भी जा सकते हैं।

पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में बनाएं करियर

बदलते समय के साथ लोगों की सोच भी बदल रही है, खास कर ऐसे माता- पिता की जो अपने बच्चों पर बचपन से ही डॉक्टर-इंजीनियर बनने का दबाव डालते और इसे ही करियर के लिए सबसे बेहतर मानते थे। आज के समय में करियर के कई विकल्प खुल गए हैं। अब सिर्फ कॉमर्स या साइंस जैसे स्ट्रीम ही करियर की संभावना नहीं रह गया है। यही कारण है की मां-बाप अपने बच्चों को पसंद के अनुसार अपना करियर बनाने का मौका दे रहे हैं। इस समय फैशन एक ऐसा क्षेत्र है जो युवाओं को खुलकर जीने का मौका दे रहा है, जिससे आज युवा बैचलर ऑफ फाइन आर्ट की तरफ आकर्षित हो रहे हैं और पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में अपनी प्रतिभा निखारने के साथ अपना करियर बना रहे हैं।

क्या है बैचलर ऑफ फाइन आर्ट

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का स्वरूप बहुत बड़ा है। इसमें छात्रों को नृत्य, चित्र, फोटोग्राफी, फिल्म, वास्तुकला, आदि की शिक्षा दी जाती है। यह कोर्स आप 12वीं के बाद कर सकते हैं, ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों में बीएफए चार सालों का कोर्स होता है। शुरूआती सालों में आपको विजुअल आर्ट के सभी विषयों की जानकारी दी जाती है लेकिन अंतिम साल में आपको स्पेशलाइजेशन के रूप में एक विषय चुनना होता है।

जरूरी स्किल

अगर आप इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते है तो आपको कला की अच्छी समझ होनीं चाहिए। इसके लिए आपमें कल्पनाशीलता और क्रिएटिविटी जैसी स्किल की बेसिक जानकारी जरूरी है। इसके अलावा थिंकिंग पावर और ड्राइंग, पेंटिंग, स्कैचिंग की अच्छी समझ होना जरूरी है। वहीं इस फील्ड के लिए आप नए- नए एक्सपेरिमेंट करते रहना जरूरी है, जिससे आपकी कला का और विकास हो सके। एक पेंटर के रूप में, एक उम्मीदवार विभिन्न कलाकृतियां बना सकता है जैसे कि वाटर कलर पेंटिंग, ऑइल पेंटिंग, इंक वॉश पेंटिंग, ऐक्रेलिक पेंटिंग, पेस्टल कलर पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग, एनकॉस्टिक पेंटिंग आदि। एक पेंटर आमतौर पर स्वतंत्र रूप से काम करता है या उसका प्रदर्शन करता है।

करियर

यह एक ऐसा सेक्टर है जहां पर छात्रों को बीएफए कोर्स करने के बाद आसानी से जॉब मिल जाती है। आज कल बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स में काफी बच्चों को दिलचस्पी होती है। बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स एडवरटाइजिंग कम्पनीज, आर्ट स्टूडियोज, बाउटिकेस आदि जगहों पर जॉब कर सकते हैं। आज के समय में बैचलर ऑफ फाइन आर्टस का क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं अच्छी पेंटिग्स भी लाखों- करोड़ो रुपए में बिक रही हैं, जिससे कलाकारों को उसका पूरा फायदा भी मिल रहा है। अगर आप चाहें तो आप इसमें एमए करके रिसर्च के लिए जा सकते हैं और इसके बाद आप किसी प्राइवेट संस्थान या किसी सरकारी कॉलेज में पढ़ा सकते हैं। वैसे तो कोर्स पूरा होने के पहले ही अगर आपने मेहनत की तो आपको सफलता मिलनी शुरू हो जाती है, ज्यादातर को प्राइवेट संस्थानों में, घरों और ऑफिसों, सरकार की तरफ से दीवारों को सजाने या उनपर पेंट, पोर्ट्रेट बनाने जैसे काम मिलने शुरू हो जाते हैं। फ्रीलांस आर्टिस्ट के तौर पर भी आप कार्य कर सकते हैं।

क्या होती है जॉब प्रोफाइल

एक पेंटर बनने के लिए आपको बीए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, बीएफए पेंटिंग, बीए इन पेंटिंग, बीए इन विजुअल आर्ट्स, बीएफए एप्लाइड आर्ट्स, एमएफए, एमए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, डिप्लोमा इन पेंटिंग का कोर्स करना पड़ेगा। जिसके बाद आप पेंटर, क्राफ्ट आर्टिस्ट, विजुअलाइजेशन प्रोफेशनल, इलेस्ट्रेटर, डिजिटल डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, आर्ट प्रोफेशनल, आर्ट डायरेक्टर, आर्ट कंजरवेटरआर्ट, डनेपनउ, आर्ट रेस्टोरेशन स्पेसलिस्ट, मुरलिस्ट पेंटर, कॉमिक आर्टिस्ट, एंटीरियर डिजाइनर से जॉब प्रोफाइल पर कार्य कर सकते हैं।

जो किसी ने नहीं बताया वो यूट्यूब से सीखा...

मिला ऐसा आइडिया कि अब करोड़ों का कारोबार, जानें पूरी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान के लेखराम यादव ने ऑर्गेनिक फार्मिंग के प्रति अपने जुनून को 17 करोड़ रुपये के सफल व्यवसाय में बदल दिया है। उन्होंने पांच साल पहले 120 एकड़ जमीन से शुरुआत की थी। अब वह 550 एकड़ में जैविक फसलें, मसाले, सब्जियां और फल उगाते हैं। वह खेती में ताराचंद बेलजी तकनीक और वृक्षायुर्वेद जैसी आधुनिक विधियों का इस्तेमाल करते हैं। 34 साल के लेखराम यादव कोटपुतली के रहने वाले हैं। उन्होंने अहसास किया कि ऑर्गेनिक फार्मिंग से उनकी आजीविका पर कितना अच्छा प्रभाव पड़ा है। उन्होंने आर्गेनिक फार्मिंग के साथ डेयरी और कृषि पर्यटन को मिलाकर कमाई का मॉडल बनाया है। आइए, यहां लेखराम यादव की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

बायोटेक्नोलॉजी में पोस्ट ग्रेजुएट - एक साधारण किसान परिवार में जन्मे लेखराम ने सिर्फ पांच साल पहले 120 एकड़ जमीन से शुरुआत की थी। अब उन्होंने राजस्थान के तीन जिलों- जयपुर, नागौर, जैसलमेर और गुजरात के बोटाद में 550 एकड़ से अधिक में अपना जैविक फार्म फैला लिया है। आज उनका फार्म भारत में ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए एक मिसाल बन गया है। लेखराम यादव ने बायोटेक्नोलॉजी में पोस्ट ग्रेजुएशन किया है। उन्होंने डीएनए फिंगरप्रिंटिंग और जीएमओ टेस्टिंग में विशेषज्ञता वाली एक एनएबीएल-मान्यता प्राप्त लैब में तकनीकी प्रबंधक के रूप में काम किया। लेकिन, तेज शहरी जिंदगी और बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं ने उन्हें अपनी महत्वाकांक्षाओं और उद्देश्य पर फिर से सोचने के लिए मजबूर किया। वह प्रकृति और मानव समाज में योगदान करना चाहते थे। उन्होंने फैसला किया कि इस बदलाव को करने का यह सबसे अच्छा समय है।

यूट्यूब को बनाया गुरु- खूब रिसर्च, गहरी चिंतन और कई घंटों की चर्चा के बाद लेखराम यादव ने जैविक खेती को जीवन के एक तरीके के रूप में अपनाया। लेखराम ने 2013 में 120 एकड़ भूमि पर जैविक खेती के अपने सपने को साकार करना शुरू किया। किसी भी यात्रा की तरह उनकी यात्रा में भी चुनौतियां थीं। एलोवेरा की खेती के साथ उनके शुरुआती प्रयोग में उन्हें काफी नुकसान हुआ। लेकिन, हार मानने के बजाय उन्होंने गहन शोध करके, सेमिनार में भाग लेकर और विशेषज्ञों और यूट्यूब ट्यूटोरियल से मार्गदर्शन हासिल कर जैविक खेती की बारीकियों को समझने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। उन्होंने यूट्यूब को गुरु बना लिया। यूट्यूब वीडियो से जमकर सीखा।

तकनीकों का किया इस्तेमाल

लेखराम की यात्रा में एक बड़ा मोड़ तब आया जब उन्होंने ताराचंद बेलजी तकनीक के बारे में जाना। ऊर्जा विज्ञान पर आधारित यह तकनीक नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके पौधों के स्वास्थ्य को बढ़ाने पर फोकस करती है। इससे पौधे स्वाभाविक रूप से पनपते हैं। लेखराम ने अपने फार्म पर टीसीबीटी को लागू किया और आश्चर्यजनक परिणाम देखे। इसकी सफलता से उत्साहित होकर उन्होंने इसका उपयोग अपने सभी फार्मों में कर दिया। उन्होंने वृक्षायुर्वेद के सिद्धांतों को भी शामिल किया। यह एक पारंपरिक भारतीय कृषि विज्ञान है जो बेहतर पौधे के विकास को बढ़ावा देने के लिए जैव रसायन और भस्म (राख) रसायन विज्ञान का उपयोग करता है।

अब करोड़ों का टर्नओवर

लेखराम ने डेयरी फार्मिंग में भी कदम रखा है। उन्होंने साहीवाल गायों को पाला है जो जैविक दूध, घी और पनीर का उत्पादन करती हैं। उनकी ए2 दूध उत्पादन के लिए प्रमाणित है। इसके अलावा उन्होंने 22 एकड़ में 56 भोग वाटिका परियोजना विकसित की है। लेखराम ने कृषि पर्यटन को अपनाया है। वह मेहमानों को जैविक खेती का सही मायने में अनुभव कराने के लिए आमंत्रित करते हैं। यह परियोजना राजस्थान के कृषि पर्यटन विभाग के साथ भी पंजीकृत है। लेखराम की कंपनी यूबी ऑर्गेनिक इंडिया अनाज, मसाले, सब्जियां, फल और डेयरी उत्पाद बेचती है। यह 17 करोड़ रुपये से अधिक का वार्षिक कारोबार हासिल करने में कामयाब हुई है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.56 अरब बढ़कर 677.83 अरब डॉलर पर पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान 1.567 अरब डॉलर बढ़कर 677.835 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह लगातार छठा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। 4 अप्रैल को समाप्त पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 10.872 अरब डॉलर बढ़कर 676.268 अरब डॉलर हो गया था।

सितंबर 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 11 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 892 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 574.98 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

डॉलर के संदर्भ में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने बताया कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 638 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 79.997 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। शीर्ष बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 60 लाख डॉलर घटकर 18.356 अरब डॉलर रह गए।

शीर्ष बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के पास भारत की आरक्षित स्थिति 43 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 4.502 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

इंफोसिस ने सीईओ सलिल पारेख के लिए 51 करोड़ रुपये की स्टॉक विकल्प योजना की मंजूरी दी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस के बोर्ड ने सीईओ और एमडी सलिल पारेख को 51 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का स्टॉक प्रोत्साहन या कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) देने को मंजूरी दे दी है।

ये स्टॉक प्रोत्साहन ईएसजी और इक्विटी सहित विभिन्न मदों के तहत हैं, और इनकी कुल राशि 51 करोड़ रुपये से अधिक है। एक दस्तावेज में कंपनी ने कहा है कि बोर्ड

ने नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिशों के आधार पर शेयरधारकों की मंजूरी के बाद पारेख के लिए इस वार्षिक अनुदान को मंजूरी दे दी है।

कंपनी के अनुसार इस अनुदान में प्रतिबंधित स्टॉक इकाइयां (आरएसयू) के रूप में वार्षिक प्रदर्शन-आधारित स्टॉक प्रोत्साहन (वार्षिक प्रदर्शन इक्विटी अनुदान) भी शामिल है। 2015 की स्टॉक प्रोत्साहन मुआवजा योजना में अनुदान की तिथि तक 34.75 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाले कंपनी के इक्विटी शेयर शामिल हैं। इंफोसिस ने कहा कि पारेख को यह अनुदान घोषणा की तारीख से 12 महीने के भीतर दिया जाएगा, बशर्ते कि कंपनी बोर्ड की ओर से प्रदर्शन के लिए निर्धारित लक्ष्यों हासिल कर ले। कंपनी ने गुरुवार को बीएसई को दी गई सूचना में बताया कि ईएसओपी 2 मई, 2025 से प्रदान किए जाएंगे और आरएसयू की संख्या की गणना 2 मई, 2025 को कारोबार बंद होने के समय के बाजार मूल्य के आधार पर की जाएगी। कंपनी ने इस दौरान चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 25 का स्कोरकार्ड जारी किया।

दो और स्वतंत्र निदेशकों का इस्तीफा, सह-संस्थापकों के खिलाफ सेबी की कार्रवाई शुरू होने के बाद फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी। संकटग्रस्त कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग के दो स्वतंत्र निदेशकों ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी के संस्थापक और उनके भाई के खिलाफ सेबी की कार्रवाई के बाद कंपनी से अब तक तीन लोग बाहर हो चुके हैं। नियामकों ने कंपनी के सह-संस्थापकों पर धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। कंपनी पर आरोप है कि उसने अपनी इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़ी अपनी एक सहयोगी कंपनी के लिए निर्धारित धन का इस्तेमाल एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदने के लिए किया।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच सोने का आयात 192 प्रतिशत बढ़ा

सुरक्षित निवेश के लिहाज से निवेशकों का भरोसा मजबूत

नईदिल्ली, एजेंसी। टैरिफ वार के कारण दुनियाभर में उपजी वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश का सोना आयात मार्च, 2025 में 192.13 फीसदी की भारी बढ़ोतरी के साथ 4.47 अरब डॉलर पहुंच गया। चालू खाता घाटे पर असर डालने वाले सोना के आयात में फरवरी, 2025 में करीब 62 फीसदी की गिरावट आई थी, जबकि जनवरी में इसमें 40.8 फीसदी और दिसंबर, 2024 में 55.39 फीसदी का उछाल देखने को मिला था। हालांकि, मार्च में चांदी का आयात 85.4 फीसदी घटकर 11.93 करोड़ डॉलर रह गया।

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष 2024-25 में सोने का आयात 27.27 फीसदी बढ़कर 58 अरब डॉलर पहुंच गया, जो 2023-24 में 45.54 अरब डॉलर रहा था। देश के कुल आयात में सोने की हिस्सेदारी 8 फीसदी है। बीते वित्त वर्ष में चांदी का आयात 11.24 फीसदी घटकर 4.82 अरब डॉलर रह गया।

कीमतों में लगातार उछाल के बावजूद बहुमूल्य धातु के आयात में वृद्धि से संकेत मिलता है कि निवेशकों का सोने पर भरोसा मजबूत बना हुआ है, क्योंकि यह निवेश का एक सुरक्षित साधन है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और कईदेशों में तनाव के बीच सोने की ओर एसेट डायवर्सिफिकेशन, केंद्रीय बैंकों के बीच बढ़ती मांग और कीमतों में उछाल भी आयात वृद्धि के कारक हो सकते हैं।

स्विट्जरलैंड आयात का सबसे बड़ा स्रोत

करीब 40 फीसदी हिस्सेदारी के साथ स्विट्जरलैंड भारत के लिए सोना आयात का सबसे बड़ा स्रोत है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) 16 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी के साथ दूसरा और दक्षिण अफ्रीका करीब 10 फीसदी के साथ तीसरा सबसे बड़ा आयात स्रोत है।

इस साल 18,780 रुपये बढ़ी कीमत

सोने की कीमतों में इस साल अब तक 18,780 रुपये या 23.65 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। एक जनवरी, 2025 को यह 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ था, जबकि 17 अप्रैल को बढ़कर 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया।

अधिक खरीदी से व्यापार घाटा बढ़ा

सोना आयात में उछाल से देश का व्यापार घाटा (आयात व निर्यात के बीच अंतर) मार्च में बढ़कर 21.54 अरब डॉलर पहुंच गया। बीते वित्त वर्ष 2024-25 में यह 282.82 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। देश का विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) भंडार 11 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 1.57 अरब डॉलर बढ़कर 677.83 अरब डॉलर पहुंच गया।यह भंडार में लगातार छठे सप्ताह तेजी है।आरबीआई के मुताबिक, विदेशी मुद्रा संपत्ति 89.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 574.9 अरब डॉलर पहुंच गई।

भारत के लिए उल्टा पड़ गया चीन का घटिया माल रोकने का दांव !

इससे ग्राहक तो बच गए लेकिन इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री की मुश्किल बढ़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने चीन से आ रहे घटिया सामान और सस्ते आयात से ग्राहकों को बचाने के लिए कदम उठाया है। लेकिन इससे एक दिक्कत हो गई है। सरकार के इस कदम से इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सरकार ने एल्युमीनियम, स्टील और तांबे जैसी चीजों पर क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर लागू कर दिया है। इससे ऑटोमोबाइल और बिजली के उपकरण बनाने वाली कंपनियों को भी दिक्कत हो रही है। कुछ खास तरह की धातुओं और प्लास्टिक पर भी क्यूसीओ लागू हो गया है। इनका इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने में होता है। इससे कंपनियों की परेशानी बढ़ गई है। उनका कहना है कि इससे भारत दूसरे देशों के मुकाबले पिछड़ सकता है।

इकनॉमिक टाइम्स की एक खबर के मुताबिक एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक कंपनी के अधिकारी ने कहा कि सामान दुनिया भर से आता है, जिसमें चीन, जापान, दक्षिण कोरिया शामिल हैं। जब तांबा या एल्युमीनियम जैसी चीजों पर क्यूसीओ लागू होता है, तो इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर को भी नुकसान होता है। इससे सामान मिलने में दिक्कत होती है। कंपनियों का कहना है कि इलेक्ट्रॉनिक सामान पहले से ही अनिवार्य पंजीकरण आदेश स्कीम ढ्ढ के तहत आते हैं। उनकी जांच और सर्टिफिकेशन होता है। इसलिए, इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले सामान को क्यूसीओ से छूट मिलनी चाहिए।

क्या है परेशानी

इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन ने भी सरकार को लिखा है कि क्यूसीओ लागू होने से सामान मिलना बंद हो सकता है और उत्पादन रुक सकता है। उसका कहना है कि सरकार के कदम से सप्लाई चेन बिगड़ जाएगी, उत्पादन लक्ष्य पूरा नहीं हो पाएगा और भारत में बने सामान को ग्लोबल वैल्यू चेन में शामिल करने में दिक्कत होगी। आइसीईए ने इलेक्ट्रॉनिक सामान के लिए छूट मांगी है। इंडस्ट्री के एक अधिकारी ने यह भी कहा कि इन चीजों का आयात खास मकसद के लिए होता है और इनकी मात्रा उन चीजों के मुकाबले बहुत कम होती है, जिन पर क्यूसीओ लागू है।

सप्लाई चेन की दिक्कत

इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री का कहना है कि क्यूसीओ उन चीजों के लिए जरूरी है जिनका इस्तेमाल ज्यादा होता है और जिनमें ज्यादा रिफाइनमेंट की जरूरत नहीं होती। इनमें एल्युमीनियम और स्टील शामिल है। इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने के लिए बहुत अच्छी क्वालिटी के कच्चे माल की जरूरत होती है। ये चीजें खास होती हैं और तकनीकी रूप से जटिल होती हैं। भारत में अभी ऐसी चीजों की भरोसेमंद सप्लाई नहीं है।

दरअसल, क्यूसीओ भारत में इसलिए जरूरी हो गया है क्योंकि चीन और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर तनाव चल रहा है। भारत को डर है कि कहीं चीन अपना सस्ता सामान भारत में न भेज दे। एक और अधिकारी ने बताया कि क्यूसीओ के दायरे में आने वाली कई चीजें मोबाइल फोन और दूसरे गैजेट बनाने के लिए बहुत जरूरी हैं। ये गैजेट भारत में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (ढ्ढ) स्कीम के तहत बन रहे हैं। उन्होंने कहाकि इन चीजों को अच्छी क्वालिटी के लिए आयात करना पड़ता है। ये भारत में बनने वाले सामान की क्वालिटी बनाए रखने के लिए जरूरी हैं।

साइबर ठग कुछ अलग तरीके से कर रहे हैं ठगी

वे धार्मिक पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को निशाना बना रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के रहने वाले निशिकांत की बहुत दिनों से इच्छा थी कि साथ्य के तिरुपति बालाजी का दर्शन करें। कभी कामकाज से फुर्सत मिली तो पैसे नहीं होते थे। एक बार ऐसा हुआ कि पैसे का भी इंतजाम हो गया और कामकाज से फुर्सत भी मिल गई। वह अपने स्मार्टफोन पर इस बारे में सर्च करते रहते थे। एक दिन ऐसे ही एक जगह बेहद सस्ते में ऑनलाइन पैकेज टूर का विज्ञापन दिखा। आनन-फानन में उसे खरीद लिया गया, एडवांस में पेमेंट करके। इसमें पूरे परिवार के लिए पटना से तिरुपति तक जाने और आने का फ्लाइट टिकट, वहां होटल में ठहरने की व्यवस्था, घूमने के लिए गाड़ी, मंदिर में दर्शन की व्यवस्था और खाने-पीने का इंतजाम शामिल था। लेकिन उनकी इस योजना पर तब तुषारापात हुआ, जब वह एयरपोर्ट पहुंचे।

क्या हुआ निशिकांत के साथ- निशिकांत जब एयरपोर्ट पहुंचे तो वहां चेक इन काउंटर पर उनसे फ्लाइट का टिकट मांगा गया। उन्हें जो टिकट भेजा गया था, उसे काउंटर पर दिखाया तो वह फर्जी निकला। फिर वापसी के टिकट को चेक किया गया तो वह भी फर्जी निकला। वह वहीं माथा पकड़ कर बैठ गए। उन्हें पता चल गया कि उनके साथ ऑनलाइन ठगी हुई है। उनके हजारों रुपये डूब गए। बीवी-बच्चों के साथ एयरपोर्ट पर असुविधा हुई सो अलग।

कैसे पता चलता है ठगी का- अक्सर लोग पेमेंट करने के बाद ठगी का शिकार होते हैं। जब वह फुल पेमेंट कर देते हैं और उन्हें कोई कन्फर्मेशन नहीं मिलता तो उन्हें शक होता है। फिर जब सर्विस नहीं मिलती और संपर्क नंबर भी बंद हो जाता है, तब उन्हें पता चलता है कि उनके साथ धोखा हुआ है। कभी कभी तो ठग लोगों को फर्जी फ्लाइट टिकट और होटल का रिजर्वेशन भी भेज देते हैं। वह सबकुछ फर्जीवाड़ा ही होता है।

केंद्र सरकार ने किया है अलर्ट

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन काम करने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने लोगों को ऑनलाइन बुकिंग में होने वाली धोखाधड़ी से सावधान रहने के लिए कहा है। यह धोखाधड़ी खासकर धार्मिक यात्राओं और पर्यटकों को निशाना बना रही है। केंद्र का कहना है कि ठगी करने वाले लोग नकली वेबसाइट, सोशल मीडिया पेज, फेसबुक पोस्ट और गूगल जैसे सर्च इंजन पर विज्ञापन देकर लोगों को फंसा रहे हैं। वे केदारनाथ के लिए हेलीकॉप्टर बुकिंग, चार धाम यात्रा, तिरुपति दर्शन पैकेज, गेस्ट हाउस और होटल बुकिंग, ऑनलाइन टैक्सी बुकिंग और धार्मिक टूर पैकेज जैसे कई तरह के ऑफर देते हैं।

धोनी, अशनीर, दीपिका, बजाज... ब्लूस्मार्ट में बड़े-बड़े स्मार्ट निवेशकों का पैसा डूबने के कगार पर

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक कैब सर्विस देने वाली कंपनी ब्लूस्मार्ट मुश्किल में है। लोन फर्जीवाड़ा केस में सेबी के एक्शन के बाद ब्लूस्मार्ट ने अपनी सेवाओं को बंद कर दी हैं। सेबी ने ग्रीन एनर्जी बिजनस से जुड़ी कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग के खिलाफ फॉरेंसिक जांच के आदेश दिए हैं और इसके प्रमोटर्स भाइयों अनमोल जग्गी और पुनीत जग्गी को शेयर बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। उन पर कंपनी फंड में गड़बड़ी करने का आरोप है। उन्होंने कंपनी को कार खरीदने के लिए मिले पैसों से गुरुग्राम में एक लग्जरी अपार्टमेंट और महंगे गोल्फ उपकरण खरीदे। गोल्फ उपकरण 26 लाख रुपये के थे। जेनसोल इंजीनियरिंग ब्लूस्मार्ट को इलेक्ट्रिक गाड़ियां लीज पर देती थी। दोनों कंपनियों के बीच वित्तीय संबंध थे।

मनी कंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक बेंगलुरु की कंपनी ब्लूस्मार्ट ने निवेशकों से 4,100 करोड़ रुपये जुटाए थे। इसमें कई मशहूर हस्तियों ने निवेश किया है। इनमें टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, जाने-माने बिजनसमैन संजीव बजाज और भारतपे के

को-फाउंडर अशनीर ग्रोवर शामिल हैं। दीपिका पादुकोण कंपनी की शुरुआती निवेशकों में से एक थीं। उनके परिवार के ऑफिस ने साल 2019 में इस कंपनी में 30 लाख डॉलर का निवेश किया था। यह एक एंजेल फंडिंग राउंड था।

किस-किसका निवेश

उसी राउंड में बजाज कैपिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव बजाज ने भी 30 लाख डॉलर का निवेश किया था। साथ ही ब्लूस्मार्ट में जीत एंजेल नेटवर्क और रजत गुप्ता ने भी निवेश किया था। पिछले साल कंपनी ने प्री-सीरीज ब्रिज फंडिंग में 24 मिलियन डॉलर जुटाए थे। इसमें धोनी के परिवार के ऑफिस, रीनी2 पावर के सुमंत सिन्हा और एक स्विस एसेट मैनेजमेंट फर्म ने भाग लिया था। जेनसल ने साथ ही इरेडा और पीएफसी से 2021 और 2024 के बीच 978 करोड़ रुपये का लोन लिया था। इसका ज्यादातर हिस्सा 6,400 इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने के लिए था।

प्राइवेट सर्किल के आंकड़ों के अनुसार जग्गी ब्रदर्स के पास ब्लूस्मार्ट में करीब 33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसी तरह सीरीज ए राउंड में निवेशक बीपी वेंचर्स के पास कंपनी में 14.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हालांकि ब्लूस्मार्ट जेनसोल इंजीनियरिंग की औपचारिक सहायक कंपनी नहीं है। लेकिन सेबी की जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों कंपनियों के बीच गहरे वित्तीय संबंध हैं। जेनसोल और ब्लूस्मार्ट की सहायक कंपनियों के बीच 148 करोड़ रुपये से ज्यादा का लेन-देन हुआ। इससे साफ है कि दोनों के बीच कितने मजबूत संबंध हैं।

‘केसरी चैप्टर 2’ सिर्फ फिल्म नहीं, एक अधूरा हिसाब और इंसाफ है: अक्षय कुमार

देश के इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक जालियांवाला बाग हत्याकांड पर बनी फिल्म ‘केसरी चैप्टर 2’ शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में वकील सी. शंकरन नायर की भूमिका निभा रहे अभिनेता अक्षय कुमार ने एक पोस्ट में बताया कि ‘केसरी चैप्टर 2’ सिर्फ फिल्म नहीं, यह एक अधूरा हिसाब और इंसाफ है। इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़ी कुछ तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेता ने बताया कि ‘केसरी चैप्टर 2’ की कहानी एक तूफान है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, कहानियां बहुत सुनी होंगी आपने, पर यह एक तूफान है। सी. शंकरन नायर की इस कहानी ने मुझे झकझोर दिया क्योंकि हम नहीं जानते थे कि जलियांवाला बाग नरसंहार के बाद किसी एक व्यक्ति ने पूरे ब्रिटिश अंपायर को अदालत में घसीट कर घुटनों पर ला दिया था। अभिनेता ने बताया कि वह केसरी चैप्टर 2 सिर्फ एक कलाकार की हैसियत से नहीं, बल्कि एक भारतीय की हैसियत से कर रहे हैं। अभिनेता ने आगे बताया, मैं ‘केसरी चैप्टर 2’ सिर्फ एक कलाकार की हैसियत से नहीं, बल्कि एक भारतीय के तौर पर कर रहा हूं। यह सिर्फ एक फिल्म नहींज्यह एक अधूरा हिसाब है, यह एक दर्दनाक याद है और आखिरकार हमें मिला इंसाफ है। 13 अप्रैल 1919 में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड पर बनी फिल्म में अक्षय कुमार सी. शंकरन नायर की भूमिका में हैं, जो कोर्ट रूम में जलियांवाला का सच दुनिया के सामने लाने और ब्रिटिश राज के खिलाफ दहाड़ते नजर आएंगे। वहीं, आर माधवन वकील नविल मेककिनले के किरदार में हैं, जो ब्रिटिश राज की ओर से कोर्ट में अक्षय का सामना करते हैं। अनन्या पांडे अपने करियर में निभाए गए अब तक निभाए किरदार से अलग नजर आएंगी। वह पहली बार पर्दे पर इस तरह की गंभीर भूमिका में दिखेंगी। ‘केसरी 2’ में अनन्या पांडे वकील दिलरीत गिल के किरदार में हैं। फिल्म को सेंसर बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दिया है, जिसका मतलब है कि फिल्म में ऐसे दृश्य हैं, जो केवल 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के दर्शकों के देखने के लिए ही सही माने गए हैं। जानकारी के अनुसार, बोर्ड ने फिल्म के कुछ दृश्यों में भी बदलाव किए। फिल्म की कुल लंबाई 2 घंटे, 16 मिनट है। करण सिंह त्यागी के निर्देशन में बनी ‘केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस, केप ऑफ गुड फिल्म्स और लियो मीडिया ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार, अभिनेता आर. माधवन, अनन्या पांडे के साथ रेजिना कैसेंड्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। 18 अप्रैल को रिलीज हुई फिल्म को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। किसी ने फिल्म को शानदार तो किसी ने बेहतरीन बताया है।

जाति विशेष पर टिप्पणी कर बुरे फंसे अनुराग कश्यप, वकील ने की शिकायत

फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। इस बार मामला जाति विशेष को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर उनकी कथित टिप्पणी के खिलाफ अब कानूनी कार्रवाई की मांग की जा रही है। वकील आशुतोष दुबे ने इस संबंध में मुंबई पुलिस आयुक्त को एक पत्र लिखकर अनुराग कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। दुबे का कहना है कि अनुराग कश्यप की टिप्पणी अपमानजनक, भड़काऊ और समाज में नफरत फैलाने वाली है, जिसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जा सकता। शिकायत के अनुसार, अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर ब्राह्मणों को लेकर अभद्र टिप्पणी की। अधिवक्ता दुबे का कहना है कि यह बयान न केवल अभद्र और आपत्तिजनक है, बल्कि यह एक विशेष समुदाय के प्रति नफरत और द्वेष को भड़काने वाला है।

दुबे का आरोप है कि कश्यप की यह टिप्पणी भारतीय संविधान की मूल भावना का उल्लंघन करती है और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आती है। उन्होंने कहा कि एक सार्वजनिक व्यक्ति होने के नाते अनुराग कश्यप की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह अपने शब्दों से सामाजिक समरसता बनाए रखें, न कि किसी समुदाय को लक्षित कर अपमानित करें। दुबे ने मुंबई पुलिस से अनुरोध किया है कि इस कथित घृणास्पद टिप्पणी का त्वरित संज्ञान लिया जाए और बीएनएस की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की जाए। साथ ही, मामले की गहराई से जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। फिलहाल इस पूरे मामले पर अनुराग कश्यप की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह पहली बार नहीं है जब अनुराग कश्यप अपने बयानों को लेकर विवादों में आए हैं। वे इससे पहले भी राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी बेबाक राय के चलते आलोचना का शिकार हो चुके हैं।

रितेश देशमुख ने अगली निर्देशित फिल्म राजा शिवाजी के लिए लोगो फॉन्ट डिजाइन करने के लिए कलाकारों को किया आमंत्रित

बॉलीवुड के मानदंडों को तोड़ते हुए एक नए कदम के तहत अभिनेता, निर्माता और निर्देशक रितेश देशमुख अपनी आगामी फिल्म राजा शिवाजी में एक महत्वपूर्ण रचनात्मक निर्णय के लिए लोगों की ओर रुख कर रहे हैं। मुंबई फिल्म कंपनी ने जियो स्टूडियोज के साथ मिलकर फिल्म के आधिकारिक लोगो में इस्तेमाल किए जाने वाले फॉन्ट को डिजाइन करने के लिए कलाकारों को आमंत्रित करने के लिए घोषणा की है। यह दुनिया भर के डिजाइनर्स , टाइपोग्राफर्स और उत्साही लोगों के लिए भारत के इतिहास और गौरव को दर्शाने वाली फिल्म में योगदान देने का एक अवसर है। यह केवल सामान्य प्रतियोगिता नहीं है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत को टाइपोग्राफी के माध्यम से दर्शाने के सार्थक प्रयास का हिस्सा बनने का एक निमंत्रण है जो शक्ति, भावना और संस्कृति को दर्शाता है।

जारी किया फिल्म का पोस्टर

सोनाक्षी सिन्हा स्टारर निकिता रॉय की रिलीज डेट से उठाय पर्दा

बहुप्रतीक्षित साइकोलॉजिकल थ्रिलर निकिता रॉय की रिलीज डेट सामने आ गई है। ये फिल्म 30 मई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है और हाल में मेंकर्स ने फिल्म का एक नया आकर्षक पोस्टर जारी किया है, जिसमें फिल्म की ऑफीशियल रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया गया है। इस फिल्म में एक पावर-पैक्ड कास्ट नजर आएंगी जिसमें सोनाक्षी सिन्हा, अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर जैसे बेहतरीन कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को डायरेक्ट कुश एस सिन्हा ने किया हैं, और एक चिलिंग, इमर्सिव एक्सपीरियंस का वादा करती है, जो साइकोलॉजिक थ्रिलर और ह्यूमन माइंड के ग्रे एरियास को एक्सप्लोर करती है।

निकिता पाई फिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले बनी ‘निकिता रॉय’ का नेतृत्व किंजल अशोक घोने ने निकी खेमचंद भगनानी, विक्की भगनानी, अंकुर टकरानी, दिनेश रतिराम गुप्ता और क्रेटोस एंटरटेनमेंट के सहयोग से किया है। वहीं फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले प्रशंसित थ्रिलर लेखक पवन कृपलानी का है। इस फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट शेयर करते हुए फिल्म के निर्माता निक्की और विक्की भगनानी ने कहा, यह फिल्म हमारे दिल के बहुत करीब है। ये उन विषयों को छूती है जो मेनस्ट्रीम सिनेमा में शायद ही कभी देखने मिलते हैं। इसका जॉनर हमारे लिए बहुत एक्साइटिंग है, और हमें पूरा भरोसा है कि दर्शक भी तैयार हैं इस तरह के कंटेंट के लिए। एक दमदार कास्ट, दिलचस्प कहानी और कुश एस सिन्हा का अनोखा विज़न मिलके इसे एक मस्ट-वॉच बना देते हैं। हम बहुत खुश हैं कि दुनिया निकिता रॉय को बड़े पर्दे पर देखेंगी। इस फिल्म को आनंद मेहता, प्रकाश नंद बिजलानी, शक्ति भटनागर, मेहनाज़ शेख और प्रेम राज जोशी ने को-प्रोड्यूस किया हैं। मिस्ट्री, थ्रिल और साइकोलॉजिकल लेयर्स से भरी हुई ये फिल्म इस साल की सबसे दिलचस्प थ्रिलर्स में से एक बनने जा रही है। तो क्या आप एक्साइटेड है 30 मई, 2025 को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली इस फिल्म को देखने के लिए।

‘सितारे जमीन पर’ को लेकर आमिर ने दी बड़ी अपडेट

आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। लोग फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिट्स आमिर खान पिछले काफी वक्त से अपनी आगामी फिल्म ‘सितारे जमीन पर’ को लेकर चर्चाओं बने हुए हैं। फैंस बड़ी ही बेसब्री से आमिर की इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। वो फिल्म के एक-एक अपडेट के बारे में जानकारी चाहते हैं।

अभी हाल ही में ये जानकारी सामने आई थी कि आमिर खान की ‘सितारे जमीन पर’ 20 जून को रिलीज होगी। अब फिल्म को लेकर एक और नई जानकारी सामने आई है। जिसके बाद फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हो गए हैं।

फिल्म में होंगे 10 प्रमुख किरदार

फिल्म से जुड़ी एक बड़ी जानकारी खुद आमिर खान ने साझा की है। आमिर ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया कि फिल्म में एक-दो नहीं बल्कि 10 प्रमुख किरदार होने वाले हैं। एक्टर ने बताया कि ‘सितारे जमीन पर’ में जो मेन किरदार हैं, उनमें से कुछ डाउन सिंड्रोम, तो कुछ ऑटिस्टिक हैं। फिल्म में कुछ मेन किरदारों को दिव्यांगों ने भी निभाया है।

20 जून को रिलीज होगी फिल्म

‘सितारे जमीन पर’ को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। अभी हाल ही में फिल्म की रिलीज को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई थी। जिसमें रिपोर्ट्स के हवाले से यह कहा गया है कि ‘सितारे जमीन पर’ 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं फिल्म के ट्रेलर को 1 मई को रिलीज होने वाली अजय देवगन की फिल्म ‘रेड 2’ के साथ अटैच किया जाएगा। जिसे इस फिल्म के साथ दिखाया जाएगा।

फिल्म में आमिर के साथ हैं जेनेलिया

‘सितारे जमीन पर’ साल 2007 में आमिर खान की फिल्म ‘तारे जमीन पर’ अगला भाग है। तारे जमीन बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी।

फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने काफी पसंद किया था। यही कारण है कि जबसे आमिर ने ‘सितारे जमीन पर’ की घोषणा की है, तबसे ही दर्शकों में इस फिल्म को लेकर उत्साह बना हुआ है। फिल्म में आमिर खान के साथ जेनेलिया देशमुख भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

सिनेमाघरों में फिर दस्तक देगी पीकू, दीपिका पादुकोण बोलीं- आपकी बहुत याद आती है इरफान

दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन की सुपरहिट फिल्म ‘पीकू’ अपनी 10वीं सालगिरह पर फिर से सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। यह फिल्म 9 मई 2025 को दोबारा रिलीज होगी। दीपिका ने इसकी घोषणा अपने इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो के साथ की। इस मौके पर दीपिका ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान को भी याद किया।

दीपिका ने इंस्टाग्राम पर लिखा, पीकू मेरे दिल के सबसे करीब है। यह फिल्म 10 साल पूरे होने पर 9 मई 2025 को सिनेमाघरों में वापस आ रही है।

इरफान, आपकी बहुत याद आती है। हम आपको अक्सर याद करते हैं। उनके इस पोस्ट ने फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ा दी। इस वीडियो में अमिताभ बच्चन दर्शकों से 9 मई को सिनेमाघरों में ‘पीकू’ देखने की अपील करते दिखे।

फैंस हुए खुश

दीपिका की इस घोषणा ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। फैंस ने कमेंट्स की बौछार कर दी। एक फैन ने लिखा, पीकू मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है। इसे फिर से बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार नहीं कर सकता। दूसरे ने कहा, पीकू और राणा की जोड़ी फिर से देखने को मिलेगी, बहुत खुशी हो रही है। एक अन्य यूजर ने लिखा, यह फिल्म दिल को छू लेती है। इरफान की कमी खलेगी।

‘पीकू’ की कहानी दर्शकों को आई थी पसंद

2015 में रिलीज हुई ‘पीकू’ एक ऐसी फिल्म है, जो हल्के-फुल्के अंदाज में परिवार, रिश्तों और जिंदगी की छोटी-छोटी बातों को खूबसूरती से पेश करती है। फिल्म में दीपिका ने पीकू का किरदार निभाया था जो अपने पिता (अमिताभ बच्चन) के साथ एक रोड ट्रिप पर निकलती है। इस सफर में उनके ड्राइवर राणा के रूप में इरफान खान की एंट्री होती है। तीनों किरदारों की शानदार केमिस्ट्री और फिल्म का मजेदार अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आया था। दीपिका और इरफान की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को फैंस ने खूब सराहा था।

‘ठग लाइफ’ में नजर आएंगी सान्या

‘मिसेज़’ की शानदार सफलता के बाद, सान्या मल्होत्रा अब मणिरत्नम की फिल्म ‘ठग लाइफ’ में एक नए, रंगीन अध्याय के साथ वापसी कर रही हैं। फिल्म का पहला और बहुप्रतीक्षित गाना ‘जिंगुचा’ रिलीज़ हो चुका है और सोशल मीडिया पर पहले ही तहलका मचा रहा है।

यह गाना एक भव्य और हर्षोल्लास से भरी शादी के माहौल में सेट है, जिसमें सिनेमा के दिग्गज कमल हसन और सिलंबरासन टीआर नजर आते हैं और सान्या मल्होत्रा अपने ग्रेस और एनर्जी से इस जश्न को और खास बना देती हैं। हालांकि सान्या फिल्म में एक स्पेशल कैमियो में नजर आएंगी, लेकिन ‘जिंगुचा’ में उनकी मौजूदगी किसी भी तरह से मामूली नहीं है। उनकी परफॉर्मेंस में जोश, ग्रेस और इलेक्ट्रिक अपील का अनूठा मेल है, जो इस फेस्टिव ट्रैक की रौनक को कई गुना बढ़ा देता है। शादी-थीम वाले इस गाने में सान्या ने युवा जोश और सिनेमाई लय से भरपूर परफॉरमेंस दी है, जो कमल हसन के सहज स्वैग और सिलंबरासन की अट्रैक्टिव एनर्जी को खूबसूरती से पूरक बनाती है। हालांकि यह एक सच्चा असेंबली मोमेंट है, लेकिन सान्या की स्क्रीन उपस्थिति और गतिशील डांस ने ट्रैक को अनदेखा करना मुश्किल है। ए.आर. रहमान द्वारा रचित, जिंगुचा ने लोक-प्रेरित लय को आधुनिक साउंडस्केप के साथ जोड़ा है। कमल हसन द्वारा लिखे गए गीत एक चतुर, उत्सवपूर्ण स्पर्श लाते हैं, जबकि मणिरत्नम की सिग्नेचर विजुअल स्टोरीटेलिंग हर फ्रेम में समृद्धि की परतें जोड़ती है।

सान्या ने तरल कोरियोग्राफी और निर्विवाद उपस्थिति के साथ स्क्रीन को रोशन किया, जिससे हमें ठग लाइफ की भव्यता की एक झलक मिलती है। ‘मिसेज़’ में दमदार परफॉर्मेंस देने के बाद, सान्या ने एक बार फिर साबित किया है कि वह कितनी वर्सेटाइल और पावरफुल कलाकार हैं। ‘सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी’ जैसी बड़ी फिल्म और अनुराग कश्यप व बॉबी देओल के साथ आने वाली नई परियोजना के साथ, सान्या का करियर एक मज़बूत उड़ान भर रहा है।

प्रीति जिंटा के नाम पर फैलाया गया इतना बड़ा झूठ, सरेआम खुली पोल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा की टीम पंजाब किंग्स काफी शानदार लय में नजर आ रही है. वह 7 में से 5 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर हैं. हाल ही में पंजाब की टीम ने आरसीबी को उसी के घर में हराया है. इसी बीच सोशल मीडिया पर टीम की को-ओनर प्रीति जिंटा को लेकर सोशल मीडिया पर एक बड़ा झूठ फैलाने की कौशिश की गई. लेकिन प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर इस पोस्ट का जवाब देते हुए इसे फेक न्यूज बताया.

प्रीति जिंटा के नाम पर फैलाया गया इतना बड़ा झूठ

दरअसल, लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने आईपीएल 2025 की शुरुआत से पहले पंजाब किंग्स की टीम पर तंज कसा था. उन्होंने कहा था कि ऑक्शन के समय पंत को सिर्फ एक टेंशन हो गई थी और पंजाब की टीम उन्हें ना खरीद ले. दरअसल, पंजाब ऑक्शन में सबसे बड़े पर्स के साथ उतरी थी. उनके पास 112 करोड़ रुपए थे. लेकिन पंत पंजाब की टीम का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे. पंत का ये बयान सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था. अब सोशल मीडिया पर एक यूजर पोस्ट शेयर करते हुए दावा किया कि प्रीति जिंटा ने पंत के इस बयान का जवाब दिया है. इस यूजर ने पोस्ट किया कि पंजाब की मालकिन प्रीति जिंटा ने ऋषभ पंत की पोल खोलते हुए कहा, 'ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर- हमारे पास दोनों विकल्प थे. जिन्हें हम टीम में ले सकते थे. लेकिन हम एक बड़ा नाम नहीं, बल्कि एक बड़ा परफॉर्मर चाहते थे. इसलिए हमने श्रेयस अय्यर को टीम में लिया.' लेकिन प्रीति जिंटा ने इस पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए इसे फेक न्यूज करार दिया. प्रीति जिंटा ने लिखा, 'मुझे बहुत खेद है लेकिन यह फर्जी खबर है!' प्रीति जिंटा को ये पोस्ट अब काफी वायरल हो रहा है.

दोनों खिलाड़ियों पर लगी रिकॉर्डतोड़ बोली

बता दें, ऑक्शन में पंत से पहले श्रेयस अय्यर पर बोली लगाई गई थी. जहां पंजाब किंग्स ने जमकर पैसा खर्च किया. उन्होंने 26.75 करोड़ रुपए की बोली लगाकर अय्यर को अपनी टीम में शामिल किया. इसके बाद ऋषभ पंत की बोली लगी और लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपए की हैरतअंगेज बोली के साथ उन्हें खरीदा. इसी के साथ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे अमीर खिलाड़ी भी बन गए. इससे पहले किसी भी खिलाड़ी पर इतनी बड़ी बोली नहीं लगी थी.

डेविड वार्नर एमएलसी 2025 में सिएटल ऑर्कास के लिए खेलते नजर आएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के जाने-माने बल्लेबाज डेविड वार्नर अब अपने क्रिकेट करियर की एक नई शुरुआत करने जा रहे हैं। 37 साल के वॉर्नर ने अमेरिका की टी20 लीग मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के तीसरे सीजन के लिए सिएटल ऑर्कास टीम से करार किया है। यह टूर्नामेंट 12 जून से 13 जुलाई 2025 तक अमेरिका में खेला जाएगा। यह वार्नर का एमएलसी में पहला मुकाबला होगा। यह लीग साल 2023 में शुरू हुई थी और धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। टी20 क्रिकेट के सबसे शानदार बल्लेबाजों में से एक माने जाने वाले वार्नर अब तक 401 टी20 मैच खेल चुके हैं और 12,956 रन बना चुके हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 140.27 है। वॉर्नर की खासियत है कि वह शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं और बड़े-बड़े शॉट्स खेलने से नहीं डरते। वार्नर की मौजूदगी से सिएटल ऑर्कास को उनकी पारी की शुरुआत में मजबूती मिलने की उम्मीद है। वार्नर आईपीएल के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक भी हैं और उन्होंने अब तक 6,565 रन बनाए हैं। हालांकि उन्हें आईपीएल 2025 की नीलामी में किसी टीम ने नहीं खरीदा। लेकिन इस झटके का असर उनके खेल पर नहीं पड़ा।

आईपीएल 2025 के बीच राहुल द्रविड़ और संजू सैमसन में हुई लड़ाई? हेड कोच ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के बीच राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और कोच राहुल द्रविड़ चर्चा में बने हुए हैं. दरअसल, हाल ही में कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि संजू सैमसन- राहुल द्रविड़ के बीच संबंधों में खटास आ गई है. इस दोनों के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, जिसका असर टीम के खेल पर भी पड़ रहा है. आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की टीम अभी तक 7 मैचों में से 5 मुकाबले गंवा चुकी है. ऐसे में इस मुद्दे पर अब टीम के हेड कोच ने चुप्पी तोड़ दी है और सब कुछ साफ कर दिया है. हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी वायरल हुआ था. जो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए सुपर ओवर के दौरान का था. तब संजू सैमसन टीम हडल से गायब थे और कोच राहुल द्रविड़ सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों के साथ रणनीति बना रहे थे. इस दौरान एक खिलाड़ी ने संजू को हडल की ओर बुलाने की कौशिश भी की, लेकिन वह हाथ से इशारा करते हुए नजर आए थे. जिसके बाद लड़ाई की खबरों ने और तूल पकड़ना था. लेकिन द्रविड़ ने संजू सैमसन के साथ अनबन की बातों को पूरी तरह से खारिज कर दिया. लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच से पहले राजस्थान रॉयल्स के कोच राहुल द्रविड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पता नहीं कि ऐसी खबरें कहां से आती हैं. संजू और मैं एक ही पेज पर हैं. वह हमारी टीम का एक बहुत ही अहम हिस्सा हैं.

पाटीदार ने सचिन का रिकॉर्ड तोड़ा

आईपीएल में 1000 रन बनाने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय बने

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को पंजाब किंग्स के खिलाफ ढ्ढक्क मैच में 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। पाटीदार आईपीएल इतिहास में 1000 रन बनाने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय बन गए हैं। पाटीदार ने यह उपलब्धि मात्र 30 पारियों में हासिल की, जो गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शन के बाद दूसरे स्थान पर है, जिन्होंने 25 पारियां लीं। ऐसा करके पाटीदार ने सचिन तेंदुलकर, रुतुराज गायकवाड़ और तिलक वर्मा को पीछे छोड़ दिया। तेंदुलकर और गायकवाड़ ने 31 पारियां में यह कमाल किया था जबकि तिलक ने 33 इनिंग्स में 1000 रन बनाए थे। पाटीदार आईपीएल इतिहास में 35 से ऊपर की औसत और 150 से अधिक की स्ट्राइक रेट के साथ 1000 रन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बने। मैच की बात करें तो बारिश के बाद मैच 14 ओवर प्रति टीम कर दिया गया। आरसीबी पहले खेलते हुए एक समय 63 रन पर ही 9 विकेट गंवा चुकी थी। तभी टिम डेविड का बल्ला चला। डेविड ने 26 गेंदों पर 50 रन बनाए और स्कोर 95 तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी पंजाब के लिए प्रियांश 16, प्रभसिमरन 13 तो कप्तान श्रेयस जब 7 रन बनाकर आऊट हो गए तो नेहल वडेहरा ने एक छोर संभाला और ताबड़तोड़ शॉट लगाते हुए पंजाब किंग्स को पांच विकेट से जीत दिला दी। नेहल ने 19 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 33 तो स्टोइनिस ने 2 गेंदों पर 7 रन बनाए।

आईपीएल 2025 में आरसीबी को रास नहीं आया होम ग्राउंड

एक और हार के साथ बनाया अनचाहा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 34वें मैच में पंजाब किंग्स की टीम ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में घरेलू टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 5 विकेट से हरा दिया। बारिश से प्रभावित यह मुकाबला 14 ओवरों का कर दिया गया था। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 14 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 95 रन बनाए, जिसके जवाब में पीबीकेएस ने 12.1 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर टारगेट चेज कर लिया। आंकड़ों पर नजर डालें तो आरसीबी को बेंगलुरु में अपने घरेलू मैदान पर यह 46वीं हार मिली है। किसी टीम ने आईपीएल के इतिहास में किसी एक मैदान पर इतने मैच नहीं हारे हैं।

आरसीबी को घरेलू मैदान खास रास नहीं आया है क्योंकि आईपीएल 2025 में यह एकमात्र ऐसी टीम है जिसे अपने होम ग्राउंड पर मैच जीतना अभी बाकी है। आरसीबी को एम चिन्नास्वामी पर इस सीजन में जीटी और डीसी के हाथों पहले ही हार मिल चुकी है। अब पीबीकेएस ने उन्हें हराया है। खास बात यह है कि ये तीनों हार पहले बैटिंग करते हुए मिली हैं। आरसीबी के प्रमुख बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला भी आईपीएल 2025 में होमग्राउंड पर शांत रहा है। कोहली ने यहां सिर्फ 10 की औसत के साथ 30 रन बनाए हैं। जबकि बाहर के मैदानों पर वह 109.50 की औसत के साथ 249 रन बना चुके हैं। कोहली का बल्ला बाहर के मैदानों पर चला और आरसीबी ने भी इन मैदानों पर जीत दर्ज की। आईपीएल 2025 में आरसीबी ने बाहर के मैदान पर खेलते हुए सभी चार मैच जीते हैं। इस मैच में आरसीबी के प्रदर्शन और साल 2008 में इसी दिन किए गए प्रदर्शन में भी गजब का संयोग देखने को मिला है। 18 अप्रैल 2008 में खेले गए मुकाबले में आरसीबी का 7वां विकेट 43 रनों के स्कोर पर गिरा था। इसी तारीख को 2025 में खेले गए मुकाबले में आरसीबी का 7वां विकेट 42 रन के स्कोर पर गिरा। 2008 और 2025 में खेले गए इन दोनों मैचों में विराट कोहली 1-1 रन बनाकर आउट हुए। आरसीबी के लिए ताजा मैच में कप्तान रजत पाटीदार और टिम डेविड ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। पाटीदार ने 18 गेंदों पर 23 रनों की पारी खेली। टिम डेविड ने सिर्फ 26 गेंदों पर 50 रन बनाए।

9 साल की कियाना ने ग्रीस में जीता ब्रॉन्ज मेडल: विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप में रचा इतिहास

उदयपुर, एजेंसी। राजस्थान की 9 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी कियाना परिहार ने ग्रीस में आयोजित विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। उदयपुर की रहने वाली कियाना ने अंडर-10 बालिका वर्ग में भाग लिया और 11 में से 9 अंक अर्जित किए। उन्होंने यह पदक टाई ब्रेक के आधार पर अपने नाम किया।

कियाना ने पोलैंड, बेलारूस, रोमानिया, वियतनाम, ट्यूशिनिया, स्लोवाकिया, यूक्रेन और तुर्कमेनिस्तान जैसी विभिन्न देशों की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हराया। उनकी जीत ने उन्हें विश्व स्तर पर शीर्ष युवा शतरंज खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। यह चैम्पियनशिप 12 से 18 अप्रैल 2025 तक ग्रीस में आयोजित हुई थी। इसमें दुनियाभर के युवा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। कियाना ने कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए गौरव का क्षण पैदा किया। कियाना परिहार इससे पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। वर्ष 2022 में उन्होंने राष्ट्रीय स्कूल शतरंज चैंपियनशिप (-7) में रजत पदक हासिल किया था। 2023 में अल ऐन, यूएई में एशियन यूथ शतरंज चैंपियनशिप में उन्होंने स्टैंडर्ड में स्वर्ण, रैपिड में रजत और टीम इवेंट्स में तीन स्वर्ण पदक जीते थे। 2024 में कजाकिस्तान में टीम ब्लिट्ज में भी वे स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

2024 के अंत में उन्होंने राष्ट्रीय अंडर-9 बालिका चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया था। वहीं, बटुमी (जॉर्जिया) में आयोजित वर्ल्ड कप 2024 में अंडर-10 बालिका वर्ग में वे 9वें स्थान पर रही थीं। अब कियाना 2025 में भारत की ओर से कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगी, जिनमें बटुमी में वर्ल्ड कप, थाईलैंड में एशियन यूथ चेस चैंपियनशिप, विश्व कैडेट शतरंज चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप शामिल हैं।

वीर और अनहत ने किया शानदार प्रदर्शन, विश्व स्काश चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। दूसरी वरीयता प्राप्त वीर ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मलयेशिया के मोहम्मद सयाफिक कमाल पर 9-11, 11- 6, 11- 6, 11- 7 से जीत दर्ज की। वहीं महिलाओं के क्वार्टर फाइनल में 17 साल की पांचवीं वरीय अनहत ने दबदबे भरा प्रदर्शन करते हुए जापान की अकारी मिडोरिकावा को 11-1, 11-7, 11-5 से मात दी।

भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी वीर चोटरानी और अनहत सिंह ने शुक्रवार को अपने मुकाबले जीतकर विश्व चैंपियनशिप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट (एशिया) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त वीर ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मलयेशिया के मोहम्मद सयाफिक कमाल पर 9-11, 11- 6, 11- 6, 11- 7 से जीत दर्ज की। वहीं महिलाओं के क्वार्टर फाइनल में 17 साल की पांचवीं वरीय अनहत ने दबदबे भरा प्रदर्शन करते हुए जापान की अकारी मिडोरिकावा को 11-1, 11-7, 11-5 से मात दी।

ओलंपिक्स से बाहर इंग्लैंड क्रिकेट टीम! 6 टीमों के नियम का तोड़ निकाल चली नई चाल

ओलंपिक्स में 128 साल के लंबे इंतजार के बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है. 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक्स में टी20 फॉर्मेट में क्रिकेट के मुकाबले खेले जाएंगे. यह भी घोषणा हो चुकी है कि क्रिकेट टूर्नामेंट में दुनिया की सिर्फ 6 ही टीम क्वालीफाई कर पाएंगी. इस बीच एक बहुत बड़ी खबर सामने आई है कि ओलंपिक खेलों में ग्रेट ब्रिटेन की टीम वापसी करने वाली है. इस विषय पर इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड और स्कॉटलैंड क्रिकेट बोर्ड के बीच बातचीत जारी है. स्कॉटलैंड क्रिकेट बोर्ड के चीफ एग्जीक्यूटिव ट्रुडी लिंडब्लेड ने अंग्रेजी मीडिया चैनल से बातचीत करते हुए बताया कि स्कॉटलैंड क्रिकेट मैनेजमेंट का ईसीसबीके साथ बहुत अच्छा रिलेशन बना रहा है. दोनों टीम एकसाथ मिलकर ओलंपिक्स में टीम ग्रेट ब्रिटेन के गठन पर विचार कर रही हैं.

इंग्लैंड नहीं, ओलंपिक्स में खेलेगी टीम ग्रेट ब्रिटेन मौजूदा आईसीसी रैंकिंग पर नजर डालें तो मेंस टी20 रैंकिंग में इंग्लैंड दूसरे और महिला रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है. मगर स्कॉटलैंड, पुरुष और महिला रैंकिंग के टॉप-10 में भी शामिल नहीं है. इस संदर्भ में ट्रुडी लिंडब्लेड ने कहा, ÷टूर्नामेंट में सिर्फ 6 टीम भाग लेंगी, ऐसे में टीम ग्रेट ब्रिटेन का कॉन्सेप्ट हम दोनों के हित में होगा. स्कॉटलैंड बोर्ड के चीफ एग्जीक्यूटिव ने यह भी खुलासा किया कि ईसीबी के अधिकारी इस नए प्लान के प्रति सकारात्मक अपनाए हुए हैं. उन्होंने यह भी बताया कि इंग्लैंड एंड वेल्स 2026 और फिर 2030 में भी वर्ल्ड कप टूर्नामेंट्स की मेजबानी करने वाला है. इस बीच लॉस एंजेलिस ओलंपिक्स एक नए अवसर के रूप में उभर कर सामने आया है. पुरुषों की फुटबॉल टीम को छोड़ दिया जाए तो ओलंपिक खेलों में यूनाइटेड किंगडम के एथलीट ग्रेट ब्रिटेन का ही प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं. मगर ब्रिटिश ओलंपिक एसोसिएशन प्रयास कर रहा है कि 2028 ओलंपिक्स में उसके सारे एथलीट ग्रेट ब्रिटेन के झंडे का प्रतिनिधित्व करने उतरें.

संक्षिप्त समाचार

परिवार के चार सदस्यों की हत्या का मामला : उच्च न्यायालय ने मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदला

नईदिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने अपने परिवार के चार सदस्यों की हत्या के लिए एक व्यक्ति को सुनाई गई मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया है। न्यायालय ने सजा में बदलाव करते हुए घटना के समय व्यक्ति के नशे की हालत में होने और उसके एक नाबालिग बेटे को देखभाल की जरूरत होने का जिक्र किया। राज्य के रायसेन जिले के सिमरेघाट गांव में 16 मई, 2019 को अपनी पत्नी सुनीता, पिता जालम सिंह, मां शारदा और बेटे सिद्धांत की हत्या के लिए जितेंद्र पुरविया को एक निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। बृहस्पतिवार को अपने आदेश में न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल और न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्रा की खंडपीठ ने कहा, ''हमारा मानना ??है कि तथ्यों और परिस्थितियों, यानी घटना के समय व्यक्ति की नशे की हालत और जीवित नाबालिग बेटे की देखभाल को ध्यान में रखा जाना चाहिए।'' पीठ ने कहा कि ये तथ्य मौत की सजा के औचित्य से कहीं अधिक हैं और इसे आजीवन कारावास में बदलने के लिए पर्याप्त परिस्थितियां हैं।

जेएनयूएसयू चुनाव में हिंसा के मद्देनजर चुनाव प्रक्रिया अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नईदिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) चुनाव को शुक्रवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। नामांकन वापस लेने की समय सीमा को कई बार बढ़ाए जाने के कारण पिछले दो दिनों में निर्वाचन समिति (ईसी) कार्यालय में हिंसा और तोड़फोड़ की लगातार घटनाओं के मद्देनजर चुनाव स्थगित किए गए हैं। निर्वाचन समिति ने सुरक्षा में गंभीर कमी तथा परिसर में शत्रुतापूर्ण माहौल का हवाला देते हुए चुनाव प्रक्रिया रोकने के निर्णय की घोषणा की। निर्वाचन समिति ने एक बयान में कहा, ''निर्वाचन समिति कार्यालय और इसके सदस्यों के खिलाफ हिंसा और तोड़फोड़ की हालिया घटनाओं के कारण चुनाव प्रक्रिया गंभीर रूप से बाधित हुई है। जब तक प्रशासन और छात्र संगठनों द्वारा ईसी के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर ली जाती तब तक अंतिम उम्मीदवार सूची जारी करने सहित पूरी प्रक्रिया को रोक दिया गया है।

मोहन भागवत ने पंच परिवर्तन और अधिक शाखाओं पर जोर दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि संगठन की शाखाएं इसकी नींव हैं। सभी सदस्यों को सामूहिक रूप से इनकी संख्या बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। वर्तमान में देश भर में 83,129 शाखाएं हैं, लेकिन आरएसएस अपने शताब्दी वर्ष में एक लाख का आंकड़ा पार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस वर्ष विजयादशमी (दशहरा) पर संगठन के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे। अलीगढ़ के पांच दिवसीय दौरे पर भागवत ने ब्रज क्षेत्र के विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों के साथ बैठकें कीं और समाज में आरएसएस की पहुंच बढ़ाने के लिए अधिक शाखाएं आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित किया। आरएसएस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने परिवर्तन के मूलभूत स्तंभों के रूप में कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव, आत्म सुधार और नागरिकों के कर्तव्यों सहित पंच परिवर्तन को रेखांकित किया। शनिवार को उनके शहर में दो शाखाओं में भाग लेने की उम्मीद है (आरएसएस द्वारा जारी विज्ञप्ति में इसे हरिगढ़ कहा गया है) - एचबी इंटर कॉलेज में सुबह 7 बजे सनातन शाखा और आगरा रोड पर भगत सिंह शाखा, जिसमें छात्र भाग लेंगे।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट पर बनेंगे 6 अंडरपास, डिजाइन भी फाइनल

नईदिल्ली, एजेंसी।
ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट के निर्माण में छह अंडरपास बनाए जाने की तैयारी है। 23 अप्रैल को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की तरफ से इस योजना को मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने करीब 28.5 किमी लंबाई के मेट्रो रूट की योजना बनाई है। इसके तहत 27 स्टेशन का निर्माण होना है। मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास पहला स्टेशन बनेगा। इस योजना के तहत पहले चरण में सेक्टर-नौ तक मेट्रो निर्माण को लेकर टेंडर आमंत्रित कर दिया है। इस टेंडर को 22 अप्रैल को खोला जाएगा। गुरुग्राम-मानेसर विकास योजना के तहत हरियाणा सरकार ने ओल्ड गुरुग्राम की सड़कों पर छह अंडरपास प्रस्तावित किए थे। ये ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट में आ रहे हैं। जीएमडीए की योजना है कि मेट्रो निर्माण के साथ-साथ अंडरपास का निर्माण भी हो जाए। अंडरपास के निर्माण में करीब 550 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड की तरफ से यह अंडरपास तैयार किए जाएंगे। मेट्रो और अंडरपास का निर्माण एक साथ करने के पीछे तीन कारण हैं। मेट्रो और अंडरपास का पिलर एक होने के कारण निर्माण में खर्चा कम आएगा। यदि मेट्रो और अंडरपास का निर्माण अलग-अलग करते तो खर्चा बढ़ने के साथ सड़क पर दो पिलर खड़े होने से जमीन का और अधिग्रहण करना होगा। एक साथ निर्माण होने से आसपास सेक्टर के लोगों यातायात संबंधित परेशानियों का बार-बार सामना नहीं करना पड़ेगा।

बख्तावर चौक अंडरपास का जीएमआरएल ने डिजाइन तैयार कर लिया है। दूसरा अंडरपास रेलवे रोड चौक (सेक्टर-तीनए, चार और पांच चौक) पर बनाया जाएगा। तीसरा सेक्टर-तीन और पांच की मुख्य सड़क से शुरू होगा। चौथा कृष्णा चौक पर बनाया जाएगा, पांचवां अंडरपास रेजांगला चौक पर बनाया जाएगा। छठा अंडरपास सुशील ऐमा रोड पर उद्योग विहार की तरफ बनाया जाएगा।

5452 करोड़ रुपये की लागत से बन रही इस मेट्रो के तहत मिलेनियम सिटी सेंटर, सेक्टर-45, साइबर पार्क, सेक्टर-47, सुभाष चौक, सेक्टर-48, सेक्टर-72ए, हीरो होंडा चौक, सेक्टर-37 औद्योगिक क्षेत्र, सेक्टर-10, सेक्टर-37सी और डी, गांव बसई, सेक्टर-नौ, सेक्टर-सात, सेक्टर-चार, सेक्टर-पांच, अशोक विहार, बजघेड़ा रोड, पालम विहार एक्स्टेंशन, पालम विहार आदि जगहों पर स्टेशन बनेंगे।

दिल्ली में नाबालिग ने बदमाश को पेचकस से मार डाला, बड़े भाई को ब्लेड मारने से था नाराज

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के नबी करीम इलाके में नाबालिग लड़के ने इलाके के घोषित बदमाश के सिर में पेचकस घोंपकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 34 वर्षीय महेंद्र के तौर पर हुई है। महेंद्र ने नाबालिग के बड़े भाई को ब्लेड मार दिया था।

पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया कि इसी का बदला लेने के लिए नाबालिग ने वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने नाबालिग और उसके 19 वर्षीय बड़े भाई लकी को पकड़ लिया है। जानकारी के अनुसार, महेंद्र आर्या पुरा इलाके का घोषित बदमाश था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महेंद्र के घर के पास ही लकी भी रहता है। दोनों एक दूसरे को पहले से जानते थे। महेंद्र ने अपनी बाइक लकी को सड़क किनारे खड़ी करने को कहा था। लकी ने बाइक तिरछी खड़ी कर दी, महेंद्र उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस दौरान लकी ने महेंद्र की पिटाई कर दी। महेंद्र इलाके का घोषित बदमाश था, इसलिए पिटाई से बेइज्जती महसूस हुई। उसने ब्लेड से ताबड़तोड़ वारकर लकी को घायल कर दिया। स्थानीय लोग घायल लकी को लेडी हार्डिंग अस्पताल ले जाने लगे, इस बीच लकी के छोटे भाई को घटना के बारे में पता चला। इसके बाद नाबालिग घर से पेचकस लेकर महेंद्र के पास पहुंचा।

इस बीच मृतक की पत्नी पूजा ने पुलिस को कॉल कर घटना की सूचना दी। एसएचओ आशीष दलाल की देखरेख में इंस्पेक्टर शिवकरन सिंह और एसआई नीरज राठी की टीम ने आरोपी लकी और उसके भाई को पकड़ लिया। वहीं, दिल्ली के ही संगम विहार इलाके में एक युवक ने स्कूल में हुए झगड़े का बदला लेने के लिए दोस्तों के साथ मिलकर शख्स पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपियों के जाने के बाद पीड़ित के दोस्त ने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

दिल्ली में 10 डिग्री तक गिरा पारा

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर वालों को शुक्रवार शाम आई आंधी-बारिश की वजह से तपती गर्मी से राहत मिली। बारिश होने की वजह से न केवल तापमान कम हुआ, बल्कि प्रदूषण भी कुछ हद तक साफ हो गया। शनिवार को भी दिल्ली में बूंदाबांदी के आसार हैं।

दिल्ली में शुक्रवार को धूप खिलने के साथ अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 4.2 डिग्री अधिक है। हालांकि, शाम होते-होते हवाएं चलने लगीं और देर शाम बारिश भी होने लगी।

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को हल्की वर्षा या बूंदाबांदी तथा गरज के साथ छींटे पड़ने, बिजली चमकने और धूल भरी आंधी आने की संभावना है। शाम के समय 40-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी में शनिवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38 डिग्री सेल्सियस और 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दिल्ली में शाम को आए आंधी-तूफान के बाद तापमान में खासी गिरावट देखने को मिली। मौसम विभाग के मुताबिक कुछ जगहों पर 10 डिग्री तक की गिरावट आई है। शाम साढ़े छह बजे से लेकर रात साढ़े नौ बजे के बीच पीतमपुरा में तापमान 37 डिग्री से गिरकर 27 डिग्री पर आ गया। पूसा में 36 डिग्री से गिरकर तापमान 27 डिग्री पर आ गया। स्पोर्ट्स कांप्लेक्स, मयूर विहार आदि क्षेत्रों में भी तापमान में इसी तरह की गिरावट दर्ज की गई है।

फिलिस्तीन का झंडा और हाथ में पिस्तौल; दिल्ली की 'लेडी डॉन' जिकरा के हो रहे चर्चे

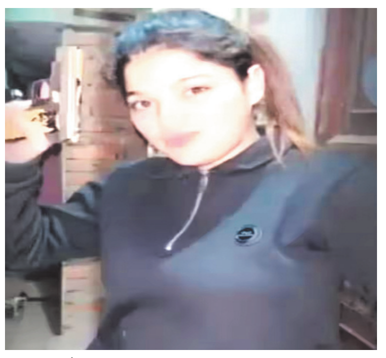

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सीलमपुर में 17 साल के कुणाल की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड के सिलसिले में पुलिस ने लेडी डॉन जिकरा को गिरफ्तार किया है। उसने अपनी भूमिका स्वीकार कर ली है। इसके अलावा उसके भाई साहिल का नाम भी सामने आया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हत्या की साजिश ??जिकरा ने रची थी, जो अपने भाई की चाकू घोंपकर हत्या का बदला लेना चाहती थी। वह करीब 15 दिन पहले आर्म्स एक्ट के मामले में सजा काटकर जेल से बाहर आई थी। जिकरा खुद को लेडी डॉन कहती है। उसे सोशल मीडिया पर रील बनाकर अपलोड करने का शौक है। उसकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर 15.5 हजार फॉलोवर्स हैं। उसने अबतक 685 पोस्ट डाले हैं। जिकरा ने अपनी प्रोफाइल फोटो की जगह फिलिस्तीन का झंडा लगाया है। शेर दी शेरनी नामक प्रोफाइल पर उसने डांस, तमंचा लहराते और हुक्का पीते हुए कई वीडियो अपलोड किए हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिकरा को सोशल मीडिया पर रील बनाने का शौक है और वह अक्सर अपने साथ तमंचा लेकर घूमती थी। सूत्रों ने बताया, हाल ही में जिकरा आर्म्स एक्ट में जेल भी गई थी और 15 दिन पहले ही जेल से बाहर आई थी। बताया जा रहा है। उसका इलाके के एक लाला नाम के बदमाश से विवाद है। उसने लाला के बारे में कुणाल से भी पूछा। कुणाल ने कहा कि उसे उसके बारे में कुछ नहीं पता तो उसने चाकुओं से उस पर वार करवा दिया। अधिकारी ने बताया कि जिकरा जेल में बंद गैंगस्टर हाशिम बाबा की पत्नी के लिए बाउंसर के रूप में काम करती थी। जिकरा अब कथित तौर पर कम से कम 10-15 लोगों के साथ अपना गिरोह चलाती है। उसका कथित रूप से कुख्यात गैंगस्टर हाशिम बाबा से प्रेम संबंध है, जो सलाखों के पीछे है और पिछले साल दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश क्षेत्र में जिम मालिक नादिर शाह की हत्या सहित कई हाई-प्रोफाइल मामलों में शामिल रहा है।

गेस्ट टीचर्स के लिए गुड न्यूज, नियमित जैसे लाभ दे सकती है दिल्ली सरकार; 16 हजार को फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले अतिथि शिक्षकों के लिए अच्छी खबर है। हरियाणा की तर्ज पर दिल्ली सरकार अतिथि अध्यापकों को नियमित शिक्षकों की तरह सुविधाएं देने पर विचार कर रही है। साथ ही, 58 साल की आयु तक सेवाएं नियमित करने की भी योजना है। अतिथि शिक्षकों को हर साल अनुबंध को लेकर होने वाली परेशानी पर रोक लगेगी। वहीं, स्वास्थ्य सुविधा से लेकर हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) मिल सकता है। सूत्रों के मुताबिक, इसको लेकर शिक्षा मंत्री के पास फाइल भेजी गई थी, लेकिन कुछ सुधार करने के लिए फाइल को वापस भेजा गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि सरकार जल्द अतिथि शिक्षकों को लेकर बड़ा फैसला ले सकती है। अतिथि शिक्षक कई वर्षों से अपनी सेवाओं को नियमित करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, समान काम पर समान वेतन की भी गुहार लगा रहे हैं। सरकारी स्कूलों में 16 हजार के करीब अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं। इन शिक्षकों की भर्ती पूर्व कांग्रेस और आप सरकार के कार्यकाल के दौरान हुई थी। अतिथि शिक्षकों को दूसरे कर्मचारियों की तरह ही मातृत्व अवकाश दिए जाने का भी फैसला हो सकता है। शिक्षा निदेशालय अतिथि शिक्षकों का डाटा जुटा रहा है।

साल 2025 की पहली तिमाही में लाखों पाकिस्तानियों ने छोड़ा देश

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस वर्ष की पहली तिमाही में 172,000 पाकिस्तानी काम के लिए पाकिस्तान छोड़कर विदेश गए हैं, जिनमें से लगभग 100,000 सामान्य श्रमिक हैं। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आव्रजन एवं विदेशी रोजगार ब्यूरो (बीआईएंडओई) ने अपनी वेबसाइट पर 2025 के पहले तीन महीनों में देश से बाहर जाने वाले पाकिस्तानियों का विवरण अपडेट किया है। सबसे ज्यादा 121,190 पाकिस्तानी कामगार सऊदी अरब जबकि 8,331 ओमान और 6,891 संयुक्त अरब अमीरात गए हैं। कतर में 12,989 पाकिस्तानियों को काम मिला जबकि 939 पाकिस्तानी बहरीन गए हैं। इसके अलावा 1,454 पाकिस्तानी ब्रिटेन, 870 तुर्किये, 815 यूनान, 775 मलेशिया, 592 चीन, 350 अजरबैजान, 264 जर्मनी, 257 अमेरिका, 109 इटली और 108 जापान गए हैं। पेशेवर श्रेणी के अनुसार विदेश जाने वाले सबसे अधिक 99,139 लोग सामान्य श्रमिक हैं। कुशल श्रमिकों में 38,274 वाहन चालक, 1,859 राजमिस्त्री, 2,130 इलेक्ट्रीशियन, 1,689 रसोइये, 3,474 तकनीशियन और 1,058 वेल्डर शामिल हैं। पेशेवरों व्यक्ति भी विदेश गए जिनमें 849 चिकित्सक और 1,479 इंजीनियर शामिल हैं। इसके अलावा, 390 नर्स और 436 शिक्षक भी विदेश गए हैं। देश से बड़ी संख्या में लोगों के विदेश जाने का विवरण ऐसे समय में सामने आया है जब सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने पहले प्रवासी पाकिस्तानी सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रतिभाशाली व्यक्तियों पलायन की धारणा को खारिज कर दिया। उन्होंने वैश्विक पाकिस्तानी प्रवासियों की सराहना करते हुए उन्हें देश का दूत और चमकता सितारा बताया था। उन्होंने मंगलवार को कहा था, आप सिर्फ विदेश में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे हैं - आप इस महान राष्ट्र की प्रतिभा, सहनशीलता का प्रदर्शन कर रहे हैं। अपना सिर गर्व से ऊंचा रखें, क्योंकि आप एक महान और शक्तिशाली देश से ताल्लुक रखते हैं।

जेलेंस्की को झटका और पुतिन को गिफ्ट, क्रीमिया पर रूसी कब्जे को मान्यता देने की तैयारी में ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को बड़ा झटका देने की तैयारी कर ली है। यूक्रेन के साथ शांति समझौते के तहत अमेरिका क्रीमिया पर रूसी नियंत्रण को मान्यता देने को तैयार है। युद्ध विराम के प्रस्तावित रूपरेखा से परिचित एक अधिकारी ने यह जानकारी साझा की। रूस ने साल 2014 में क्रीमिया पर अपना कब्जा किया था। उससे पहले यह हिस्सा यूक्रेन के पास था। जेलेंस्की कई मौकों पर क्रीमिया को रूस को सौंपने से इनकार कर चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप हर हाल में यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौता चाहते हैं। शांति प्रस्ताव में दोनों देशों के बीच तत्काल युद्ध विराम शामिल है। रूपरेखा को गुरुवार को पेरिस में यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों के साथ साझा भी किया गया। सीएनएन ने अपने सूत्रों के हवाले से जानकारी दी कि इस प्रस्ताव के बारे में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच फोन पर बात भी हुई। प्रस्ताव के कुछ हिस्सों पर अभी चर्चा जारी है। अमेरिका अगले हफ्ते लंदन में यूरोप और यूक्रेन के साथ इस पर बात करेगा। अमेरिका ने गुरुवार को पेरिस में अपने सहयोगी देशों के सामने शांति प्रस्ताव की रुपरेखा पेश की। इसमें युद्ध को समाप्त करने और स्थायी युद्धविराम की स्थिति में मास्को पर प्रतिबंधों में ढील देने की शर्त शामिल है। अगर अमेरिका क्रीमिया पर रूसी कब्जे को मान्यता देता है तो यह व्लादिमीर पुतिन के लिए एक गिफ्ट होगा। रूस लंबे समय से चाहता था कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय क्रीमिया पर रूसी कब्जे को मान्यता दे। उधर, डोनाल्ड ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि दोनों ही पक्ष युद्ध विराम पर आगे बढ़ने पर सहमत होंगे।

तुर्कमेनिस्तान ने इलेक्ट्रॉनिक वीजा के लिए बनाया कानून

अश्गाबात, एजेंसी।
मध्य एशियाई राष्ट्र तुर्कमेनिस्तान ने शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक वीजा की अनुमति देने के लिए एक कानून बनाया है। इसके तहत देश में विदेशी लोगों के लिए प्रवेश आसान हो जाएगा। इस कानून के तहत अब लोग ऑनलाइन ई-वीजा के लिए आवेदन कर सकेंगे। बता दें कि तुर्कमेनिस्तान, लंबे समय से दुनिया के सबसे बंद और सख्त नियमों वाले देशों में से एक है।

1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद तुर्कमेनिस्तान स्वतंत्र हो गया था। इसके बाद से गैस-समृद्ध देश ने संभावित आगंतुकों के लिए सख्त प्रवेश आवश्यकताएं रखी हैं। अब तक तुर्कमेनिस्तान आने वाले विदेशियों को पहले से वीजा लेना पड़ता था। इसके साथ ही किसी व्यक्ति या संस्था से एक औपचारिक आमंत्रण पत्र भी दिखाना पड़ता था। फिर भी कई लोगों के वीजा बिना किसी स्पष्ट कारण के रद्द कर दिए जाते थे।

नए कानून के तहत अब ऐसा नहीं होगा। विदेशी नागरिक अब एक सरलीकृत ऑनलाइन फॉर्म भर सकेंगे। अब वीजा समर्थन पत्रों की आवश्यकता नहीं होगी। नए कानून के चलते संभावित रूप से विदेशी पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और व्यापारिक यात्राएं भी आसान हो जाएंगी।

स्थानीय सरकारी समाचार पत्र के अनुसार, राष्ट्रपति सर्दार बर्डीमुखमेदोव अब तय करेंगे कि किस प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक वीजा उपलब्ध होंगे, उन्हें कैसे जारी किया जाएगा और वे कितने समय के लिए वैध होंगे।

तुर्कमेनिस्तान स्वतंत्रता के बाद से निरंकुश शासन के अधीन रहा है। यह देश अपने विशाल प्राकृतिक गैस भंडार पर निर्भर है। हाल ही में देश ने क्षेत्रीय व्यापार नेटवर्क के विस्तार में एकीकृत होने की इच्छा का संकेत दिया है। मार्च में तुर्कमेनिस्तान ने तुर्किये के साथ एक गैस समझौता (गैस स्वैप डील) लागू किया। इस समझौता के तहत तुर्कमेनिस्तान पहली बार रूस को बायपास कर पश्चिम की ओर गैस भेजने लगा है।

कर्ज़ में डूबी पीआईए को बेचने की नई तैयारी, सरकार ने फिर खोला नीलामी का रास्ता

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान के प्राधिकारियों ने सरकारी विमानन कंपनी 'पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस को बेचने के प्रयास पिछले साल विफल रहने के बाद इसकी बिक्री की नए सिरे से कोशिश करने का फैसला किया है। नकदी संकट से जूझ रही पीआईए के निजीकरण पर वर्षों से विचार किया जा रहा है और इसके लिए 2024 में बोली लगाई गई थी लेकिन सरकार कोई बड़ा खरीदार आकर्षित करने में विफल रही और बोली लगाने वाली एकमात्र कंपनी ने मात्र 10 अरब रुपये की पेशकश की जिसे अस्वीकार कर दिया गया। पीआईए के निजीकरण का काम मई तक कर लिया जाएगा। निजीकरण आयोग की बुधवार को हुई बैठक में अगले सप्ताह से बिक्री प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष एवं निजीकरण पर प्रधानमंत्री के सलाहकार मोहम्मद अली ने की। बयान में कहा गया, पीआईए के पृथक्करण के लिए रुचि की अभिव्यक्ति का एक नया विज्ञापन अगले सप्ताह प्रकाशित करने की योजना है। इसमें कहा गया कि ''एजेंडे के शेष मदों पर विचार करने के लिए बैठक की जाएगी। पीआईए पिछले कई वर्षों से वित्तीय संकट से जूझ रही है। यह समस्या 2023 में तब सामने आई जब पीआईए के 7,000 कर्मचारियों को नवंबर 2023 का वेतन नहीं मिला।

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना का ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों को मिले लाभ

श्रमिकों को जॉब कार्ड निर्गत करने का दिया गया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में डीपीएलआर मेनका ने चास नगर निगम अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं/कार्यों के प्रगति कार्य की समीक्षा की। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार समेत नगर निगम के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

समीक्षा क्रम में डीपीएलआर मेनका ने मुख्यमंत्री श्रमिक योजना की समीक्षा की। नगर निगम द्वारा श्रमिकों को जारी जाब कार्ड की संख्या की जानकारी ली। निगम द्वारा वर्ष 20-21 में 1205, 21-22 में 437, 22-23 में 823, 23-24 में 584 एवं वर्ष 24-25 में 547 श्रमिकों को जाब कार्ड निर्गत किया गया है। इस पर उन्होंने ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों का जाब कार्ड जारी करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्हें प्रतिदिन विभिन्न कार्यों में रोजगार मुहैया कराने को लेकर योजनाबद्ध कार्य करने को कहा। आगे, समीक्षा क्रम में शहर को स्वच्छ बनाने के दिशा में किए जा रहें कार्यों की जानकारी ली। वहीं, इसमें तेजी लाने को कहा। आने वाले बारिश के मौसम को देखते हुए मौसम पूर्व तैयारियों को ससमय सुनिश्चित करने, नालियों की साफ सफाई का निर्देश दिया।

वहीं वेंडर जोन को सक्रिय करने, सामानों की खरीद बिक्री वेंडर जोन में ही सुनिश्चित करने सड़कों एवं शहर को अतिक्रमणमुक्त करने के लिए सतत अभियान चलाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की भी समीक्षा की गई। अपूर्ण आवासों को पूर्ण करने को लेकर नियमित निगरानी करने एवं पूर्ण कराने में गति लाने* को कहा गया।

इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा निर्देश दिया गया।

कांड्रा में दिनदहाड़े अपराधियों ने व्यापारी को मारी गोली

व्यापारियों ने जताया रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। सरायकेला-खरसावां जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कांड्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कांड्रा-डुमरा मुख्य मार्ग पर स्थित एसबी ट्रेडर्स के मालिक संजय बर्मन पर दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने गोलीबारी कर दी। घटना के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। संजय बर्मन को दो गोलियां लगी हैं। एक पैर में और दूसरी जांघ में लगी है।

स्थानीय लोगों ने पहुंचाया थाना, पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। गोली लगने के बाद स्थानीय लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायल संजय बर्मन को कांड्रा थाना ले गए। वहां से पुलिस ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर स्थित टीएमएच अस्पताल पहुंचाया। घायल की हालत स्थिर बताई जा रही है, लेकिन गोली लगने के कारण वे गंभीर रूप से जख्मी हैं। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। कांड्रा बाजार और आसपास के व्यापारियों में गहरा रोष और चिंता देखने को मिल रही है। व्यापारियों का कहना है कि पुलिस प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था और गश्ती को सख्त करने की जरूरत है, क्योंकि अब अपराधी खुलेआम फायरिंग करने लगे हैं।

पुलिस कर रही मामले की जांच

कांड्रा थाना पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। फिलहाल अपराधियों की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन सुरक्षा कैमरों की जांच और चश्मदीदों के बयान के आधार पर पुलिस अपराधियों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार, जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एक नजर

कांग्रेस की टीम ने धनबाद प्रेस क्लब के पदाधिकारियों से की मुलाकात

धनबाद (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। धनबाद में पत्रकारों पर हुए हमले को लेकर रांची से आला कमान के निर्देश पर कंग्रेस के तीन सदस्यीय टीम ने शनिवार को गांधी सेवा सदन प्रेस में पदाधिकारियों और पत्रकारों से मुलाकात की। इस टीम का नेतृत्व राकेश सिन्हा ने किया। टीम की जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है। टीम के द्वारा कहा गया कि यह निंदनीय घटना राकेश सिन्हा ने कहा कि पत्रकारों पर हमला निंदनीय है और इसकी जांच की जा रही है। रांची से आई टीम के द्वारा उचित कार्रवाई का आश्वासन टीम ने पत्रकारों को दिया कि गया और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का भरोसा दिया।कांग्रेस पार्टी के राशिद राजा अंसारी, उनके भाई और बेटों ने पत्रकारों के साथ कवरेज के दौरान दुर्व्यवहार और मारपीट की।कैमरा छीनने की हमलावरों ने पत्रकारों का कैमरा छीनने की कोशिश की, जो एक गंभीर घटना है। कंग्रेस पार्टी ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।टीम ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह रिपोर्ट आला कमान को सौंप दी जाएगी और उचित कार्रवाई करने का भरोसा दिया है।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

धनबाद (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बायपास रोड स्थित जेपी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में स्व. जोसना मंडल की आठवीं पुण्यतिथि मनाई गई। जेपी इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन प्रदीप मंडल, प्रबंध निदेशक नित्यानंद मंडल, डायरेक्टर डॉ. किमी मंडल समेत जेपी हॉस्पिटल के डॉक्टर्स एवं प्रोफ़ेसर्स ने उनके चित्र पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कर नमन किया। पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर हर वर्ष की भांति महिलाओं को साड़ी एवं पुरुषों को धोती एवं बच्चों को किताब पेंसिल देकर स्नेहपूर्वक भोजन कराया गया। श्रद्धांजलि सभा में भाजपा के महानगर अध्यक्ष,सरवन राय भाजपा जिला महामंत्री, मानस प्रसून, भाजपा युवा मोर्चा के महामंत्री तमाल राय, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष विभा रानी एवं जेपी ग्रुप के कर्मचारी सहित आसपास के गांव के सैकड़ो, महिलाएं पुरुष एवं बच्चे उपस्थित थे।

खनन विभाग ने की कार्रवाई, ट्रैक्टर जब्त

बोकारो (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। शनिवार को जिले के दांतू-खेतको मार्ग पर छापेमारी अभियान चलाया गया। जिसमें सोनहर के समीप अवैध रूप से बालू खनिज का उत्खनन कर प्रेषण करते हुए एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया। जिसे विधिवत जप्त कर पेटरवार थाना को सुपुर्द करते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही खेतको-जारंगडीह पुल का निरीक्षण किया गया। उक्त अभियान में खान निरीक्षक सीताराम टुडू,थाना प्रभारी पेटरवार राजू कुमार मुंडा एवं पुलिस बल मौजूद थे। इसकी जानकारी जिला खनन पदाधिकारी श्री रवि कुमार सिंह ने दी।

धधकीटांड सामुदायिक विकास भवन जर्जर

टुण्डी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। टुण्डी प्रखंड मुख्यालय से महज पांच किलोमीटर की दूरी में स्थित धधकीटांड सामुदायिक विकास भवन वर्तमान में काफी जर्जर हालत में खड़ा है कभी भी यह भवन जमींदोज हो सकता है अंदर से केवल सरिया दिखता है सीमेंट पूर्णरूपेण झड़ चुका है पूर्व में इसे गांव में होने वाले पंचायत स्तरीय बैठक आयोजित होता था परन्तु जर्जर हालत में होने के कारण लोग इस भवन के अंदर बैठने से कतराते हैं यह भवन इस बर्ष बर्षा का पानी झेलने में असमर्थ हैं। कई बार लघु सिंचाई विभाग से प्राक्कलन तैयार किया गया पर हर बार फंड की कमी आड़े आने लगा जिससे यह भवन जस का तस पड़ा हुआ है।

आधार पंजीकरण अपडेट को आयोजित होंगे विशेष शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। सरकार के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ लेने हेतु आधार कार्ड लाभुकों के पास होना अनिवार्य है। बिना आधार कार्ड के सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ लाभुकों तक पहुंचाना सुलभ नहीं है। उन्हें ऐसे में ससमय जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता हैं। ई-केवाईसी नहीं हो पाता है।

ऐसे में वैसे लाभुक जिनके आधार कार्ड में कोई त्रुटि हैं अथवा जिनके पास आधार नहीं है, त्रुटि में सुधार अथवा नये आधार कार्ड बनाने हेतु विशेष शिविर का आयोजन उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार दिनांक 21 अप्रैल से 01 मई, 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

इन स्थानों पर लगेगा विशेष शिविर

जिले के विभिन्न बैंकों/पोस्ट ऑफिस/ प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय में संचालित आधार पंजीकरण/सुधार केंद्रों में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर 21 अप्रैल से एक मई तक आयोजित होगा।

इस बाबत उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को जरूरी दिशा - निर्देश दे दिया है। कहा है कि वे अपने-अपने प्रखंडों में *वैसे लाभुकों को जिनके आधार में त्रुटि है या जिनके पास आधार नहीं है, उन्हें शिविर के माध्यम से शत-प्रतिशत आधार पंजीकरण अथवा अपडेट कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही, शिविर का व्यापक प्रचार प्रसार करेंगे।

जरूरतमंदों के अबुआ आवास स्वीकृत करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शनिवार को निरसा प्रखंड का भ्रमण करने के दौरान रानी तालाब का भी निरीक्षण किया।

लगभग 40 एकड़ क्षेत्रफल में फैले रानी तालाब में जेसीबी मशीन से गाद की साफ सफाई चल रही है। उपायुक्त ने तालाब की मापी कराकर पूरे तालाब की अच्छे से सफाई करने, पानी के स्त्रोत की सावधानीपूर्वक और समय पर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने डीएमएफटी फंड से निरसा के देवियाना पंचायत में आंगनवाड़ी केंद्र का जीर्णोद्धार का निरीक्षण किया। उन्होंने संवेदक को शौचालय और पानी की सुचारू व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

इसके बाद उपायुक्त ने निरसा प्रखंड सह अंचल कार्यालय के पीछे निर्मित क्वार्टरों का निरीक्षण किया। कार्य की गुणवत्ता जांचने के लिए उन्होंने आईआईटी आईएसएम में निर्माण के कुछ अंश की जांच कराने और कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। भ्रमण की अगली कड़ी में उपायुक्त ने बेलकूपा पंचायत में बिरसा हरित ग्राम योजना एवं बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना का निरीक्षण किया। उन्होंने योजना के लाभुक गोपाल गोराई से कृषि एवं लिफ्ट इरीगेशन के संबंधित जानकारी प्राप्त की।

इसके बाद उपायुक्त ने बेलकूपा के झिरका पंचायत में जन वितरण प्रणाली दुकान का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टॉक रजिस्टर, ई-पॉस मशीन, एक्सेप्शन रजिस्टर, मार्च महीने का वितरण, ऑफलाइन स्टॉक रजिस्टर तथा ई-केवाईसी की जांच की। स्टॉक रजिस्टर में अनियमितता मिलने पर उन्होंने पीडीएस डीलर एवं मार्केटिंग ऑफिसर को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही पीडीएस डीलर मंटु मंडल को सभी रिकॉर्ड को सुचारू रूप से रखने व शत प्रतिशत कार्डधारक का ई-केवाईसी पूरा करने का निर्देश दिया। भ्रमण के अंतिम चरण में उपायुक्त में बेलकुपा पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं अबुआ आवास योजना के अंतर्गत लाभुकों द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने लाभुकों को समय पर निर्माण कार्य पूरा करने, मुखिया को जरूरतमंदों का आवास स्वीकृत करने, प्रखंड समन्वयक को मैनडेज का भुगतान करने, द्वितीय एवं तृतीय किस्त देने के बाद लगातार काम की निगरानी कर समय पर प्लास्टर कराने, खिड़की - दरवाजे लगवाने एवं जियो टैग कर योजना को पूरा करने का निर्देश दिया। मौके पर निरसा के प्रखंड विकास पदाधिकारी इंद्रलाल ओहदार, डीआरडीए के परियोजना पदाधिकारी मनोज कुमार, जिला समन्वयक सुशांत कुमार, प्रखंड समन्वयक, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी व अन्य लोग मौजूद थे।

स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित हटिया संचालन में प्रबंधन ने की नई पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। सेक्टर-5 स्थित हटिया के संचालन की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बीएसएल प्रबंधन ने एक नई पहल करते हुए इसके संचालन की जिम्मेदारी स्थानीय विस्थापित वर्ग की एजेंसी मेसर्स सोनी इंटरप्राइजेज को सौंपा है। इस नई व्यवस्था की शुरुआत 19 अप्रैल को मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवा) श्री कुंदन कुमार ने की. इस मौके पर बीएसएल अधिकारियों के अलावा सेक्टर 5 हटिया के दुकानदार, जन सामान्य तथा मेसर्स सोनी इंटरप्राइजेज के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवा) कुंदन कुमार ने बताया कि हटिया परिसर को स्वच्छ, हाईजीनिक और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नई व्यवस्था लागू की गई है जिसका लाभ दुकानदार और खरीदार, दोनों को मिलेगा। उन्होंने सेक्टर 5 हटिया के सभी दुकानदारों से इस नई व्यवस्था को लागू करने में सहयोग करने की अपील की।

महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) ए के सिंह ने बताया कि सेक्टर-5 हटिया संचालन हेतु स्थानीय विस्थापित वर्ग की एजेंसी का चयन टेंडर प्रक्रिया के तहत किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि चयनित एजेंसी मेसर्स सोनी इंटरप्राइजेज हटिया में दुकानदारों के बैठने के लिए निर्धारित शुल्क 40 रूपये प्रति दिन पर उन्हें 3 मीटर x 3 मीटर अथवा 30 रूपये प्रति दिन शुल्क पर 3 मीटर x 2 मीटर का स्थान उपलब्ध कराएगी. इसके अलावा ठेला संचालकों को भी निर्धारित दर 20 रूपये प्रति दिन पर स्थान प्रदान किया जाएगा(बदले में सम्बंधित एजेंसी हटिया की साफ-सफाई और हटिया के संचालन के लिए आवश्यक अन्य मूलभूत सुविधाएँ दुकानदारों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगी। सेक्टर 5 हटिया के दुकानदारों को दुकान संचालन के लिए अस्थाई तौर पर विद्युत कनेक्शन भी प्रदान किया जाएगा जिसका भुगतान उन्हें अलग से करना पड़ेगा। संचालन के लिए नियुक्त एजेंसी यह भी सुनिश्चित करेगी कि सेक्टर 5 हटिया परिसर में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या अतिक्रमण न हो। मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवा) कुंदन कुमार ने आगे बताया कि जल्द ही सेक्टर 5 हटिया और सिटी सेंटर में वाहन पार्किंग के लिए भी नई व्यवस्था लाई जाएगी ताकि अव्यवस्थित पार्किंग से होने वाली समस्या का निदान हो सके। सभी उपस्थित जनों से अपील की गई कि वे इस प्रयास में सक्रिय सहयोग करें ताकि सेक्टर-5 हटिया को एक मॉडल हटिया के रूप में विकसित किया जा सके. यह पहल न केवल बाजार क्षेत्र की उन्नति की दिशा में एक सार्थक कदम है, बल्कि स्मार्ट बोकारो की परिकल्पना को साकार करने में भी सहायक सिद्ध होगी।

डीएवी पब्लिक स्कूल में मनाई गई महात्मा हंसराज की जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। महान शिक्षाविद् आर्य समाज के जुझारू नेता महात्मा हंसराज की 161 वीं जयंती डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर -4 में पारंपरिक रूप से मनायी गयी। इस अवसर पर एल एम सी के उपाध्यक्ष बीएस जायसवाल शशिभूषण जी एवं ब्रह्मदेव जी की उपस्थिति गरिमामय रही। विशाल प्रार्थना सभा के मध्य स्थित 11 हवन कुंडो में विद्यालय के प्राचार्य के साथ-साथ कक्षा पाँचवीं से 10 वीं तक के लगभग एक हजार बच्चों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां दीं। इस विशेष अवसर पर आर्य समाज के प्रति पूर्ण समर्पित महात्मा हंसराज के जीवन और योगदान को याद किया गया।

पंजाबी हिंदू खत्री परिवार में इनका जन्म 19 अप्रैल 1864 को पंजाब के होशियार पुर जिले के बजवाड़ा गाँव में हुआ था। कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद भी उन्होंने अनेक डीएवी संस्थाओं की स्थापना की। विद्यालय के प्राचार्य एस एस कर ने कहा कि डीएवी स्कूल भारतीय चिंतन और भारतीय संस्कृति के साथ आधुनिक प्रौद्योगिकी के संगम हैं। बच्चों के संबोधन में आगे उन्होंने कहा कि युवावस्था में उन्हें स्वामी दयानंद जी के व्याख्यानों को सुनने का अवसर मिला। उनके व्यक्तित्व पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा । जिससे उनकी जीवन-दिशा ही बदल गई। परिणाम स्वरूप प्रथम डीएवी संस्था के वे अवैतनिक हेडमास्टर बने। महात्मा जी ने अपने गुरु स्वामी दयानंद के आदर्शों को प्रतिस्थापित करने का ज़रिया डीएवी को बनाया। छात्र-छात्राओं ने भी पोस्टर स्लोगन के द्वारा उनके कर्मक्षेत्र पर प्रकाश डाला। भारतीय संस्कृति को बचाए रखने और विकसित राष्ट्र की कल्पना को साकार करने के उनके संकल्प को याद करते हुए कुछ इस प्रकार अपने मनोभावों को व्यक्त किया। आर्य समाज के उत्कृष्ट आदर्शों का उद्घोष पूरे विश्व में हो तथा ज्ञान का दीप अनवरत प्रज्वलित होता रहे यही महात्मा हंसराज के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने किया रक्त सेपरेशन यूनिट का उदघाटन

गिरिडीह (नबिटा संवाददाता)। गिरिडीह के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। वर्षों पुरानी बल्ड सेपरेशन यूनिट का उदघाटन हुआ। गिरिडीह सदर अस्पताल में बल्ड सेपरेशन यूनिट का उदघाटन झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर मंत्री इरफान अंसारी ने गिरिडीह को मेडिकल कॉलेज सहित कई उपहार देने की घोषणा की। मंत्री ने कहा कि 300 करोड़ की लागत से सदर अस्पताल का निर्माण पुराने भवन को तोड़कर होगा। उन्होंने कहा कि गिरिडीह को सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के साथ साथ 25 कॉटेज भी दिया जाएगा। रक्त केंद्र गिरिडीह में सेपरेशन यूनिट के लोकार्पण के मौके पर पत्रकार प्रभात कुमार सिन्हा समेत कई लोगों ने रक्तदान किया। आज के उदघाटन कार्यक्रम में डीसी नमन प्रेयस लकड़ा, सिविल सर्जन डॉ एस पी मिश्रा, पुलिस अधीक्षक डॉक्टर विमल कुमार और रेड क्रास सोसायटी के चेयरमैन अरविंद कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com

कैपिटल रिपेयर के बाद सिंटर मशीन का परिचालन शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के मुख्य महा प्रबंधक (अनुरक्षण) एस गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (गुणवत्ता) एम लाल, मुख्य महा प्रबंधक (रेफ्रैक्टरीज) एन श्रीकांत, मुख्य महा प्रबंधक (यूटिलिटीज) एस आर सिंह, मुख्य महा प्रबंधक (मैकेनिकल) पी कुमार, मुख्य महा प्रबंधक (एस एंड एफएस) बी के सरतापे की उपस्थिति में कैपिटल रिपेयर के बाद सिंटर मशीन 01 का परिचालन शुरू शुरू किया गया। इस दौरान सिंटर प्लांट के अन्य वरीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे. सिंटर प्लांट के सिंटर मशीन 01 के कैपिटल रिपेयर का कार्य 05 अप्रैल से शुरू किया गया था। इस दौरान मुख्यतः हर्थ बीम और स्लिट बर्नर मॉड्यूल, एसआरसी बाईपास में संसोधन, पॉलिमर लाइनर, 04 स्पीड मोटर को सिंगल स्पीड मोटर के साथ बदलना तथा एग्जॉस्टर 01 इम्पेलर के व्यापक मरम्मत जैसे महत्वपूर्ण

मरम्मत के कार्य को मुख्य महा प्रबंधक (सिंटर प्लांट) श्री पी चौधरी के नेतृत्व में किया गया. सिंटर प्लांट के महाप्रबंधक अंशुमाली, एस.के. सिंह, संजीव कुमार, ए. हाज़रा, ए. गुप्ता के देखरेख में ऑपरेशन, इलेक्ट्रिकल तथा मैकेनिकल के अन्य अधिशासी और कर्मचारी के टीम के द्वारा सभी मरम्मत के कार्य को एक निश्चित समय सीमा के अन्तर्गत पूरी सुरक्षा के साथ संपूरित किया गया. मुख्य महा प्रबंधक (सिंटर प्लांट) पी चौधरी ने कहा कि कैपिटल रिपेयर से सिंटर मशीन की उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी.

आंगनबाड़ी सहायिकाओं के बीच पोषण पकवान प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। पोषण पखवाड़ा के तहत शनिवार को बोकारो स्टील सिटी क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर 2 डी, कला केंद्र स्थित सभागार में जिला स्तरीय पोषण पकवान (व्यंजन) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता जिले के कुल 11 परियोजनाओं के कुल 33 आंगनबाड़ी सहायिकाओ (जो पूर्व में प्रखंड स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया है) के बीच किया गया। उक्त प्रतियोगिता निदेशक, डीपीएलआर मेनका की निगरानी में सम्पन्न हुआ। निदेशक, डीपीएलआर ने उपस्थित सभी आंगनबाड़ी सेविका सहायिका को कहा कि सभी परियोजना के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों की मां को भी केंद्र पर बुलाकर खाद्य पदार्थों सहित न्यूट्रिशन के बारे में बताइए ताकि वो भी अपने-अपने घरों में बच्चों को बनाकर खिला सके। उन्होंने विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों को टेस्ट करने के दौरान कहा कि मोरिंगा एवं गूलर की सब्जी इतना बढ़िया बन सकता है यह हम आज जाने। इसलिए

उन्होंने आगे बताया कि केंद्र के बच्चों की मां को भी इसकी जानकारी दे। ताकि वो भी अपने बच्चों को पोषणयुक्त भोजन खिला सके। उन्होंने सभी परियोजना के सभी सहायिका को धन्यवाद दिया यह कार्यक्रम बहुत ही सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

सभी स्तर से तीन-तीन प्रतिभागियों का किया जाएगा चयन

निदेशक, डीपीएलआर मेनका ने बताया कि पोषण पखवाड़ा के तहत सभी 11 परियोजना में पोषण पकवान प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता ग्राम स्तर से राज्य स्तर तक आयोजन किया जाएगा और सभी स्तर से तीन-तीन प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। राज्य स्तर पर जिस केंद्र का रेसिपी चयनित होगी, वह पूरे राज्य के सभी आंगनबाड़ी के रेसिपी में लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विगत दिनों पूर्व प्रतियोगिता में प्रखंड स्तर पर चयनित सहायिकाओं को जिला स्तरीय पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम में पोषण पकवान प्रतियोगिता के लिए भेजा गया। समूह का चयन बतौर निर्णायक मुख्य अतिथियो द्वारा किया था। निदेशक, डीपीएलआर मेनका ने प्रतियोगिता में सेविका एवं सहायिका को बताया कि आप लोगों के बीच में इस तरह का प्रतियोगिता इसलिए कराया जा रहा है, ताकि आंगनबाड़ी केंद्र पर किस तरह से बच्चों के लिए खाना बनाती हैं और उस दौरान सुरक्षा स्वच्छता पर कैसे ध्यान रखती है। साथ ही ध्यान रखा जाता है कि आंगनबाड़ी केंद्र की पोषक क्षेत्र में कौन-कौन से खाद्य पदार्थ आसानी से उपलब्ध है और लोग ग्रहण कर रहे है। इस तरह का प्रतियोगिता से खाना बनाने का कौशल का भी बेहतर विकास होता है।

प्रतियोगिता में झारखंड के लोकप्रिय व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। जिले का 11 परियोजना की रसोईया और सहायिका ने 100 से अधिक व्यंजन बनाए थे। यह आयोजन पोषण पखवाड़ा के तहत किया गया है। जिलेभर में सरकार के निर्देश पर यह आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पोषण की गुणवत्ता बढ़ाना है और बच्चों को पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराना है। सेविकाओं के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में दिए जाने वाले पैकेट से केक, ढोकला, चिला, खीर, हलवा, लड्डू, ठेकुआ इत्यादि का प्रदर्शन किया गया एवं स्थानीय तौर पर उपलब्ध साग सब्जी भी प्रदर्शित भी किया गया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों व महिलाओं को मोटा अनाज मुहैया कराना है। इसे लेकर प्रतियोगिता और नवाचार का आयोजन किया गया है, ताकि भविष्य में पोषणयुक्त भोज्य पदार्थ उपलब्ध कराया जा सके। इस दौरान सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सभी क्लस्टर के सुपरवाइजर सहित सेविका सहायिका एवं जिला समाज कल्याण कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित थे।